हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

मप्र के लिए 'शानदार शनिवार'.... सौगातों की बारिश

केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 4250 करोड़ से अधिक की लागत वाली 174 किलोमीटर लंबी 9 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

जबलपुर में रात में जगमगाता रानी दुर्गावती फ्लाईओवर

ये भी महत्वपूर्ण घोषणाएं

1. मप्र में बनेगा टाइगर कॉरिडोर
2. मप्र सीधे विशाखापट्टनम बंदरगाह से जुड़ेगा
3. भोपाल से इंदौर 160 किमी ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को स्वीकृति
4. मप्र में 2100 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे हैं 7 रोप-वे
5. मप्र के लिए स्वीकृत 3 लाख करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाएं

जबलपुर में प्रदेश को मिला करीब 7 किमी लंबा रानी दुर्गावती फ्लाईओवर

केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने किए बड़े ऐलान...60 हजार करोड़ से अधिक के रोड प्रोजेक्ट्स की घोषणा

भोपाल से जबलपुर के बीच बनेगा 255 किमी लंबा ग्रीन फील्ड हाईवे

हरिभूमि न्यूज ▶▶जबलपुर

मप्र के लिए शनिवार का दिन ऐतिहासिक रहा। इस दिन केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 4250 करोड़ से अधिक की लागत वाली 174 किलोमीटर लंबी 9 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें करीब 7 किमी लंबे प्रदेश का सबसे बड़ा रानी दुर्गावती फ्लाई ओवर दमोह नाका-रानीताल-मदनमहल-मेडिकल रोड भी शामिल है। इस फ्लाई ओवर के लिए पहली बार 1200 करोड़ रुपए का सेंट्रल रोड फंड मंजूर हुआ।

जबलपुर के महानद्दा में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि देश को 2047 तक शक्तिशाली और विश्वगुरु बनाने के संकल्प के साथ कार्य जारी है। भारत अभी 22 लाख करोड़ रुपए का ईंधन आयात कर रहा है। उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन हमारे भविष्य का ईंधन है। हाइड्रोजन के बल पर हम ऊर्जा का निर्यात करेंगे। अब हमारा अन्नदाता, ऊर्जा उत्पादक होगा और वह समृद्ध भी होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ ही पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल, उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला व कई अन्य मंत्री, जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में जबलपुर के वरिष्ठ नेता, विधायक मौजूद थे।

गडकरी ने कहा कि भारत अभी 22 लाख करोड़ रुपए का ईंधन आयात कर रहा है। उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन हमारे भविष्य का ईंधन है। हाइड्रोजन के बल पर हम ऊर्जा का निर्यात करेंगे। अब हमारा अन्नदाता, ऊर्जा उत्पादक होगा और वह समृद्ध भी होगा

साढ़े 4 घंटे में पहुंचेंगे ग्वालियर से दिल्ली

गडकरी ने कहा कि मप्र के लिए 3 लाख करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाएं स्वीकृत की हैं, जिनमें से 75 हजार करोड़ के कार्य पूरे किए हैं। 65 हजार करोड़ के कार्य प्रगति पर हैं। आने वाले समय में डेढ़ लाख करोड़ रुपए की लागत से करीब ढाई हजार किमी के कार्य डीपीआर के लिए रखे हैं। आगरा-ग्वालियर एक्सप्रेस-वे का भूमिपूजन भी जल्द होगा। साढ़े 4 घंटे में ग्वालियर से दिल्ली पहुंचेंगे। दिल्ली से मुंबई के बीच बनाए जा रहे एक्सप्रेस वे में मप्र में 245 किमी का हिस्सा बनकर पूरा हो गया है। मुंबई में भी कार्य अंतिम चरण में है।

नर्मदा नदी पर एक भव्य ब्रिज का निर्माण होगा

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मप्र में 33 हजार करोड़ रुपए की लागत से 5 ग्रीन फील्ड इकोनॉमिक कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। इंदौर से हैदराबाद कॉरिडोर पर ओंकारेश्वर के पास नर्मदा नदी पर एक भव्य ब्रिज का निर्माण किया गया है। जल्द ही इसका उद्घाटन किया जाएगा। गडकरी ने कहा कि उज्जैन-गरोठ 4 लेन ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे, भोपाल से कानपुर 440 किमी लंबा 4 लेन इकोनॉमिक कॉरिडोर बनने पर 15 घंटे की यात्रा 8 घंटे में पूरी होगी।

सीएम डॉ. यादव ने कहा

सड़कों के आधार पर बदलता है देश का भाग्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में सड़क आधोसंरचना निर्माण और विस्तार का दायित्व केंद्रीय मंत्री गडकरी संभाल रहे हैं। यह गडकरी के प्रबंधन का चमत्कार है कि देश में सड़क और अधो-संरचना निर्माण के लिए कभी पैसे की कमी होने ही नहीं देते। गडकरी ने महाकौशल सहित प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों और निवासियों की रोड नेटवर्क संबंधी आकांक्षा-अपेक्षा को पूर्ण किया है। प्रदेश को दी गई रोड नेटवर्क संबंधी सौगातों के लिए प्रदेशवासियों की ओर से केंद्रीय मंत्री गडकरी का अभिवादन करते हुए आभार माना।

भोपाल से जबलपुर के बीच ग्रीन फील्ड हाईवे बनेगा 15 हजार करोड़ में

गडकरी ने कहा कि भोपाल से जबलपुर के बीच 255 किमी लंबा नया ग्रीन फील्ड हाईवे बनाया जाएगा, जिसकी लागत 15 हजार करोड़ रुपए होगी। इसके लिए डीपीआर दिसंबर तक पूर्ण कर लिया जाएगा। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूर्ण होने पर अप्रैल-मई 2026 से हाईवे निर्माण का कार्य शुरू हो जाएगा। लखनादौन से रायपुर के बीच 220 किमी लंबा 4 लेन हाईस्पीड कॉरिडोर, 10 हजार करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा, यह रायपुर-विशाखापट्टनम कॉरिडोर से कनेक्ट होगा। इस प्रकार मप्र सीधे विशाखापट्टनम बंदरगाह से जुड़ेगा। इंदौर से भोपाल 160 किमी ग्रीन फील्ड कॉरिडोर को स्वीकृति दी जा रही है। इसकी लागत 12 हजार करोड़ रुपए होगी।

एक ही रोड से जुड़ेंगे कान्हा, बांधवगढ़, पन्ना और पेंच टाइगर रिजर्व

गडकरी ने कहा कि जबलपुर से मंडला और छत्तीसगढ़ सीमा तक 2.5 हजार करोड़ रुपए का 150 किमी का 6 लेन के चौड़ीकरण का कार्य किया जाएगा, यह कार्य 6 महीने में शुरू होगा। सिवनी-छिंदवाड़ा-सावनेर 4 लेन चौड़ीकरण का कार्य 2.5 हजार करोड़ रुपए लागत से 6 माह में शुरू किया जाएगा। खरगोन-देशगांव-जुलवानिया मार्ग के 108 किमी 4 लेन चौड़ीकरण का कार्य 2300 करोड़ रुपए से किया जाएगा। महाराष्ट्र सीमा तक बैतूल-परसवाड़ा 2 लेन मार्ग को भी मंजूरी दी गई है। बालाघाट से मंडला के बीच बेहतर संपर्क के लिए सड़क बनाई जाएगी। मप्र में टाइगर कॉरिडोर बनाया जाएगा। इसके तहत जबलपुर से बांधवगढ़ तक 4600 करोड़ रुपए की लागत से 4 लेन सड़क बनाई जानी थी, जिसे बढ़ाकर अब 5500 करोड़ रुपए किया गया है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

सागर एसपी, कलेक्टर को आयोग की फटकार

सागर। सागर जिले के बारदा में अवैध क्रेशर से करंट लगने के मामले में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने सागर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को फटकार लगाई है। आयोग ने मुख्य सचिव अनुराग जैन को चिट्ठी लिखी है। जिसमें कहा है कि इस घटना में करंट लगने से हाथ कटवाने को मजबूर हुए मानस शुक्ल के परिजनों को 10 लाख रुपए की सहायता क्यों न दी जाए?

जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक

3 और 4 सितंबर को होगी 2 स्लैब स्ट्रक्चर पर फैसला

5 और 18 प्रतिशत स्लैब ही रहेंगे

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक 3-4 सितंबर को होने वाली है। इस बैठक में मंत्री समूह (जीओएम) द्वारा दो स्लैब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत को बरकरार रखने के प्रस्ताव पर फैसला होगा।

परिषद की यह बैठक केंद्र द्वारा जीएसटी कराधान व्यवस्था के ढांचे को वर्तमान चार स्लैब से दो स्लैब में बदलने के बड़े पैमाने पर प्रयास के बीच हो रही है। छह सदस्यीय जीओएम का नेतृत्व करने वाले बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अनुसार हमने दो स्लैब वाले जीएसटी स्ट्रक्चर की सिफारिश की है और अपनी सिफारिशें जीएसटी परिषद को सौंप दी हैं। जीओएम ने सहमति व्यक्त की कि नई व्यवस्था के तहत मौजूदा 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत स्लैब को समाप्त कर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य एक सरल और अधिक पारदर्शी जीएसटी व्यवस्था की ओर बढ़ना है।

पीएम-सीएम को पद से हटाने संबंधी विधेयक

जेपीसी में नहीं होंगे टीएमसी सांसद, पार्टी ने बताया-तमाशा

लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य शामिल होंगे

एजेंसी ▶▶कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों को पद से हटाने की रूपरेखा तय करने वाले तीन विधेयकों पर विचार के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को तमाशा करार देते हुए कहा कि वह इसमें कोई सदस्य नहीं भेजेगी। केंद्र सरकार ने मानसून सत्र के दौरान केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक 2025, संविधान (130वां संशोधन) विधेयक 2025 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 लोकसभा में पेश किए। विपक्ष के हंगामे के बाद इन्हें संसद की एक संयुक्त समिति को भेज दिया गया है।

दोनों सदनों ने विधेयकों को एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने का प्रस्ताव पारित किया जिसमें लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य शामिल होंगे।

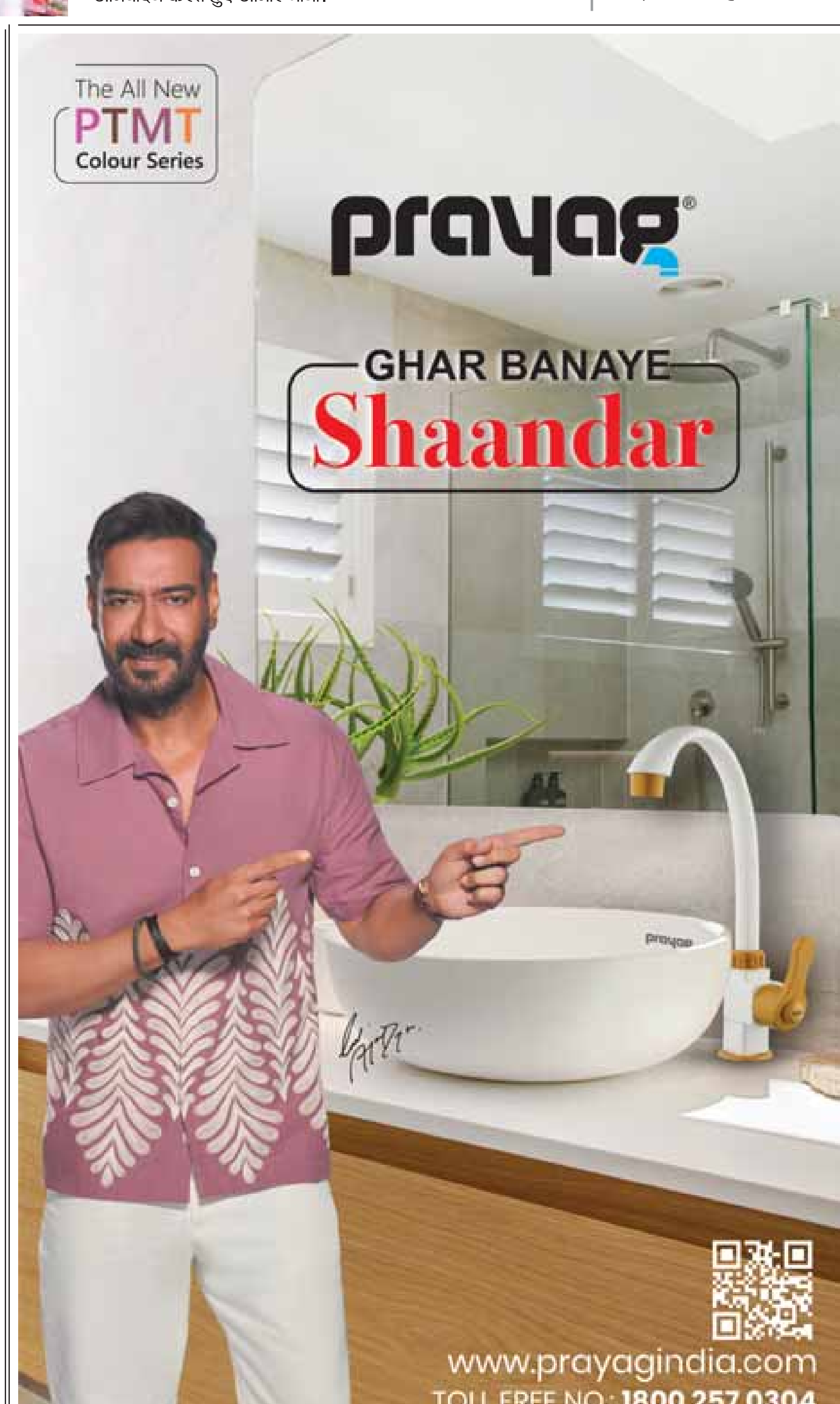

नशे व उसके सौदागरों के टारगेट पर मप्र : राजस्व खुफिया निदेशालय मरोड़ रहा है बांहें

भोपाल से दो, बेंगलुरु से तीन और दिल्ली से एक तस्कर दबोचे गए

मप्र से कम कीमत में खरीदते थे भुक्की... फतेहगढ़ साहिब, लुधियाना और मोहाली में उसे महंगा बेचते थे, पत्नी समेत तीन तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶फतेहगढ़ साहिब/भोपाल

फतेहगढ़ साहिब पुलिस ने मध्य प्रदेश से पंजाब में भुक्की सप्लाई करने वाले अंतर राज्यीय नशा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों में फिरोजपुर के लक्खा सिंह वाला के रहने वाले संजीव कुमार, उसकी पत्नी सिमरन सोनी और सहारनपुर के नवीन नगर ओजपुरा निवासी उजवल गुप्ता शामिल हैं। फतेहगढ़ साहिब के एसपी राकेश यादव के अनुसार सीआईए स्टाफ प्रभारी सरबजीत सिंह की टीम ने 20 अगस्त की रात को सरहिंद की अनाज मंडी से तीनों को पकड़ा। आरोपियों से एक क्विंटल भुक्की बरामद की गई। पूछताछ में पता चला कि आरोपी मध्य प्रदेश से सस्ते दाम में भुक्की खरीदकर फतेहगढ़ साहिब, लुधियाना और मोहाली में सप्लाई करते थे। सिमरन सोनी पर 2021 में भी 26 किलो भुक्की की तस्करी का मामला दर्ज है। इस मामले में उसे सजा भी हो चुकी है। सजा के बाद भी वह दोबारा नशा तस्करी में लिप्त हो गई।

मप्र में तस्करों के कई सिंडीकेट, अब कस रहा शिकंजा

पंजाब की तरह मादक पदार्थों के तस्करों की नजर अब मप्र पर है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने भोपाल स्टेशन पर पानी में उगने वाले विदेशी गांजे की बड़ी खेप पकड़ी। इसी के साथ बैंकॉक से जुड़ा एक और इंटरनेशनल स्मगलिंग सिंडिकेट का खुलासा किया। ऑपरेशन वीडआउट के तहत गिरोह से 72 किलो हाइड्रोपोनिक वीड (पानी में उगने वाला गांजा) जब्त किया। इसकी कीमत 72 करोड़ रुपए बताई जा रही है। टीम ने दिल्ली में गिरोह के सरगना को भी गिरफ्तार किया है।

उपराष्ट्रपति पद के इंडी प्रत्याशी सुदर्शन का शाह को जवाब

पहले 40 पन्नों का जजमेंट पढ़ें, मेरा नहीं अदालत का था फैसला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सलवा जुडूम फैसले को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी पर नक्सलवाद का समर्थन करने का आरोप लगाया था। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि हर नागरिक के जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति की रक्षा करना उनका कर्तव्य है। रेड्डी ने कहा कि मैं भारत के माननीय गृह मंत्री के साथ सीधे तौर पर इस मुद्दे पर नहीं जुड़ना चाहता।

उनका संवैधानिक कर्तव्य और दायित्व वैचारिक मतभेदों के बावजूद, प्रत्येक नागरिक के जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति की रक्षा करना है। दूसरी बात, मैंने फैसला लिखा है। यह फैसला मेरा नहीं है, यह फैसला सर्वोच्च न्यायालय का है। रेड्डी ने कहा कि उनकी इच्छा है कि अमित शाह 40 पन्नों का फैसला पढ़ें। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने फैसला पढ़ा होता तो शायद वह यह टिप्पणी नहीं करते। मैं बस इतना ही कहना चाहता हूं और यहीं खत्म करता हूं। बहस में शालीनता होनी चाहिए।

रेड्डी ने कहा कि उनका संवैधानिक कर्तव्य और दायित्व वैचारिक मतभेदों के बावजूद, प्रत्येक नागरिक के जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति की रक्षा करना है।

वह फैसला मेरा नहीं बल्कि सर्वोच्च न्यायालय का था

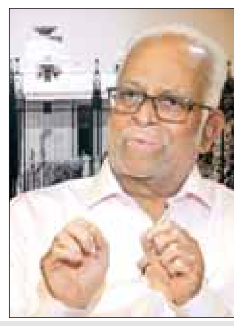

शाह ने उन पर नक्सलवाद का समर्थन करने का लगाया था आरोप

शाह ने कहा था- वामपंथी उग्रवाद को मदद करने वाला फैसला दिया

केंद्रीय गृह मंत्री ने रेड्डी पर हमला करते हुए कहा था कि विपक्ष के प्रत्याशी सुर्दशन रेड्डी वही हैं, जिन्होंने वामपंथी उग्रवाद को मदद करने के लिए सलवा जुडूम का जजमेंट दिया था और अगर ये जजमेंट न दिया गया होता तो वामपंथी नक्सलवाद 2020 तक खत्म हो गया होता। यही सज्जन हैं, जिन्होंने विचारधारा से प्ररित होकर सलवा जूडुम का जजमेंट दिया था। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी, वामपंथी दलों के दबाव में एक ऐसे उम्मीदवार को मैदान में उतार रही है जिसने नक्सलवाद का समर्थन किया और सुप्रीम कोर्ट जैसे पवित्र मंच का इस्तेमाल किया।

मैं संघ की विचार धारा से असहमत राधाकृष्णन से नहीं

रेड्डी ने कहा कि यह लड़ाई नहीं है, यह विचारों का टकराव है। दूसरा पक्ष प्रचार कर रहे थे कि यहां एक व्यक्ति है, जो जीवन भर आरएसएस का एक पूर्ण सदस्य रहा है, तो मैं उस विचारधारा से असहमत हूं। सीपी राधाकृष्णन से नहीं। राधाकृष्णन और मेरे बीच कुछ भी व्यक्तिगत नहीं है। हम एक-दूसरे से कभी मिले भी नहीं हैं। इसलिए मैं चाहता था कि यह एक सभ्य प्रतियोगिता हो, व्यक्तियों के बीच नहीं बल्कि दो अलग-अलग विचारधाराओं के बीच

सुप्रीम कोर्ट का था सलवा जुडूम पर फैसला

उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी का नक्सल फैसले पर बयान आया है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री के साथ इस मुद्दे पर बहस में शामिल नहीं होना चाहता। उन्होंने कहा कि बहस में शालीनता होनी चाहिए। गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा सुदर्शन रेड्डी के सलवा जुडूम फैसले की आलोचना की गई थी। इस पर सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि सलवा जुडूम पर फैसला सुप्रीम कोर्ट का था, मेरा नहीं।

सामाजिक-आर्थिक नीतियां बनाने के लिए हो जाति सर्वेक्षण

जाति सर्वेक्षण को लेकर सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि यह सर्वेक्षण सामाजिक-आर्थिक नीतियां बनाने के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान की रक्षा करने का प्रयास करेंगे जो निस्संदेह चुनौती का सामना कर रहा है। विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि लोकतंत्र कुछ और नहीं बल्कि संवाद है।

लोकतंत्र दबाव में चल रहा

सुदर्शन रेड्डी ने से कहा कि लोकतंत्र में एक कमी है। हम अब भी संवैधानिक लोकतंत्र हैं, लेकिन दबाव में हैं। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव दो व्यक्तियों के बीच नहीं, बल्कि दो अलग विचारधाराओं के बीच मुकाबला है। रेड्डी ने कहा कि मेरी सर्वसम्मत उम्मीदवारी विविधता, सर्वसम्मत पसंद, 64 फीसदी से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली मतदान शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है।

खबर संक्षेप

संसद भवन के पास फिर दिखा संदिग्ध

नई दिल्ली। दीवार के सहारे संसद भवन में संदिग्ध युवक के घुसने के अगले ही दिन सुबह के समय संसद

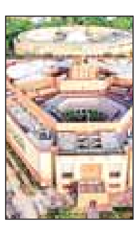

भवन के पास रेल भवन गोलचक्कर क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों ने संदिग्ध गतिविधि के चलते एक व्यक्ति को हिरासत में लिया।सीआईएसएफ कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे पकड़कर पुलिस के हवाले

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी पर केस

पटना। प्रधानमंत्री के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने पर बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री राजद नेता

तेजस्वी यादव के खिलाफ तालबेहट कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। यह मुकदमा भाजपा जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने दर्ज कराया है। शिकायतकर्ता ने पोस्ट की कॉपी को मुकदमे में सबूत के तौर पर पेश किया है।

होशियारपुर में ब्लास्ट से 4 लोगों की मौत

होशियारपुर । पंजाब के होशियारपुर में सब्जी से भरी पिकअप की टक्कर से एलपीजी

टैंकर में हुए ब्लास्ट में अब तक एक महिला समेत 4 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से 3 की ही पहचान हो पाई है। ब्लास्ट के बाद करीब 200 मीटर के दायरे में आते 25 दुकानों और 10 घरों को नुकसान हुआ है। पुलिस जांच में जुटी है।

धर्मस्थल पर दुष्कर्म और हत्या बताने वाला अरेस्ट

मंगलुरु। दो दशकों में धर्मस्थल में कई हत्याओं, दुष्कर्मों और शवों को दफनाने का आरोप लगाने वाले

शिकायतकर्ता को शनिवार को एसआईटी ने गिरफ्तार कर लिया। शिकायतकर्ता अब तक जांच पैनल के सामने नकाब पहनकर पेश हुआ था। अब उसकी पहचान सीएन चिन्नैया के रूप में हुई है।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर अपने संबोधन में बोले प्रधानमंत्री मोदी

जल्द भारत अपने स्पेस स्टेशन पर झंडा फहराएगा अंतरिक्ष यात्रियों का हम एक समूह भी बनाएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में भारत मंडपम में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पीएम ने कहा कि इस बार के अंतरिक्ष दिवस की थीम आर्यभट्ट से गगनयान तक है। इसमें अतीत का आत्मविश्वास भी है और भविष्य का संकल्प भी। आज हम देख रहे हैं कि इतने कम समय में ही राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस हमारे युवाओं के बीच उत्साह और आकर्षण का विषय बन गया है। यह देश के लिए गौरव की बात है। पीएम ने कहा कि 'अंतरिक्ष क्षेत्र में एक के बाद एक नई उपलब्धि हासिल करना, ये भारत और भारत के वैज्ञानिकों का स्वभाव बन गया है। दो साल पहले ही भारत ऐसा पहला देश बना था जिसने चंद्रमा में अपने झंडे गाड़े। इस दौरान भारतीय अंतरिक्षयात्री शुभांशु शुक्ला के साथ गगनयान मिशन पर जाने वाले अन्य अंतरिक्षयात्री भी मौजूद रहे। केंद्रीय विज्ञान और तकनीक मंत्री जितेंद्र सिंह और इसरो के चेयरमैन वी नारायणन भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस कार्यक्रम को प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअली संबोधित किया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने देशवासियों को दूसरे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की बधाई दी।

पीएम मोदी ने कहा कि इस बार के अंतरिक्ष दिवस की थीम आर्यभट्ट से गगनयान तक है। इसमें अतीत का आत्मविश्वास भी है और भविष्य का संकल्प भी।

देशवासियों को दूसरे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की बधाई दी

खास बातें

- अंतरिक्ष क्षेत्र में एक के बाद एक नई उपलब्धि हासिल कर रहा भारत
- भारत मंडपम में किया गया विशेष आयोजन
- प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं से की विशेष अपील

देशसेमी क्रायोजेनिक इंजन और इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन तकनीक पर आगे बढ़ रहा

आज भारत सेमी क्रायोजेनिक इंजन और इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन जैसी अहम तकनीक की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जल्द ही अपने वैज्ञानिकों की मेहनत से गगनयान भी सफलता की उड़ान भरेगा और आने वाले समय में भारत अपना स्पेस स्टेशन भी बनाएगा। प्रधानमंत्री ने निजी क्षेत्र से यह प्रश्न किया कि क्या अगले पांच वर्षों में पांच स्टार्टअप यूनिकॉर्न बन सकते हैं। उन्होंने अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और इंजीनियरों से कहा कि मैं चाहूंगा कि निजी क्षेत्र आगे आएं। क्या हम उस मुकाम तक पहुंच सकते हैं जहां हम हर साल 50 रॉकेट प्रक्षेपित कर सकें?

अंतरिक्ष तकनीक से प्रशासन में मिल रही मदद

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने लाल किले से कहा था कि हमारा रास्ता रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म का रास्ता है। बीते 11 वर्षों में देश ने स्पेस सेक्टर एक के बाद एक लगातार बड़े सुधार किए हैं। आज अंतरिक्ष तकनीक भारत में प्रशासन का हिस्सा भी बन रही है। फसल बीमा योजना में सैटेलाइट की मदद से आकलन हो रहा है। मछुआरों को सैटेलाइट्स की मदद से जानकारी,सुरक्षा मिल रही है। पीएम गति शक्ति आदि में भी इस तकनीक का इस्तेमाल हो रहा।

युवा गहन अंतरिक्ष अन्वेषण मिशन की तैयारी करें

पीएम मोदी ने शनिवार को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर वीडियो संबोधन में बड़ा ऐलान किया। उन्होंने घोषणा की कि भारत भविष्य के मिशनों के लिए अंतरिक्ष यात्रियों का एक समूह बनाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने युवाओं से इस समूह का हिस्सा बनने का आग्रह किया।

अब हम अंतरिक्ष में झांकेंगे

अब हमें गहरे अंतरिक्ष में झांकना है, जहां मानवता के भविष्य के लिए लाभकारी कई रहस्य छिपे हुए हैं। मोदी ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में एक के बाद दूसरी उपलब्धि हासिल करना अब भारत और उसके वैज्ञानिकों की स्वाभाविक विशेषता बन गई है। प्रधानमंत्री ने देश भर के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों, छात्रों और नीति निर्माताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा क्षितिज आकाशगंगाओं से भी परे है।

शुभांशु ने हर भारतीय को गर्व से भर दिया

मोदी ने कहा कि 3 दिन पहले उन्होंने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से मुलाकात की, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और हर भारतीय को गर्व से भर दिया। जब शुक्ला ने उन्हें तिरंगा दिखाया तो वह निःशब्द हो गए। उन्होंने नए भारत के युवाओं के अनंत सपनों को देखा।

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र ने कहा

हिंदुस्तान ने चंद्रमा के दक्षिण पोल पर अपना नाम लिख दिया

इस अवसर पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने हिस्सा लिया। उनके साथ केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और इसरो चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन भी मौजूद थे। सिंह ने कहा कि दो साल पहले हिंदुस्तान दुनिया का पहला देश बना, जो चंद्रमा के साउथ पोल पर पहुंचा था।

शुभांशु शुक्ला ने योजनाओं को उत्साहजनक बताया

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने कहा कि हम जो कुछ कर रहे हैं या जिसकी योजना बना रहे हैं इसे देख

मैं काफी उत्साहित हूं। दो साल पहले हमारे पास जश्न का मौका नहीं था। एक साल के भीतर, यह मुमकिन है। हमारे पास आगे बढ़ने के लिए- गगनयान, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और चंद्रमा पर उतरने को लेकर कई मिशन हैं। बस जरूरत है जोश की। यहां बैठे हरेक बच्चे से यही उम्मीद है कि वो इस दिशा में आगे बढ़ेगा।

रक्षामंत्री ने कहा-यह उपलब्धि पीढ़ियों को प्रभावित करेगी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की बधाई दी। सिंह ने एक्स पर लिखा कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर हम चंद्रयान-3 के माध्यम से चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत की ऐतिहासिक उपलब्धि का उत्सव मना रहे हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

एडीआर की रिपोर्ट में दावा

देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्रियों की सूची में नायडू फिर टॉप पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू एक बार फिर भारत के सबसे अमीर मुख्यमंत्रियों की वार्षिक सूची में शीर्ष पर रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट में यह जानकारी मिली। रिपोर्ट के अनुसार नायडू की घोषित 931 करोड़ की संपत्ति का अधिकांश हिस्सा उनके परिवार की शुद्ध डेयरी खुदरा कंपनी हेरिटेज फूड्स लिमिटेड में हिस्सेदारी से आया है। इसे उन्होंने 33 साल पहले बिना किसी सरकारी सहायता के स्थापित किया था। एडीआर की रिपोर्ट मुख्यमंत्रियों के पिछले विधानसभा चुनाव से पहले दायर हलफनामों पर आधारित है। इसमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी को सूची में सबसे नीचे बताया गया है।

7,000 रुपए की पूंजी से हेरिटेज फूड्स की नींव रखी

1992 में जब नायडू महज एक विधायक थे, तब उन्होंने सिर्फ 7,000 रुपए की पूंजी से हेरिटेज फूड्स की नींव रखी। उस समय उनके गृह जिले चित्तूर में दूध की अधिकता थी और किसानों को मार्केटिंग संकट का सामना करना पड़ रहा था। नायडू ने इसे अवसर में बदलते हुए कंपनी बनाई। 1993 में ऑपरेशन शुरू हुआ और 1994 में कंपनी का आईपीओ आया, जो 54 गुना सब्सक्राइब हुआ। पहले ही साल कंपनी ने 19,000 लीटर दूध प्रतिदिन प्रोसेस किया और 4.36 करोड़ रुपए की आय अर्जित की। इसके बाद कंपनी ने लगातार प्रगति की और 2025 तक इसका टर्नओवर 4,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

हेरिटेज फूड्स लिमिटेड में उनकी कोई हिस्सेदारी नहीं

रिपोर्ट में बताया गया है कि नायडू के पास हेरिटेज फूड्स लिमिटेड में कोई शेयर नहीं है। यह 1994 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई थी, में उनकी पत्नी भुवनेश्वरी नारा की बड़ी हिस्सेदारी है। उनके पास कंपनी में 24.37 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिसे आंध्र के मुख्यमंत्री की संपत्ति में गिना जाता है।

गाजियाबाद में कुत्ते को खाना खिलाया

डॉग लवर महिला पर युवक ने सरेआम बरसाए थप्पड़

एजेंसी ▶▶ गाजियाबाद

यहां के विजय नगर थाना क्षेत्र के तहत आने वाले सिद्धार्थ विहार के ब्रह्मपुत्र एनक्लेव सोसाइटी में आवारा कुत्ते को खाना खिलाने को लेकर एक शख्स ऐसा भड़का कि उसने एक महिला को सरेआम थप्पड़ बरसा दिए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को संज्ञान में लेकर कारवाई की और सुसंगत धाराओं में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

युवक ने महिला को रोकने की कोशिश की

यह घटना उस वक्त घटी जब एक डॉग लवर महिला सोसाइटी में आवारा कुत्तों को खाना खिला रही थी। इसी दौरान युवक ने महिला को रोकने की कोशिश की। महिला से उसकी बहस हो गई। फिर युवक महिला पर भड़क गया।

हमले को लेकर सीएम रेखा गुप्ता ने कहा

मुझे तूफानों से जूझने की आदत है, आसुरी शक्ति से नहीं डरती

. श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स कॉलेज में छात्रों को किया संबेधित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की सीएण रेखा गुप्ता ने कहा है कि तूफानों से जूझना उनकी आदत है और वह किसी भी आसुरी शक्ति से नहीं डरती हैं। गुप्ता पर जनसुनवाई के दौरान हमला हुआ था। इस घटना की मीडिया और राजनीतिक गलियारों में बड़े पैमाने पर चर्चा हुई थी। आरोपी राजेश खिमजी को गिरफ्तार कर लिया गया था। गुप्ता एक कार्यक्रम में उन दिनों के बारे में बता रही थीं, जब वह दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ती थीं और छात्र संघ की अध्यक्ष थीं।

...तब तो मेरा चेहरा जल गया था

रेखा ने कहा जब मैं डूसू की प्रेसीडेंट थी, तब एक प्रदर्शन के दौरान पुतला जलाया जाना था। मिट्टी का तेल न मिलने पर तब किसी ने पुतले में पेट्रोल डाल दिया। जैसे ही मैंने तीली जलाई, आग लग गई और मेरा चेहरा जल गया। एक महीने तक मैं उस दर्द को सहती रही। मैं यही मानती थी कि रुकना नहीं है, चलते रहना है। सीएम ने कहा कि वे किसी भी असुरी शक्ति से डरने वाली नहीं हैं।

छात्र जीवन को किया याद

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) के वार्षिक समारोह में पहुंचीं। वहां छोत्रों को संबोधित करते हुए पुरानी यादों में खो गईं।

मुंबई-कुशीनगर एक्सप्रेस का मामला

ट्रेन के टॉयलेट में मिला 5 साल के बच्चे का शव

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मुंबई-कुशीनगर एक्सप्रेस के एसी कोच बी-2 के बाथरूम में कूड़ेदान के अंदर 5साल के बच्चे का शव मिलने से ट्रेन में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। रेलवे अधिकारियों और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

अपहरण की कहानी आ रही सामने

शुरुआती छानबीन में यह पता चला कि बच्चे का अपहरण उसके ही रिश्तेदार ने किया था और इस मामले में मौसेरे भाई भी शामिल था। पुलिस ने घटनास्थल पर यात्रियों और कर्मचारियों के बयान दर्ज कर पूरे मामले की गंभीरता से पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस अपहरण और हत्या दोनों पहलुओं पर गहन जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि बच्चे का अपहरण क्यों किया गया और उसकी हत्या किन परिस्थितियों में हुई।

पीलीभीत में कार और टेंपो की भिड़ंत

जहानाबाद क्षेत्र के पास हादसा

दर्दनाक हादसे में 5 लोगों की मौके पर मौत व 5 गंभीर रूप से घायल

एजेंसी ▶▶ पीलीभीत

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के थाना जहानाबाद क्षेत्र के विशेन गांव के पास शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार और टेंपो की आमने-सामने टक्कर के कारण हुआ। टेंपो सवारियों को लेकर अमरिया जा रहा था, जो बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर खाई में जा गिरा। वहीं हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम

के लिए मोर्चरी भेजा और घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया.।घायलों में दो बच्चे, एक महिला और पुरुष शामिल हैं, जिनमें से 2 की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया।

कार का ड्राइवर मौके से फरार, जांच शुरू

कार की तेज रफ्तार और चालक की लापरवाही की वजह से यह हादसा हुआ है। चश्मदीदों की मानें तो टक्कर इतनी जोरदार थी कि टेंपो के परखच्चे उड़ गए और हादसे के बाद कार का ड्राइवर मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वहीं हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने भी रेस्क्यू में सहायता की। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह और सीएमओ ने सभी घायलों को उपचार कराने में कराने में जुटे है। वहीं पुलिस पूरे मामले की कार्रवाई में जुटी है।

कर्नाटक के कांग्रेस विधायक को ईडी ने किया गिरफ्तार

12 करोड़ नकद, 6 करोड़ के गहने और 10 किलो चांदी जब्त

वीरेंद्र पर अवैध ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजी मामले में कार्रवाई

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बताया कि कर्नाटक के कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र कुमार उर्फ 'पप्पी' को अवैध ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजी मामले में शनिवार को सिक्किम से धन शोधन निरोधक कानून के तहत गिरफ्तार किया गया। संघीय जांच एजेंसी ने यह भी बताया कि उसने शुक्रवार को कई राज्यों में की गई छापेमारी के बाद 12 करोड़ रनकद (लगभग एक करोड़ की विदेशी मुद्रा सहित), 6 करोड़ रके सोने के आभूषण, लगभग 10 किलोग्राम चांदी और 4 वाहन जब्त किए।

भाई और बेटे से जुड़ी संपत्ति भी जब्त की

ईडी ने बताया कि चित्रदुर्ग के 50 साल के विधायक को शुक्रवार को सिक्किम की राजधानी गंगटोक में एक नामित मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया और बेंगलुरु की न्यायिक अदालत में पेश करने के लिए ट्रांजिट रिमांड हासिल की गई। ईडी का बेंगलुरु जोन मामले की जांच कर रहा है। वीरेंद्र के भाई केसी नागराज और उनके बेटे पृथ्वी एन राज के ठिकानों से संपत्ति से जुड़े कई दस्तावेज भी जब्त किए गए। ईडी ने कहा कि उनके अन्य सहयोगी, जैसे कि एक और भाई केसी थिप्पेस्वामी, दुबई से ऑनलाइन गेमिंग का संचालन संभाल रहे हैं।'

30 ठिकानों पर की छापेमारी

विधायक की गिरफ्तारी गंगटोक से हुई है। बताया जा रहा है कि विधायक अपने कुछ साथियों के साथ गंगटोक में कसीनो के लिए एक जमीन लीज पर लेने के लिए गए थे। ईडी ने वीरेंद्र के 30 ठिकानों पर छापेमारी की थी।

कसीनो के पट्टे के लिए बागडोगरा होते हुए गंगटोक गए

ईडी ने बताया कि उनके अन्य सहयोगी, भाई थिप्पेस्वामी,और राज, दुबई से ऑनलाइन गेमिंग का संचालन संभाल रहे हैं। यह पता चला कि वीरेंद्र, सहयोगी एक जमीनी कसीनो को पट्टे पर लेने के लिए व्यावसायिक यात्रा पर बागडोगरा होते हुए गंगटोक गए थे। तलाशी के दौरान जब्त की गई आपत्तिजनक सामग्री से नकदी और अन्य धनराशि के जटिल स्तरीकरण का संकेत मिलता है। अपराध की आगे की जांच के लिए वीरेंद्र को गंगटोक से गिरफ्तार किया गया और न्यायिक मजिस्ट्रेट, गंगटोक, सिक्किम के समक्ष पेश किया गया और उन्हें बैंगलोर स्थित न्यायिक न्यायालय में पेश करने के लिए ट्रांजिट रिमांड प्राप्त किया गया।

जबलपुर
रविवार, 24 अगस्त 2025
भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष – अमावस्या
वर्ष : 20, अंक : 117
पृष्ठ : 14, मूल्य 3 .00 *

मौसम
अधि. 26
न्यून. 24

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

13 सीपीएल 2025 : टी20 में 5 विकेट...

आज कल
8 सहयोग का इतिहास रचेंगे हिंदी-चीनी?

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में कटनी में माइनिंग कॉन्क्लेव में 'धन वर्षा'

56 हजार 414 करोड़ रुपए के निवेश के लिए उद्योगपतियों ने साइन किए एमओयू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में कटनी के अरिंदम होटल में माइनिंग कॉन्क्लेव का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री के कटनी आगमन पर हेलीपेड से लेकर माइनिंग कॉन्क्लेव स्थल तक करीब 5 किलोमीटर के रोड-शो के दौरान 19 स्थानों में स्टॉल लगाकर लोगों ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

कॉन्क्लेव में लगभग दो हजार से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए, जिनमें देश के विभिन्न राज्यों के निवेशक और उद्योगपति शामिल रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समिट में शामिल होने वाले विषय-विशेषज्ञों और निवेशकों के साथ ऊर्जा एवं हाइड्रोकार्बन, प्रौद्योगिकीय प्रगति, महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) और चूना पत्थर एवं सीमेंट पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि कटनी में आयोजित हुई माइनिंग कॉन्क्लेव में 56 हजार 414 करोड़ के निवेश के लिए उद्योगपतियों ने एमओयू साइन किए हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही कटनी को मेडिकल कॉलेज की सौगात मिलने जा रही है। डॉ. यादव ने कॉन्क्लेव में शामिल हुए देशभर के उद्योगपतियों का अभिनंदन किया।

सीएम ने कहा- जल्द ही कटनी को मिलेगी मेडिकल कॉलेज की सौगात

27 अगस्त को उज्जैन में इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव

सीएम ने सभी विषय विशेषज्ञों व निवेशकों से की वन टू वन चर्चा

सीएम ने कहा कि मप्र में एयर कार्गो की तैयारी है। कटनी का चूना सीमेंट के पहले से मशहूर है। पर्यटन के क्षेत्र में भी सरकार आगे बढ़ रही है।

इनके बीच हुए एमओयू

कॉन्क्लेव में राज्य शासन ने क्रिटिकल मिनरल की खोज, प्रसंस्करण और संवर्धन के लिए कोल इंडिया लिमिटेड के साथ एमओयू किया। डॉ. चंद्र शेखर सिंह एचओडी क्रिटिकल मिलरल्स, बिरांची दास डायरेक्टर एचआरएसएसईएल, फ्रैंक नोबेल ए डायरेक्टर एंड जीडीएम एमपी स्टेट माइनिंग कॉरपोरेशन और प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव ने एमओयू का आदान-प्रदान किया। यह समझौता दुनिया की सबसे बड़ी खनन कंपनी और राज्य खनन अन्वेषण एजेंसियों के माध्यम से मध्यप्रदेश को क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां देगा। खनन क्षेत्र में आर्टिफियल इंटेलीजेन्स, आईओटी, ब्लॉक चेन, रिमोट सेंसिंग के उपयोग के मद्देनजर धनबाद की टेक्समिन आईएसएम के साथ और खनिज अन्वेषण अनुसंधान के लिए भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल के साथ भी एमओयू साइन हुआ।

यहां उद्योगपतियों को अच्छा परिवेश मिलेगा

डॉ. यादव ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने हर वर्ग की चिंता की है। हमारी संस्कृति जियो और जीने दो की है। उद्योगपतियों के माध्यम से रोजगार मिलता है। अच्छी सड़कें हैं, बिजली है, अच्छा माहौल है। कटनी की पहचान खनिज संसाधन की प्रचुरता की है। उन्होंने कहा मप्र में एयर कार्गो की तैयारी है। कटनी का चूना सीमेंट के पहले से मशहूर है। मुख्यमंत्री होने के नाते सभी को आश्वस्त करता हूं कि उद्योगपतियों को अच्छा परिवेश मिलेगा। 27 अगस्त को उज्जैन में इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव कर रहे हैं। पर्यटन के क्षेत्र में भी सरकार आगे बढ़ रही है।

माइनिंग कॉन्क्लेव मील का पत्थर : शर्मा

खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि मप्र को आर्थिक रूप से संपन्न बनाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव लगातार प्रयास कर रहे हैं। कटनी में माइनिंग कॉन्क्लेव मील का पत्थर साबित होगी। कटनी की धरती रत्नगर्भा है। कटनी जिले के प्रभारी मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि माइनिंग कॉन्क्लेव का कटनी में आयोजन खास है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोच को बदलने का काम किया। हम अपने संसाधनों का उपयोग कैसे कर सकते हैं, इस पर उद्योगपतियों के अहम सुझाव दिए। मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं देता हूं कि उन्होंने उद्योगों के लिए नया माहौल तैयार किया।

निवेश प्रस्ताव

क्र.	कंपनी का नाम	निवेश प्रस्ताव	प्रस्तावित राशि
1	सिंघल बिजनेस प्रा. लि.	कोल गैसीफिकेशन एवं नवीकरणीय ऊर्जा	15,000 करोड़
2	विनमिर रिसोर्सेस प्रा. लि.	ग्रेफाइट बेनिफिसिएशन उद्योग	850 करोड़
3	रामनिक पावर एंड अलॉयज	स्पांज आयरन प्लांट एवं फेरो-अलॉय इकाइयां	1,850 करोड़
4	माइनवेयर एडवाइजर्स प्रा. लि.	आवंटित कोल ब्लॉक में खनन एवं उत्पादन	450 करोड़
5	महाकौशल रिफ्रैक्ट्रीज	रिफ्रैक्ट्री उद्योग के लिए अगले 5 वर्ष में निवेश	90 करोड़
6	सायना ग्रुप	लौह अयस्क बेनिफिसिएशन, पैलेट प्लांट,	3,000 करोड़
		लौह आधारित विभिन्न उद्योगों में उपयोगी उत्पाद	950 करोड़
		बॉक्साइट कैल्सिनेशन प्लांट	
7	नीलाम किए गए प्रमुख खनिज ब्लॉक (09 ब्लॉक)	खनिज ब्लॉकों में मुख्य खनिजों का उत्पादन	32,774 करोड़
8	नीलाम किए गए कोयला खनिज के (02 ब्लॉक)	खनिज ब्लॉकों में कोयला खनिज का उत्पादन	1,450 करोड़
	कुल प्रस्तावित निवेश		56,414 करोड़

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

शख्स को हाथी ने उठाकर पटका, अस्पताल में भर्ती

अनूपपुर। जिले में आया एक नर हाथी पिछले तीन दिनों से भड़क रहा है। यह हाथी वनकर्मियों और स्थानीय लोगों पर हमला करने की कोशिश कर रहा है, जिससे इलाके में लोग डर के माहौल में हैं। जैतहरी के ग्राम पंचायत लहरपुर के गोडान टोला निवासी हेमराज सिंह (45) हाथी के हमले का शिकार हुए। हाथी ने उन्हें सूंड से पकड़कर फेंक दिया।

10 साल की मासूम को कुत्तों ने नोंचा, गंभीर

खरगोन। करही में शाम 4:30 बजे 10 वर्षीय बच्ची पर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से बच्ची डरकर भागी और सड़क पर गिर गई। गनीमत रही कि आसपास खड़े राहगीरों और दुकानदारों ने दौड़कर कुत्तों को भगाया और बच्ची को सुरक्षित बचा लिया। पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है।

अनिल अंबानी की मुसीबतें बढ़ीं : सीबीआई ने रिलायंस कम्युनिकेशंस कंपनी के परिसरों पर तलाशी ली

2,000 करोड़ रुपए के बैंक फ्रॉड केस में छापेमारी, ईडी के बाद सीबीआई की कार्रवाई

ईडी की कार्रवाई तब हुई थी जब भारतीय स्टेट बैंक ने अनिल अंबानी की एक कंपनी के लोन अकाउंट को फ्रॉड (धोखाधड़ीपूर्ण) घोषित कर दिया था।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रिलायंस कम्युनिकेशंस कंपनी के मालिक अनिल अंबानी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। हाल ही में एसबीआई के 2000 करोड़ रुपए के फ्रॉड में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के बाद अब सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने शनिवार को रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों के अनुसार सीबीआई ने कंपनी के परिसरों पर तलाशी भी ली है।

यह कार्रवाई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से हुई 2,000 करोड़ रु. से अधिक के बैंक धोखाधड़ी मामले से जुड़ी है। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी रिलायंस और अनिल अंबानी से जुड़ी जगहों पर छापेमारी की जा रही है। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने बताया है कि 21 अगस्त को भारतीय स्टेट बैंक की मुंबई शाखा से प्राप्त एक शिकायत के आधार पर रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड (आरकॉम), मुंबई, इसके निदेशक अनिल डी. अंबानी, अज्ञात लोक सेवकों और अज्ञात अन्य के खिलाफ बैंक के साथ धोखाधड़ी करने और इस तरह बैंक को 2929.05 करोड़ रुपए का गलत नुकसान पहुंचाने के आरोप में एक आपराधिक मामला दर्ज किया है। सीबीआई के अनुसार 22 अगस्त 2025 को विशेष न्यायाधीश, सीबीआई, मुंबई की अदालत से तलाशी वारंट प्राप्त किया और उसके अनुसरण में, 23 अगस्त 2025 को मुंबई में दो स्थानों, मेसर्स रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड के आधिकारिक परिसर और अनिल डी. अंबानी के आवासीय परिसर में तलाशी ली जा रही है। तलाशी अब भी जारी है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से हुई यह बड़ी धोखाधड़ी

सेबी ने भी एक आदेश जारी किया, जिसमें फंड्स के व्यवस्थित रूप से डायवर्जन (अनियमित उपयोग) का खुलासा किया गया था।

ईडी के सामने पेश हुए थे अनिल

चौधरी ने कहा था कि 24 जून, 2025 को बैंक ने आरबीआई को धोखाधड़ी की सूचना दी थी और सीबीआई में भी शिकायत दर्ज कराई गई। 24 जुलाई को प्रवर्तन निदेशालय ने अनिल अंबानी की कंपनियों से जुड़े परिसरों पर 17,000 करोड़ के मनी लांड्रिंग मामले में छापेमारी की थी। इसके बाद अनिल अंबानी को ईडी के सामने पेश होना पड़ा था। ईडी की कार्रवाई तब हुई थी जब भारतीय स्टेट बैंक ने अनिल अंबानी की एक कंपनी के लोन अकाउंट को फ्रॉड(धोखाधड़ीपूर्ण) घोषित कर दिया था। इसके साथ ही मार्केट रेगुलेटर सेबी ने भी एक आदेश जारी किया, जिसमें फंड्स के व्यवस्थित रूप से डायवर्जन (अनियमित उपयोग) का खुलासा किया गया था।

धोखाधड़ी करने वाली संस्थाओं के रूप में कंपनी चिन्हित

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने पिछले महीने लोकसभा में एक लिखित जवाब में बताया था कि धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन से संबंधित भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के निर्देशों और धोखाधड़ी के वर्गीकरण, रिपोर्टिंग व प्रबंधन से जुड़े बैंक के बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार 13 जून को जिन संस्थाओं को धोखाधड़ी करने वाली संस्थाओं के रूप में वर्गीकृत किया गया था। इनमें रिलायंस कम्युनिकेशंस कंपनी भी है।

कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही आरकॉम

आरकॉम दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के तहत कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही है। समाधान योजना को लेनदारों की समिति की ओर से अनुमोदित किया गया था और 6 मार्च, 2020 को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी), मुंबई में दायर किया गया था।

मुरैना एसपी पर प्रताड़ित करने का आरोप

टीआई : सुसाइड न कर लूं इसलिए रिटायरमेंट ले रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुरैना

मुरैना पुलिस लाइन में पदस्थ टीआई रामबाबू ने एसपी समीर सौरभ पर गंभीर आरोप लगाते हुए स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति (वीआरएस) का आवेदन दिया है। टीआई रामबाबू ने कहा है कि नौकरी में लोड बहुत ज्यादा है, सह नहीं पा रहा हूं। आत्महत्या न कर लूं, इसलिए वीआरएस लेना ठीक समझा। टीआई ने कहा कि पुलिस विभाग में अभी जैसा दबाव है, वैसा दबाव मैंने अपनी 37 साल की नौकरी में कभी नहीं देखा।

इतना दबाव 37 साल की नौकरी में नहीं देखा

रामबाबू यादव टीआई | समीर सौरभ एसपी

एसपी समीर सौरभ बोले उन्हें बुलाकर समझाएंगे

एसपी समीर सौरभ ने कहा कि टीआई ने वीआरएस के लिए लेटर दिया है। यह बात सही है। एसपी ने टीआई को लेकर कहा कि वह अच्छा काम करते हैं। उनको समय-समय पर मैंने उत्साह भी बढ़ाया है। अभी शनि मेले में उनकी ड्यूटी है। मेले के बाद उनको बुलाकर समझाएंगे।

रिश्तेदार ने ही 4 दोस्तों के साथ मिलकर दुष्कर्म किया

16 साल की छात्रा से जंगल में गैंगरेप, वीडियो भी बनाया

कपड़े खरीदने दतिया आई थी एक आरोपी को दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दतिया

दतिया के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में 16 साल की छात्रा से गैंगरेप का मामला सामने आया है। नाबालिग ने रात में जो रिपोर्ट लिखाई है, उसके मुताबिक 5 युवकों ने दुष्कर्म किया और वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी दी। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। छात्रा ने पुलिस को बताया कि वह शुक्रवार सुबह कपड़े खरीदने नजदीकी गांव से दतिया आई थी।

पांढुर्णा में गोटमार मेले में 934 लोग घायल

पत्थरबाजी से किसी का सिर फूटा किसी का पैर फ्रैक्चर, भीड़ में फंस गई एंबुलेंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पांढुर्णा

पांढुर्णा में शनिवार को गोटमार मेला चला। जाम नदी किनारे बसे पांढुर्णा और सावरगांव की ओर से परंपरा के अनुसार एक-दूसरी तरफ पत्थर मारे जा रहे हैं। दोनों किनारों पर बड़ी संख्या में लोग जुटे हैं। सुबह से दोपहर को 3 बजे तक 934 लोग घायल हो चुके थे। घायलों में से दो को नागपुर रेफर किया गया है। इनमें एक ज्योतिराम उईके का पैर टूट गया है, जबकि निलेश जानराव का कंधा टूटा है।

सुरक्षा के लिहाज से 600 पुलिस जवान तैनात

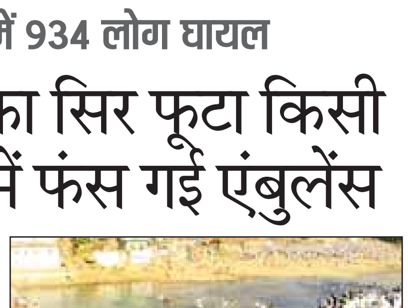

58 डॉक्टर रहे तैनात

प्रशासन ने घायलों के इलाज के लिए 6 अस्थायी स्वास्थ्य केंद्र बनाए गए हैं, इनमें 58 डॉक्टर और 200 मेडिकल स्टाफ तैनात है। सुरक्षा के लिहाज से 600 पुलिस जवान तैनात हैं। कलेक्टर अजय देव शर्मा ने धारा 144 भी लागू कर दी है। जाम नदी में चंडी माता की पूजा की जाती है। सावरगांव के लोग पलाश का पेड़ काटकर लाते हैं और नदी के बीच में लगाते हैं। सावरगांव के लोग पलाश का पेड़ और झंडा नहीं निकालने देते। वे इसे लड़की मानकर रक्षा करते हैं।

पांच दिन ऐसा ही रहेगा मौसम, भोपाल में हो रही रुक-रुककर बारिश

श्योपुर में 125 मिमी से ज्यादा पानी गिर गया

35 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट राजगढ़ व मंदसौर में अति भारी बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में बारिश का दौर जारी है। शनिवार को श्योपुर, शिवपुरी, मुरैना, उज्जैन, शाजापुर, डिंडौरी, सिंगरौली, नर्मदापुरम और बड़वानी के सेंधवा समेत कई जिलों में पानी गिरा। श्योपुर और शिवपुरी में तो पिछले दो दिनों से हो रही बारिश से बाढ़ जैसे हालात नजर आए। नदी-नाले उफान पर हैं। रविवार को छह जिलों में अति भारी और एक दर्जन जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

अगले पांच दिन ऐसा ही मौसम बने रहने के आसार हैं। इधर, भोपाल में रुक-रुककर बारिश हो रही है। प्रदेश के 35 जिलों में पिछले 24 घंटे के दौरान कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश का दौर चलता रहा।

रवीन्द्र भवन भोपाल, शाम का दृश्य

भोपाल में 2006 में अगस्त में हुई थी 875 मिमी बारिश

भोपाल में अगस्त में मानसून जमकर बरसता है। इस महीने राजधानी में औसत 875 मिमी तक बारिश हो चुकी है, जो साल 2006 में हुई थी। 24 घंटे में सर्वाधिक बारिश करीब 300 मिमी 14 अगस्त 2006 को हुई थी। पिछले सालों की बात करें तो 2015 और 2022 में 750 मिमी से ज्यादा पानी गिर चुका है।

ग्वालियर, चंबल-सागर में अच्छी बारिश

प्रदेश के छतरपुर, मंडला, टीकमगढ़, उमरिया समेत कई जिलों में मानसून जमकर बरस रहा है। यहां के 8 जिलों में से 7 में कोटे से ज्यादा पानी गिर चुका है। इनमें ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोक नगर, भिंड, मुरैना और श्योपुर शामिल हैं। दतिया में भी 92 प्रतिशत से अधिक बारिश हो चुकी है। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा का कहना है कि रविवार को प्रदेश के राजगढ़, मंदसौर, नीमच, गुना, शिवपुरी और श्योपुर में अति भारी बारिश का अलर्ट है, जबकि विदिशा, सागर, अशोक नगर, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, सिंगरौली, रीवा, सतना, डिंडोरी, कटनी, छिंदवाड़ा, मंडला, सिवनी, बालाघाट और पन्ना में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

इसरो ने जारी किया विजन 2040 का रोडमैप

चंद्रयान-4 से लेकर चंद्रमा सैंपल रिटर्न मिशन प्रोजेक्ट शामिल

इसरो स्पेस रोडमैप 2040 न केवल भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं को रेखांकित करती है बल्कि देश को आने वाले वर्षों में वैश्विक स्तर पर अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों की कतार में खड़ा करने का संकल्प भी दिखाता है

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में नई उड़ान भरते हुए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक महत्वाकांक्षी रोडमैप 'इसरो स्पेस रोडमैप 2040' जारी किया है। इसरो ने ऐलान किया कि भारत वर्ष 2035 तक अपना खुद का भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (भारतीय अंतरिक्ष केंद्र-बीएएस) स्थापित करेगा, जो देश की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। इसके साथ ही, 2040 तक भारत चंद्रमा से सैंपल लाने का भी लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी और इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने शनिवार को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर इस मिशन विज़न को साझा किया।

» **2040 में भारत चंद्रमा पर उतरेगा और नमूने लेकर आएगा**

» **दुनिया के अंतरिक्ष कार्यक्रमों की बराबरी कर लेगा भारत**

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन ने अंतरिक्ष प्रदर्शनी का अवलोकन किया

शुक्रयान ऑर्बिटर मिशन शामिल

इसरो के रोडमैप में चंद्रयान-4, शुक्रयान, डीप स्पेस मिशन और नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्चर (एनजीएल) जैसी योजनाएं शामिल हैं। यह घोषणा न केवल भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं को रेखांकित करती है, बल्कि देश को आने वाले वर्षों में वैश्विक स्तर पर अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों की कतार में खड़ा करने का संकल्प भी दिखाती है।

एजीएल योजना को मंजूरी मिली

वी. नारायणन ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्चर (एनजीएल) पर काम के लिए मंजूरी दे दी है। 2040 तक भारत न केवल चंद्रमा पर उतरेगा, बल्कि वहां से मिट्टी और पत्थरों के नमूने भी लेकर वापस आएगा। नारायणन के अनुसार, उस समय भारत की अंतरिक्ष क्षमताएं दुनिया की अग्रणी अंतरिक्ष एजेंसियों के बराबर होंगी।

इसरो ने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के मॉडल का किया अनावरण

इसरो ने शनिवार को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर दिल्ली में भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) के मॉडल का अनावरण किया। इसरो का लक्ष्य 2028 तक परियोजना का पहला मॉड्यूल लॉन्च करना है और 2035 तक पूरा स्टेशन चालू हो जाने की उम्मीद है। बीएएस स्वदेशी अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बनने के लिए तैयार है, जिसमें माइक्रोग्रैविटी अध्ययन और लंबी अवधि के मानव अंतरिक्ष मिशनों के लिए प्रौद्योगिकियों का परीक्षण शामिल है। भारत की अपनी स्वयं की कक्षीय प्रयोगशाला स्थापित करने की यात्रा, उसके अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक बड़ी छलांग है। यह अंतरिक्ष अन्वेषण में ग्लोबल लीडर के रूप में उसकी स्थिति को मजबूत करती है।

चंद्रयान-4 की तैयारी

इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी के विज़न के आधार पर भारत आने वाले वर्षों में कई ऐतिहासिक मिशनों को अंजाम देगा। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही चंद्रयान-4 और एक शुक्रयान ऑर्बिटर मिशन लॉन्च करेंगे। हम 2035 तक बीएएस नामक एक अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने जा रहे हैं, तथा इसका पहला मॉड्यूल 2028 तक प्रक्षेपित कर दिया जाएगा।

खबर संक्षेप

बीएसएफ ने बॉर्डर पर सर्वल कैट को बचाया

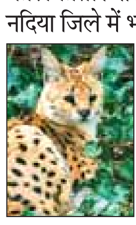

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने तस्करी की जा रही एक दुर्लभ जंगली बिल्ली अफ्रीकन सर्वल कैट को बचाया। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 3 हजार डॉलर (2.5 लाख रुपए) से लेकर 10 हजार डॉलर (8.5 लाख रुपए) तक होती है। जब जवानों को बिल्ली मिली तो वह लकड़ी के एक डिब्बे में बंद थी। यह घटना 22 अगस्त की सुबह तड़के हुई। तस्कर घनी झाड़ियों का फायदा उठाकर बांग्लादेश की ओर भाग गए।

सर्जियो गोर भारत में अमेरिका के नए राजदूत

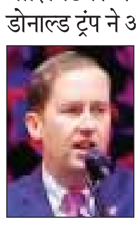

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने करीबी सर्जियो गोर (38 वर्षीय) को भारत में अमेरिका का नया राजदूत नियुक्त किया है। सर्जियो गोर अभी व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति निजी कार्यालय के निदेशक पद पर तैनात हैं। वे दक्षिण और मध्य एशिया मामलों के भी विशेष प्रतिनिधि होंगे। भारतीय राजदूत के रूप में नियुक्ति पर सर्जियो गोर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आभार जताया। गोर ने एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बहुत आभारी हूं। उन्होंने मुझे भारत में अपना अगला अमेरिकी राजदूत नियुक्त किया।

टैरिफ विवाद के बीच भारत सरकार का फैसला, 25 अगस्त से डाक खेप स्वीकारना बंद

29 अगस्त से अमेरिका जाने वाले सभी पार्सल की आवाजाही रोकेगा डाक विभाग

यूएस ने 800 डॉलर तक के मूल्य वाले सामानों के लिए छूट वापस ली

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

अमेरिका की ओर से टैरिफ शुल्क से जुड़े नियमों में बदलाव के बाद भारतीय डाक विभाग 29 अगस्त से विभाग अमेरिका जाने वाले पार्सल की आवाजाही अस्थायी रूप निलंबित करेगा। डाक विभाग ने घोषणा की है कि वह 25 अगस्त से अमेरिका के लिए अधिकांश डाक खेपों को अस्थायी रूप से स्वीकार करना बंद कर देगा। ऐसा इस महीने के अंत में लागू होने वाले अमेरिकी शुल्क नियमों में बदलावों के बाद होगा। अमेरिका ने 30 जुलाई को एक आदेश जारी कर 800 अमेरिकी डॉलर तक के मूल्य वाले सामानों के लिए शुल्क-मुक्त छूट वापस ले ली।

29 अगस्त से, अमेरिका को भेजे जाने वाले सभी डाक सामान, चाहे उनका मूल्य कुछ भी हो, अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) टैरिफ ढांचे के तहत सीमा शुल्क आकर्षित करेंगे। केवल 100 अमेरिकी डॉलर तक की उपहार वाली वस्तुएं ही शुल्क मुक्त रहेंगी। आदेश के अनुसार, केवल अंतरराष्ट्रीय वाहक और अमेरिकी सीमा शुल्क की ओर से अनुमोदित अन्य 'योग्य पक्ष' ही डाक शिपमेंट पर शुल्क वसूल और भुगतान कर सकते हैं। लेकिन चूंकि इन पक्षों को मंजूरी देने और शुल्क वसूली की प्रक्रिया अभी स्पष्ट नहीं है, इसलिए एयरलाइनों ने कहा है कि वे 25 अगस्त के बाद अमेरिका जाने वाले डाक पार्सल नहीं ले जा पाएंगी।

एयरलाइनों ने 25 अगस्त के बाद डाक पार्सल ले जाने से कर दिया मना

सिर्फ 100 डॉलर तक के उपहारों को छूट

इसे देखते हुए, भारतीय डाक 25 अगस्त से अमेरिका के लिए सभी प्रकार की वस्तुओं की बुकिंग निलंबित कर देगा। हालांकि पत्रों, दस्तावेजों और 100 अमेरिकी डॉलर तक के उपहारों को इससे छूट मिलेगी। डाक विभाग ने कहा कि जिन ग्राहकों ने पहले से ही पार्सल बुक कर लिया है और उन्हें भेजा नहीं जा सकता, वे डाक शुल्क वापसी का दावा कर सकते हैं।

सीबीपी से स्पष्टीकरण के बाद लेंगे फैसला

संचार मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, डाक विभाग ने 25 अगस्त, 2025 से अमेरिका जाने वाली सभी प्रकार की डाक वस्तुओं की बुकिंग अस्थायी रूप से निलंबित करने का निर्णय लिया है। सिवाय उन पत्रों/दस्तावेजों और उपहार वस्तुओं के जिनका मूल्य 100 अमेरिकी डॉलर तक है।

जयशंकर बोले

किसानों और छोटे उत्पादकों के हित से समझौता नहीं होगा

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत अमेरिका के साथ चल रही व्यापार वार्ता में कुछ 'रेड लाइन्स' तय किए हुए हैं। रेड लाइन्स मतलब एक ऐसी सीमा, जिसके पार कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों व छोटे उत्पादकों के हितों से किसी भी हाल में समझौता नहीं करेगी। यह हमारे लिए न सिर्फ आर्थिक, बल्कि सामाजिक सरोकारों से जुड़ा मुद्दा है और यही वार्ता में भारत की मूल प्राथमिकता है।

उन्हें पसंद नहीं तो न खरीदें

जयशंकर ने कहा कि अमेरिका या किसी अन्य देश को भारतीय तेल या पेट्रोलियम उत्पाद पसंद नहीं, तो वे खरीदें ही नहीं। उन्होंने कहा कि भारत किसी को खरीदने के लिए मजबूर नहीं करता, लेकिन अमेरिका और यूरोप खुद खरीदते हैं। जयशंकर ने इस धारणा को भी खारिज किया कि अमेरिका से तनाव के बीच भारत-चीन संबंध बेहतर हो रहे हैं।

ट्रंप की नीति से दुनिया प्रभावित हो रही

जयशंकर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि ट्रंप जिस तरह से विदेश नीति को सार्वजनिक तौर पर चलाते हैं, वह पहले कभी नहीं देखा गया। यह परंपरागत अमेरिकी नीति से बड़ा बदलाव है और पूरी दुनिया इससे प्रभावित हो रही है।

उत्तराखंड के चमोली में फटा बादल

थराली क्षेत्र मलबे की चपेट में आया एक युवती का शव मिला, 11 घायल आईटीबीपी जवानों ने संभाला मोर्चा

एजेंसी ▸▸ चमोली

उत्तराखंड में एक बार भारी बारिश ने कहर बरपाया है। चमोली के थराली तहसील में देर रात बादल फटने से क्षेत्र में काफी नुकसान हुआ है। बादल फटने से काफी मलबा आया है, जिससे एसडीएम आवास समेत कई मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। चमोली के डीएम संदीप तिवारी ने यह जानकारी दी है। जनपद चमोली में अतिवृष्टि से थराली एवं आसपास के क्षेत्रों में भारी मात्रा में मलबा आने के कारण कई भवन और वाहन इसकी चपेट में आ गए।

एसडीआरफ की टीमें मौके पर राहत एवं बचाव कार्य करते हुए प्रभावित भवनों और वाहनों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही हैं। रास्ते तहस-नहस हो जाने से भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रेस्क्यू में भी जवानों को परेशानी उठानी पड़ रही है। तीनों विकासखंडों थराली, देवाल और नारायणबगड़ के सभी स्कूलों में भारी बारिश को देखते हुए अवकाश घोषित कर दिया गया है।

प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

थराली में आई आपदा के बाद प्रशासन प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों में पहुंचाने में लगे हुए है। प्रशासन द्वारा तहसील परिसर, कुलसारी पॉलिटेक्निक आदि सुरक्षित स्थानों पर लोगों के रहने और खाने की व्यवस्था की जा रही है। वाहनों से प्रभावित लोगों को अलग-अलग स्थानों पर ले जाया जा रहा है। चमोली आपदा में सगवाड़ा में लापता हुई युवती का शव बरामद कर लिया गया है। 11 लोग घायल हैं जबकि एक लापता है। गांव में बिजली, पानी बाधित है। चमोली जनपद के थराली में आई आपदा में आईटीबीपी के जवानों ने भी मोर्चा संभाल दिया है। आईटीबीपी के जवान मलबे में दबे पेड़ों को कटाकर हटाने का प्रयास कर रहे है। साथ ही एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ भी राहत बचाव कार्य मे जुटी हुई है।

सीएम धामी ने दुख जताया

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने चमोली जनपद के जनप्रतिनिधियों से फोन पर वार्ता कर बादल फटने से हुए नुकसान की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने आपदा पर गहरा दुःख जताते हुए सभी जनप्रतिनिधियों से राहत और बचाव कार्यों में जिला प्रशासन का सहयोग करने का अनुरोध किया है। धामी ने कहा कि जिला प्रशासन, एनडीआरएफ, पुलिस मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्यों में जुटी है. स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हूं और खुद स्थिति की गहन निगरानी कर रहा हूं।

ग्रीस में आईएनएस तमाल का भ्रमण पूरा

नई दिल्ली। भारतीय युद्धपोत आईएनएस तमाल ने 22 अगस्त 2025 को ग्रीस के सौदा खाड़ी में बंदरगाह भ्रमण संपन्न किया। जहाज की गतिविधियाँ भारत और ग्रीस के बीच सहयोग और सहभागिता को बढ़ाने पर केंद्रित रहीं। प्रस्थान के समय आईएनएस ने हेलेनीक नेवी की रूसेन श्रेणी की गश्ती नौका एचएस रित्सोस के साथ एक मार्ग अभ्यास में भाग लिया, जिसका उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता का सत्यापन करना था। सौदा खाड़ी में भारत और ग्रीस के पदाधिकारियों ने द्विपक्षीय चर्चाएं और व्यावसायिक आदान-प्रदान किए।

न्यूयॉर्क में टूरिस्ट बस पलटी

5 की मौत, बस में भारतीय भी थे ड्राइवर के कंट्रोल खोने से हादसा

एजेंसी ▸▸ अल्बानी

न्यूयॉर्क में नायग्रा फॉल्स से न्यूयॉर्क सिटी जा रही एक टूरिस्ट बस पलट गई, जिससे 5 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस के मेजर आंद्रे रे ने बताया कि बस के ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया जिससे बस पलट गई। यह हादसा स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12:30 बजे हुआ। बस में 54 यात्री सवार थे। ज्यादातर यात्रियों ने सीट बेल्ट नहीं लगाई थी, जिससे हादसे के समय खिड़कियां टूटने से कई यात्री बस से बाहर गिर गए। बस

नायग्रा फॉल्स से न्यूयॉर्क सिटी जा रही थी। हादसे के बाद बचावकर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने रोड को बंद कर दिया। बचाव दल ने घायलों का मौके पर ही प्राइमरी इलाज किया। बाद में एंबुलेंस और हैलिकॉप्टर से अस्पताल भेजा। बस में अधिकांश यात्री भारत, चीन और फिलिपींस मूल के थे।

बांग्लादेश में यूनुस सरकार ने मीडिया पर कसा शिकंजा

हसीना के बयानों को प्रसारित न करने की चेतावनी, उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

एजेंसी ▸▸ ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को मीडिया संस्थानों को अवामी लीग की नेता व अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के किसी भी बयान का प्रसारण या प्रकाशन न करने की चेतावनी दी है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के प्रेस विंग ने कहा, हम हसीना की बातों और बयानों को फैलाने वाले और भविष्य में ऐसा करने की मंशा रखने वाले मीडिया को चेता रहे हैं कि हम उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।

हसीना भगोड़ा अपराधी

यूनुस ने कहा कि टेलीविजन चैनलों, समाचार और ऑनलाइन पोर्टलों पर हसीना के ऑडियो चलाना आतंकवाद विरोधी कानून 2009 का उल्लंघन है। इसमें हसीना को एक दोषी अपराधी व सामूहिक हत्याओं और मानवता के खिलाफ अपराधों का भगोड़ा आरोपी बताया गया है।

पाक विदेश मंत्री पहुंचे बांग्लादेश

पाक के विदेश मंत्री इशाक डार तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को बांग्लादेश पहुंचे हैं। यह 13 साल के बाद किसी वरिष्ठ पाकिस्तानी अधिकारी का पहला ढाका दौरा है। पाकिस्तान के वाणिज्य मंत्री जम कमाल खान इशाक डार से पहले बुधवार को ढाका पहुंचे थे।

भारत-पाक ने जारी किया 'नोटम'

एक-दूसरे के लिए हवाई क्षेत्र को रखेंगे फिर बंद, 24 सितंबर तक अवधि बढ़ाई

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत पाकिस्तान के साथ किसी तरह की नरमी बरतने के मूड में नहीं है। उसने इसके संकेत दे दिए हैं। भारत ने पाकिस्तान की एयरलाइनों और विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने की अवधि 24 सितंबर तक बढ़ा दी है। यह फैसला भारत के विमानन अधिकारियों की ओर से जारी एक नए नोटम (नोटिस टू एयरमेन) के अनुसार लिया गया है।

पाक ने भी ऐसा ही कदम उठाते हुए भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को उसी अवधि तक बंद रखने का फैसला किया है। इस वजह से दोनों देशों के बीच हवाई क्षेत्र का बंद होना पांचवें

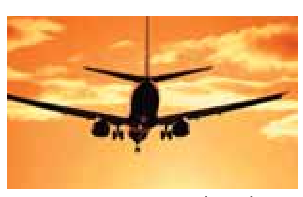

महीने में प्रवेश कर गया है। अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में खटास आ गई थी। इसके बाद पाकिस्तान ने 24 अप्रैल को अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया था। भारत ने भी 30 अप्रैल को जवाबी कार्रवाई करते हुए अपने हवाई क्षेत्र को पाकिस्तानी विमानों के लिए बंद कर दिया था। तब से दोनों देश हर महीने नोटम जारी करके इस प्रतिबंध को बढ़ाते आ रहे हैं।

भारत ने रक्षा क्षेत्र में अमेरिका को दिया बड़ा झटका, जीई कंपनी संग नहीं हुआ करार

स्वदेशी फाइटर जेट और इंजन निर्माण में महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी

फ्रांस की सेवरन कंपनी और डीआरडीओ मिलकर करेंगे 'जेट इंजन' का विकास

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

टैरिफ विवाद के बीच भारत ने अमेरिका को बड़ा झटका दिया है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और फ्रांस की कंपनी सेफरन मिलकर भारत में 120 केएन क्षमता वाला पावरफुल जेट इंजन विकसित करेंगे। इस प्रोजेक्ट के तहत भारत को 100% टेक्नोलॉजी ट्रांसफर मिलेगा और इंजन की डिजाइन, विकास, टेस्टिंग, सर्टिफिकेशन और प्रोडक्शन पूरी तरह भारत में होगी।

इस कदम से भारत का आत्मनिर्भर विमान निर्माण मजबूत होगा, जबकि अमेरिका के ट्रंप प्रशासन की उम्मीदें इस प्रोजेक्ट पर टिकी थीं, जिससे उन्हें तगड़ा झटका लगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को इस डील की पुष्टि करते हुए बताया कि भारत ने पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट और स्वदेशी इंजन निर्माण में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा लिया है। उन्होंने कहा कि शुरुआती एएमसीए यूनिट्स फिलहाल जीई-414 इंजन से उड़ान भरेंगी।

पांचवी पीढ़ी के फाइटर जेट में 120 केएन क्षमता के इंजन लगेंगे

परियोजना लागत 7 अरब डॉलर

इस डील से भारत और फ्रांस के बीच तकनीकी और राजनीतिक साझेदारी भी और मजबूत होगी। डीआरडीओ के अनुसार, इस परियोजना की लागत लगभग 7 अरब डॉलर होगी। शुरुआती एमसीएम यूनिट्स फिलहाल जीई-414 इंजन से उड़ान भरेंगी, लेकिन भविष्य में नए इंजन का उत्पादन पूरी तरह भारत में ही होगा। इस परियोजना में अमेरिका की जीई और ब्रिटेन की रॉल्स रायस जैसी दिग्गज कंपनियां भी दावेदार थीं। फ्रांस के साथ यह समझौता भारत की एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

भारत को 100% टेक्नोलॉजी ट्रांसफर मिलेगा

भारत ने अपने पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी स्टील्थ फाइटर जेट (एएमसीए) के लिए बड़ा कदम उठाया है। इस प्रोजेक्ट के तहत भारत में 120 केएन क्षमता वाला पावरफुल जेट इंजन विकसित किया जाएगा, जिसमें भारत को 100% टेक्नोलॉजी ट्रांसफर मिलेगा। इसका मतलब है कि इंजन का डिजाइन, विकास, टेस्टिंग, सर्टिफिकेशन और प्रोडक्शन पूरी तरह भारत में किया जाएगा, जिससे भारत का एयरोस्पेस क्षेत्र आत्मनिर्भर बनेगा।

भविष्य में इंजनों का निर्माण भारत में होगा

भविष्य में नए 120 केएन क्षमता वाले इंजन का उत्पादन पूरी तरह भारत में होगा। भारत ने अपने स्वदेशी फाइटर जेट और इंजन निर्माण में महत्वपूर्ण रणनीतिक सफलता हासिल की है।

यह सिर्फ पुल नहीं आधुनिक जबलपुर की नई पहचान : गडकरी

आज का दिन जबलपुर का नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज : मुख्यमंत्री

हरिभूमि, जबलपुर।

जबलपुर और महाकौशल क्षेत्र को नई उड़ान देने वाले 4250 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित और प्रस्तावित 9 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का आरंभ स्वागत से हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नितिन गडकरी का पुष्पगुच्छ, शॉल और रानी दुर्गावती की प्रतिमा भेंट कर अभिनंदन किया। मंच पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके, खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, जबलपुर सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह, विधायक अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, डॉ. अभिलाष पांडे, सहित अनेक सांसद-विधायक उपस्थित रहे।

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने यहा कहा, मुझे याद है जब यहां के सांसद और आपके जनप्रतिनिधि राकेश सिंह ने जबलपुर में फ्लाईओवर की आवश्यकता बताई थी। तब हमने संकल्प लिया था कि इस शहर के यातायात की समस्या को स्थायी रूप से खत्म करना है। आज लगभग 1200 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ यह फ्लाईओवर आपके सामने है। यह सिर्फ एक पुल नहीं है, बल्कि जबलपुर के आधुनिक स्वरूप की नई पहचान है। मुझे गर्व है कि देश के इतिहास में पहली बार सीआरएफ फंड से इतना बड़ा प्रोजेक्ट मंजूर हुआ और उसे समयबद्ध तरीके से पूरा किया गया।

जबलपुर की बदलेगी तकदीर

श्री गडकरी ने यहां कहा, यह तो शुरुआत है। जबलपुर और पूरे महाकौशल अंचल के विकास के लिए हम एक के बाद एक कई बड़ी परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। जबलपुर से मंडला होते हुए छत्तीसगढ़ सीमा तक चार लेन की सड़क बनाई जा रही है, जिससे यहां का व्यापार और पर्यटन दोनों को नई गति मिलेगी। इसी तरह सिवनी और छिंदवाड़ा से होते हुए सावनेर तक का मार्ग चौड़ा किया जा रहा है, जिससे यात्रा का समय आधा होगा और लोगों को राहत मिलेगी। जबलपुर को हमने विशेष टाइगर कॉरिडोर की सौगात दी है। हजारों करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह मार्ग यहां के नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व्स को जोड़ेगा। इससे न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी बल्कि स्थानीय युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। जबलपुर का रिंग रोड भी अब पूरा होने की ओर है और इसका अंतिम पैकेज भी मंजूर कर लिया गया है। यह रिंग रोड शहर के यातायात को सुगम बनाएगा और औद्योगिक क्षेत्रों तक पहुंच आसान करेगा। इतना ही नहीं, जबलपुर से भोपाल तक ग्रीनफील्ड हाईवे बनाया जाएगा। करीब पंद्रह हजार करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह आधुनिक मार्ग प्रदेश की तस्वीर बदल देगा। इसका डीपीआर इस साल पूरा होगा और अगले साल निर्माण शुरू हो जाएगा। जबलपुर के लिए रोपवे परियोजनाएं भी स्वीकृत की गई हैं। एम्पायर टॉकीज से गुरुद्वारा तक लगभग नौ सौ करोड़ की लागत से रोपवे बनेगा, वहीं सिविक सेंटर से बलदेव बाग तक एक और रोपवे का निर्माण होगा। यह सुविधाएं इस शहर के पर्यटन और यातायात दोनों में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगी।

जबलपुर को मिली अनमोल धरोहर : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने यहां कहा जबलपुर की यह धरती रानी दुर्गावती के शौर्य और जाबालि ऋषि की तपोभूमि से जगत में प्रसिद्ध है। इस पावन नगरी ने देश को संस्कृति और गौरव की अनमोल धरोहर दी है। आज का दिन इस ऐतिहासिक नगरी के लिए स्वर्णाक्षरों में दर्ज होने वाला दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत की विकास यात्रा नई ऊँचाइयों को छू रही है। प्रधानमंत्री ने तीसरी बार सरकार बनने पर कहा था—"आप हमें आशीर्वाद दें, हम आपको विकास देंगे।" आज उसी का परिणाम है कि प्रदेश को 60 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएँ मिली हैं। ग्रीन फील्ड जबलपुर–भोपाल मार्ग, रीवा–उज्जैन–मुरैना तक के हाईवे, उज्जैन–इंदौर–धुले–पुणे और प्रयागराज–जबलपुर–नागपुर हाई स्पीड कॉरिडोर जैसी परियोजनाएँ आने वाले समय में महाकौशल और पूरे मध्यप्रदेश को नई गति देंगी।

लोक निर्माण से लोक कल्याण : मंत्री

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 21वीं सदी का यह दशक भारत में इन्फ्रास्ट्रक्चर के कायाकल्प का दशक है। प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी के दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ मुख्यमंत्री का जो एकात्म भाव है उससे मध्यप्रदेश आज लोक निर्माण से लोक कल्याण की सक्सेस स्टोरी लिख रहा है। श्री सिंह ने कहा कि सात किलोमीटर लंबा यह फ्लाई ओव्हर जबलपुर के भविष्य को तय करने वाला है। इससे अब दमोहनाका से मदन महल की दूरी तय करने में 5 से 6 मिनट लगेंगे। लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मदन महल-दमोहनाका फ्लाई ओव्हर का नामकरण वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम पर किया गया है। इसकी घोषणा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पिछले वर्ष की गई थी। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि इस फ्लाई ओव्हर के निर्माण में कई रूकावटें आईं। किंतु लोगों को सहूलियत और बेहतर सुविधाएं देने की दिशा में प्रयास जारी रहे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अद्भुत नेतृत्व और केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी के प्रयासों से ही यह ब्रिज आज आकार ले पाया है।

अधोसंरचना और विकास की दूरदृष्टि : मंत्री पटेल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल ने केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी की सड़क अधोसंरचना विकास में दूरदृष्टि और व्यहारिकता की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने दमोह को राष्ट्रीय राजमार्ग की सौगात दी। साथ ही लखनादौन से ललितपुर के बीच दुर्घटना प्रभावित क्षेत्र समाप्त करने के लिए 27 ओवरब्रिज को स्वीकृति प्रदान की। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल ने मदन महल-दमोहनाका फ्लाई ओव्हर के लोकार्पण अवसर पर जबलपुर के नागरिकों को बधाई भी दी।

सांसद श्री आशीष दुबे ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि असंभव को संभव बनाने के लिए पुरुषार्थ तथा विचारों को नवाचार में बदलने की आवश्यकता होती है। केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने पुरुषार्थ के साथ, विचार को नवाचार में, नवाचार को चमत्कार में बदलने और चमत्कार को धरातल पर क्रियान्वित करने का कार्य किया है।

सबसे बड़ा फ्लाईओवर बना आकर्षण का केंद्र

मदनमहल से दमोहनाका तक बना फ्लाईओवर इस कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण रहा। लगभग 7 किलोमीटर लंबा और 1200 करोड़ से अधिक लागत वाला यह फ्लाईओवर प्रदेश का सबसे बड़ा माना जा रहा है। इंजीनियरिंग की दृष्टि से भी यह एक अद्भुत उपलब्धि है। इसमें अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है। इसके बनने से शहर के यातायात को बड़ी राहत मिलेगी और लोगों का समय बचेगा।

अन्य परियोजनाओं का लोकार्पण–शिलान्यास इस अवसर पर कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ। इनमें रीवा बाईपास चौड़ीकरण, नौरादेही टाइगर रिजर्व से होकर गुजरने वाला फोरलेन कॉरिडोर, मंडला–नैनपुर सड़क, कटनी बाईपास और जबलपुर–भोपाल ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे शामिल हैं। इन सभी परियोजनाओं पर हजारों करोड़ रुपये खर्च होंगे और ये प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देंगे।

रात भर में वर्षा ढाई इंच, भारी बारिश की संभावना

तरबतर करने आ गया बांग्लादेशी सिस्टम

जबलपुर। शहर को तरबतर करने के लिए एक बार फिर बंगलादेशी मानसूनी सिस्टम आ चुका है। शुक्रवार की शाम से शुरु हुआ बारिश का दौर देर रात तक जारी रहा। इस दौरान करीब 2 इंच से अधिक वर्षा दर्ज की गई। अब तक कुल 37 इंच वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। वहीं शनिवार को भी दिनभर आसमान पर बादल छाए रहे। बीच बीच में रिमझिम बारिश होती रही। मौसम विभाग की मानें तो अगले 24 घंटों के दौरान जिले के कई स्थानों पर झमाझम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिम बंगाल और पूर्वी राजस्थान के ऊपर बने हवा के चक्रवात की वजह से मानसूनी बादलों की खेप छत्तीसगढ़ होते हुये मध्यप्रदेश तक पहुंच गई है। अगले 24 घंटों में बादल पूरी तरह से मध्यप्रदेश में सक्रिय हो जाएंगे।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के मुताबिक एक सिस्टम पश्चिम बंगाल से दूसरा सिस्टम राजस्थान से आ रहा है। पूर्वी मध्यप्रदेश और पश्चिमी मध्यप्रदेश के ऊपर हवा के कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। जिससे आसमान पर घने बादल छाए रहे और शुक्रवार की शाम से शुरू हुई बारिश शनिवार को भी रिमझिम बारिश के रूप में जारी रही। लगातार वर्षा होने के कारण तापमान एक बार फिर नीचे आ गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 28.0 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री कम और न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमीं प्रातःकाल 98 प्रतिशत और सायंकाल 89 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.50 मिनिट पर और सूर्यास्त सायं 6.35 मिनिट पर हुआ। पिछले 24 घंटों के दौरान 67.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई। 1 जून से अब तक कुल वर्षा 940.2 मिमी (लगभग 37 इंच) दर्ज की जा चुकी है। जबकि गत वर्ष आज के दिन 0.4 मिमी वर्षा हुई थी और कुल वर्षा 1033.0 मिमी दर्ज की जा चुकी थी। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 32.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.0 डिग्री दर्ज किया गया। दक्षिणी पश्चिमी हवाएं 5 से 6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। 24 घंटों के दौरान संभाग के कुछ स्थानों पर झमाझम वर्षा हो सकती है।

आदिवासी छात्रावास में फूड पॉइजनिंग की आशंका पर कार्रवाई

छात्रावास अधीक्षक निलंबित, जांच शुरू

जबलपुर। कुंडेश्वर धाम की हरदौली कला तहसील स्थित आदिवासी छात्रावास में 14 बच्चे अचानक बीमार हो गए। इनमें 14 वर्षीय छात्र राजाराम धुर्वे की मौत हो गई। आशंका है कि बच्चों की तबीयत फूड पॉइजनिंग से बिगड़ी। रात में खाने के बाद 20 अगस्त को सभी बच्चों को नजदीकी निजी डॉक्टर को दिखाया गया। इस मामलें में लापरवाही बरतने पर छात्रावास अधीक्षक को निलंबित कर दिया गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही अधिकारी छात्रावास पहुंचे और बच्चों से फीडबैक लिया। पानी के सैंपल जांच के लिए भेजे गए। लापरवाही के आरोप में छात्रावास अधीक्षक गजेंद्र को निलंबित कर दिया गया। इलाज के बाद 11 बच्चों को डिस्चार्ज किया जा चुका है, जबकि दो अस्पताल में भर्ती हैं।

बच्चों ने की खाने की शिकायत

छात्रावास में 46 बच्चे हैं, लेकिन घटना वाले दिन 14 थे। जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत, जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सिंह और सहायक आयुक्त सीके दुबे ने बीमार बच्चों के बयान दर्ज किए। इसके बाद जांच के आदेश दिए। बच्चों ने अधीक्षक की अनुपस्थिति और भोजन की खराब गुणवत्ता की शिकायत की।

विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर पुलिस ने की गिरफ्तारी

एनएसयूआई नेता नजरबंद किए गए

जबलपुर। शहर में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री मोहन यादव के आगमन से पूर्व ही एनएसयूआई पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को सुबह गिरफ्तार कर नजरबंद कर लिया। प्रातः 6:00 बजे क्राइम ब्रांच ने छापामार कार्रवाई करते हुए एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सचिन रजक, प्रदेश पदाधिकारी अदनान अंसारी, नीलेश महार, एजाज़ अंसारी, मोहम्मद अली, अनुराग शुक्ला अनुज यादव, अचलनाथ चौधरी सहित अन्य को हिरासत में ले लिया। यह गिरफ्तारी पूरी तरह से अलोकतांत्रिक और निंदनीय है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष और छात्रों की आवाज़ को इस प्रकार दबाना गंभीर चिंता का विषय है और यह संविधान की मूल भावना के प्रतिकूल है। एनएसयूआई प्रदेश पदाधिकारी अदनान अंसारी व शफी खान ने कहा कि हमें जनता की आवाज को उठाने से रोका जा रहा है आज जिस प्रकार पुलिस द्वारा छात्र नेताओं को गिरफ्तार किया गया है अगर पुलिस इतनी ईमानदारी और सख्ती के साथ अपराधियों पर नकेल कसती तो शायद संस्कारधानी में बढ़ रहे अपराधों में कमी होती शहर में हर रोज चोरी, हत्या, डकैती जैसी घटनाएं घटित हो रही है लेकिन पुलिस अपराधियों पर कार्रवाई करने की वजाह मूकदर्शक बनी रहती है। हम लोकतंत्र और छात्रों के अधिकारों की लड़ाई मजबूती से जारी रखेंगे।

स्कार्पियो ने बाईक चालक को रौंदा

जबलपुर। बरगी थाना अतंर्गत ग्राम रैपुरा तिराहा के पास एनएच 34 नागपुर जबलपुर रोड में एक स्कार्पियों ने एक बाईक को टक्कर मार दी, जिसमें सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दूसरा गंभीर रुप से घायल है जिसे उपचार के लिए मेडीकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बरगी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रैपुरा निवासी 31 वर्षीय लेखराम चौधरी अपने 20 वर्षीय चचेरे भाई रमेश चौधरी की बाईक में रमेश का इलाज कराने बरगी जा रहा था। ग्राम रैपुरा तिराह के पास एन एच 34 नागपुर-जबलपुर रोड़ में लगभग 11.30 बजे स्कार्पियो क्रमांक एमपी 04 जेड जेड 5220 के चालक ने तेज गति से चलाते हुये उनकी बाईक में टक्कर मारी दी, जिससे लेखराम की मौके पर मृत्यु हो गयी वहीं रमेश चौधरी गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुये मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया गया है।

फर्जीवाड़े, अदालत के परिवाद और गुर्गो की गुंडागर्दी से घेरे में स्मार्ट सिटी अस्पताल का संचालक और स्वयंभू भाजपा नेता अमित खरे

मेडिकल काउंसिल में पंजीयन नहीं फिर भी डॉक्टर बन कर घूम रहा खरे!

हरिभूमि, जबलपुर।

संस्कारधानी में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर माफिया राज चलाने वाला स्मार्ट सिटी अस्पताल का संचालक अमित खरे एक बार फिर कटघरे में है। एम्बुलेंस चालक पर हमले और गुर्गों की धमकी के बाद अब खरे के खिलाफ कई पुराने घोटालों और गंभीर संदेहों ने उसकी असलियत को उजागर कर दिया है। फर्जीवाड़े की फेहरिस्त और मेडिकल काउंसिल में नाम गायब होने का खुलासा खरे को सीधे-सीधे स्वास्थ्य माफिया साबित करता है।

दमोह का फर्जी एमएलसी कांड

नवंबर 2021 में दमोह के एक मरीज को लेकर खरे का नाम सामने आया था। मरीज को स्मार्ट सिटी अस्पताल में भर्ती दिखाकर जेल अस्पताल के डॉक्टर के नाम से फर्जी एमएलसी रिपोर्ट तैयार कर दी गई। जांच में साफ हुआ कि संबंधित डॉक्टर का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं था। यह मामला उस वक्त पूरे प्रदेश में सुर्खियों में रहा।

सतना के डॉक्टर का परिवाद

इसी तरह सतना निवासी डॉ. लक्ष्मण शाह ने भी खरे के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए न्यायालय में परिवाद दायर किया है। इससे यह साबित होता है कि खरे के खिलाफ शिकायतें सिर्फ पुलिस फाइलों तक सीमित नहीं, बल्कि अदालत तक पहुंच चुकी हैं।

आयुष्मान कार्ड में फर्जीवाड़ा

खरे पर गरीब मरीजों के आयुष्मान कार्ड का दुरुपयोग कर इलाज के नाम पर राशि हड़पने का भी आरोप है। यह सीधे तौर पर स्वास्थ्य योजनाओं की लूट है, जिसमें गरीब मरीजों का हक माफिया की जेब में गया।

पुलिस-स्वास्थ्य विभाग आमने-सामने

स्मार्ट सिटी अस्पताल मामले में फिलहाल स्वास्थ्य विभाग पुलिस की आधिकारिक रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है। सीएमएचओ डॉ. संजय मिश्रा का कहना है"अगर पीड़ित मरीज या पुलिस आधिकारिक तौर पर सामने आते हैं तो निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी। वहीं पुलिस का सीधा कहना है कि उसने एफआईआर दर्ज कर ली है स्वास्थ्य विभाग अपनी कार्रवाई करें?

जनता में गुस्सा, फरियादियों में दहशत

एमएलसी फर्जीवाड़ा, अदालत में परिवाद, आयुष्मान लूट और मेडिकल काउंसिल में नाम न होना ये सब मिलकर खरे को "स्वास्थ्य माफिया" साबित करने के लिए काफी हैं। अब सवाल यह उठता है कि आखिर कब तक ऐसे सफेदपोश माफिया राजनीतिक छत्र छाया में बचते रहेंगे? क्या इस बार सचमुच शिकंजा कसेगा या एक और मामला फाइलों में दफन हो जाएगा?

डॉक्टर होने पर ही सवाल

सबसे बड़ा संदेह अब यह है कि आखिर खरे वाकई डॉक्टर हैं भी या नहीं? सूत्रों के मुताबिक भोपाल स्थित मेडिकल काउंसिल में खरे का पंजीयन तक नहीं है। यानी जिस नाम से वह डॉक्टर बनकर पूरे शहर में माफिया राज चला रहा है, उसकी डिग्री और वैधता पर ही सवालिया निशान खड़ा हो गया है।

मझगवां थाना क्षेत्र में दिन दहाड़े वारदात

घर में अकेली नाबालिग से किया रेप

जबलपुर। मझगवां थाना क्षेत्र में एक 16 साल की नाबालिग लड़की के मुंह में कपड़ा ठूंसकर बलात्कार किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। बताया गया है कि घटना उस वक्त हुई जब लड़की के माता-पिता घर पर नहीं थे और भाई स्कूल गया था। आरोपी ने रैकी कर वारदात को अंजाम दिया और वहां से भाग गया। घटना के संबंध में मझगवां पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार रोती-बिलखती नाबालिग लड़की की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे पड़ोसियों ने मामले की सूचना मझगवां थाना पुलिस को दी। माता-पिता के साथ थाना पहुंची नाबालिग के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध प्रकरण दर्ज करते हुए उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दिए बयान में नाबालिग ने कहा है कि कल सुबह मम्मी-पापा खेत चले गए थे। छोटा भाई अपने निर्धारित समय पर स्कूल चल गया था। मैं घर में अकेली थी तो घर का मेन दरवाजा अंदर से बंद कर रखा था।

करीब 10 बजे वह घरेलू काम में व्यस्त थी तभी गांव का रहने वाला मोहित घर के पीछे वालें खेत की ओर से अंदर आया और उसने पीछे से पकड़ लिया। चीखने से पहले ही मोहित ने उसके मुंह में उसका दुप्पटा ठूंस दिया, जिससे चिल्लाने पर भी आवाज नहीं निकल रही थी।

मोहित उसके साथ जबरदस्ती दुष्कृत्य कर रहा था, तभी पापा आ गए। पापा दरवाजा आवाज देकर दरवाजा खुलवाने लगे, तभी पापा की आवाज सुनकर मोहित पीछे वाली बाड़ी तोड़ते हुए भाग गया। दरवाजा खोलने पर पापा को देखकर वह रोने लगी और पूरा घटनाक्रम अपने पिता को बताया इसके बाद थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने रेप और पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी अभी फरार है।

पुलिस कप्तान के निर्देश पर बैंक अधिकारियों की बैठक, गाइडलाइन का पालन अनिवार्य

बैंक सुरक्षा में नहीं बरती जाए लापरवाही

हरिभूमि, जबलपुर।

खितौला बैंक में हुई डकैती में सुरक्षा में हुई लापरवाही को मद्देनजर रखते और उसको दुरुस्त रखने के लिए पुलिस ने कमर कस ली है। पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के निर्देश पर शनिवार को पुलिस कंट्रोल रूम में बैंक अधिकारियों की विशेष बैठक बुलाई गई। बैठक में एएसपी सिटी आनंद कलादगी और एएसपी ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा मौजूद रहे। विभिन्न बैंकों के करीब 50 अधिकारी बैठक में शामिल हुए।

सुरक्षा की जिम्मेदारी साझा

बैठक में एएसपी सिटी कलादगी ने स्पष्ट कहा कि बैंकों की सुरक्षा केवल पुलिस की नहीं बल्कि अधिकारियों और कर्मचारियों की भी जिम्मेदारी है। कप्तान उपाध्याय ने साफ निर्देश दिए कि आरबीआई द्वारा तय गाइडलाइन का 100 प्रतिशत पालन किया जाए। हर बैंक में चैनल गेट, सायरन और पैनिक अलार्म तीन-चार स्थानों पर अनिवार्य रूप से लगे हों। इसके अलावा किसी भी कोने को सीसीटीवी कवरेज से अछूता न छोड़ा जाए।

थानों और बैंकों का सीधा समन्वय

बैठक में निर्णय हुआ कि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए बैंक और संबंधित थाने के बीच व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाए ताकि संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत साझा हो सके। पुलिस ने यह भी चेतावनी दी कि अपराधी बैंक के अंदर और बाहर की लापरवाही का फायदा उठाने में देर नहीं करते, इसलिए सतर्कता जरूरी है।

आकस्मिक चेकिंग और पुलिस गश्त

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बैंक परिसर, उसके आसपास के चाय-ठेलों और साइकिल स्टैंड पर लगातार आकस्मिक चेकिंग की जाएगी। कई बैंकों में पुलिस गार्ड तैनात हैं, जबकि अधिकांश में प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड काम कर रहे हैं। ऐसे में सभी अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि गार्ड संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखें और जरूरत पड़ने पर थाने या कंट्रोल रूम को तुरंत सूचना दें।

बैंक अधिकारियों की मांग पर आश्वासन

बैंक अधिकारियों ने गश्त बढ़ाने की मांग रखी। इस पर अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि सुबह 11 से दोपहर 1 बजे और दोपहर 3 से शाम 4 बजे के बीच बैंकों के आसपास पुलिस गश्त नियमित रूप से की जाएगी।

जारी हुए सख्त निर्देश

1. आरबीआई मानकों का पूरी तरह पालन किया जाए।
2. अलार्म और सायरन चालू हालत में रहें और कर्मचारियों को इसका प्रशिक्षण मिले।
3. सीसीटीवी कैमरे कैश काउंटर से लेकर बैंक के बाहरी क्षेत्र तक लगे हों।
4. एटीएम और बैंक में केवल अधिकृत, प्रशिक्षित और शस्त्रधारी गार्ड ही तैनात हों।
5. सभी प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड और रिकवरी एजेंट का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य है।

अभिनंदन समारोह में बोले चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा

अधिवक्ताओं का व्यक्तित्व बहुआयामी होना चाहिए

जबलपुर । मप्र हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा ने कहा कि अधिवक्ताओं का व्यक्तित्व बहुआयामी होना चाहिए। सिर्फ वकालत तक सीमित न रहकर विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सक्रियता होने से वे अपेक्षाकृत अधिक सरोकारी जीवन जी सकेंगे। वे हाईकोर्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन, जबलपुर के तत्वावधान में डुमना रोड स्थित सभागार में बोल रहे थे।

हाईकोर्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन, जबलपुर के पदाधिकारियों ने उनका भावभीना अभिनंदन किया। विभिन्न वक्ताओं ने दो बार कार्यवाहक और अंततः मुख्य न्यायाधीश के रूप में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में नव प्रतिमान दर्ज कर रहे मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा के व्यक्तित्व-कृतित्व को रेखांकित किया। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा के साथ प्रशासनिक न्यायाधीश अतुल श्रीधरन, न्यायमूर्ति विवेक रूसिया, महाधिवक्ता प्रशांत सिंह, हाई कोर्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन, जबलपुर के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता संजय अग्रवाल, सचिव निखिल तिवारी, एमपी स्टेट बार चेयरमैन राधेलाल गुप्ता, सीनियर एडवोकेट्स काउंसिल की अध्यक्ष शोभा मेनन व जिला बार एसोसिएशन, जबलपुर के अध्यक्ष मनीष मिश्रा मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन सचिव निखिल तिवारी ने किया।

मुख्यालय मध्य भारत एरिया में 59वां आवा दिवस मनाया गया

हरिभूमि, जबलपुर। मुख्यालय मध्य भारत एरिया के अंतर्गत जबलपुर मिलिट्री स्टेशन स्थित बत्रा ऑडिटोरियम में 23 अगस्त 2025 को आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (AWWA) का 59वां वार्षिक आवा दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जोनल आवा अध्यक्षा राजलक्ष्मी शेखावत, मध्य भारत एरिया ने की। इस अवसर पर आवा की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता द्विवेदी का प्रेरणादायी वीडियो संदेश भी प्रदर्शित किया गया, जिसमें उन्होंने सैनिकों की पत्नियों और वीर नारियों को आत्मनिर्भरता, साहस और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में महिला उद्यमिता पर प्रेरक वार्ता, विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां, कविता पाठ, आर्मी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्तिपूर्ण प्रदर्शन तथा सैन्य परिवारों की प्रतिभा को उजागर करने वाला एक सांस्कृतिक प्रदर्शन भी शामिल था।

छात्र-छात्राओं ने मौसम विभाग का किया भ्रमण

जबलपुर। सीएम राइस (सांदीपानी) शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आधारताल के छात्र-छात्राओं को उच्च माध्यमिक शिक्षिका अंजू टेंभेकर द्वारा मौसम विभाग जबलपुर का भ्रमण कराया गया इनके साथ सहयोगी के रूप में आदित्य वर्मा शिक्षक भी उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान मौसम विभाग के अधिकारी डीके तिवारी ने छात्र-छात्राओं को मौसम विभाग उपकरणों से संबंधित जानकारी प्रदान की, जानकारी प्राप्त कर छात्र-छात्राएं प्रफुल्लित होकर अपने स्किल डेवलपमेंट की तरफ अच्छा भविष्य बनाने प्रेरित हुए। इस कार्य हेतु विद्यालय के प्राचार्य प्रकाश वालीवाल एवं उप प्राचार्य अन्विता सिंह का विशेष सहयोग रहा।

नर्मदा से लेकर फ्लाइओवर ब्रिज में संकीर्तन महोत्सव मनाएंगे

जबलपुर। नर्मदा चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जबलपुर के द्वारा जमुना प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट चौक राइट टाउन से ओवर ब्रिज में चढ़कर रानीताल से हनुमान जी महाराज के दर्शन कर वहां से लौटकर जमुना प्रसाद चौक पर विशाल महाआरती एवं भंडारे के साथ समापन होगा. संकीर्तन मंडल संयोजक श्याम मनोहर पटेल ने बताया हर रविवार को प्रातः 8:30 से10 तक विभिन्न पिछड़ी बस्तियों में भगवान का संकीर्तन किया जाता है 21 सदस्य टीम संकीर्तन यात्रा निकालेंगे नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल की विशेष उपस्थिति रहेगी. संकीर्तन मंडल अध्यक्ष विनोद दीवान ने बताया 24 अगस्त रविवार प्रातः 8:30 बजे जमुना प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट चौक राइट टाउन से संकीर्तन संत महात्माओं के सानिध्य में यात्रा प्रारंभ की जाएगी. उपस्थिति की अपील अध्यक्ष विनोद दीवान सहसंकीर्तनचार्य सुरेश विश्वकर्मा सचिव मनोज गुलाबबानी रुद्राभिषेकचार्य मोहित तिवारी मनोहर विश्वकर्मा छन्नू राम पटेल चंद्र कुमार पटेल गणेश विश्वकर्मा अशोक विश्वकर्मा नरेश गुजराती भागचंद कोली दीपक तिवारी नितिन चौबे...विनोद विश्वकर्मा देवी दादा मगन द्वारा सभी भक्त मंडल से उपस्थित की अपील की है।

लव जिहाद के मामले को लेकर जताया आक्रोश

विश्व हिंदू परिषद ने किया मझौली थाने का घेराव

मझौली। थाना मझौली अंतर्गत इनदाना चौकी क्षेत्र में कथित लव जिहाद के मामले को लेकर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को थाना मझौली का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने थाना परिसर में जमकर नारेबाजी की और मामले में लापरवाही का आरोप लगाते हुए दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इनदाना चौकी क्षेत्र की एक हिंदू युवती पिछले सप्ताह से लापता थी, जिसकी शिकायत परिजनों ने पुलिस से की थी। आरोप है कि युवती को थाना कटंगी अंतर्गत 27 मील क्षेत्र का रहने वाला मोहम्मद इरसाद बहला-फुसलाकर ले गया।

ग्रामवासियों का कहना है कि शनिवार को दोनों थाना प्रभारी के सामने पहुंचे थे, लेकिन चौकी प्रभारी पर आरोप है कि उन्होंने कुछ लेन-देन कर मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की। बजरंग दल ने इसे गंभीर आरोप मानते हुए थाने का घेराव किया और युवती को तुरंत खोजकर माता-पिता को सौंपने की मांग की। मौके पर पहुंचे सिहोरा SDOP ने प्रदर्शनकारियों को समझाइश दी और तीन दिन के भीतर युवती को बरामद कर माता-पिता को सौंपने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रवीन्द्र भवन में नियुक्ति-पत्र वितरण कार्यक्रम 26 अगस्त को

मुख्यमंत्री विद्युत कंपनियों के चयनित कर्मचारियों को देंगे नियुक्ति-पत्र

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार विभिन्न विभागों में नियुक्तियां की जा रही हैं। ऊर्जा विभाग के अंतर्गत भी विभिन्न बिजली कंपनियों में परीक्षा के बाद कर्मचारियों को चयनित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव चयनित 1050 कर्मचारियों को रवीन्द्र भवन में 26 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम में नियुक्त-पत्र वितरित करेंगे। कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर भी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान बिजली कंपनियों के लिए नवीन संगठनात्मक संरचना स्वीकृत करने पर मुख्यमंत्री का आभार प्रदर्शन भी किया जायेगा। ऊर्जा विभाग ने संकल्प-पत्र के आधार पर विभिन्न पदों पर एमपी ऑन लाइन के माध्यम से परीक्षा लेकर द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ श्रेणी आधार पर विभिन्न पदों पर भर्ती की है। चयनित पदों में बिजली इंजीनियर, सिविल इंजीनियर, लेखाधिकारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधक, सहायक विधि अधिकारी, लाइन अटेंडेंट, सिक्योरिटी ऑफिसर, पॉवर प्लांट फार्मासिस्ट, केमिस्ट, एएनएम, ट्रेसर, स्टाफ नर्स, लैब टेक्निशियन, रेडियोग्राफर, ईसीजी टैक्निशियन, पब्लिसिटी ऑफिसर, मेडिकल ऑफिसर आदि पद शामिल हैं। भोपाल में होने वाले इस राज्य स्तरीय समारोह में नियुक्ति पत्र पाने वाले युवाओं के परिजनों को भी आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर प्रदेश की विभिन्न बिजली कंपनियों की उपलब्धियों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। साथ ही विद्युत कर्मचारी संगठनों को भी आमंत्रित कर कर्मचारी हितों और उपभोक्ता सेवाओं को लेकर चर्चा भी की जाएगी।

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS **HARJAS MAKKERH** I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS **HARJAS KAUR MAKKERH** D/O DAVINDER SINGH MAKKERH RESIDENT OF FLAT-NO. 302, ANIKA APARTMENT, BEHIND KAILASH AUTOMOBILE, SWAMI DAYANAND SARASWATI WARD, NAPIER TOWN, JABALPUR (M. P.) 482001.

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS **URPIT KAUR MAKKERH** I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS **URPREET KAUR MAKKERH** W/O DAVINDER SINGH MAKKERH RESIDENT OF FLAT NO. 302, ANIKA APARTMENT, BEHIND KAILASH AUTOMOBILE, SWAMI DAYANAND SARASWATI WARD, NAPIER TOWN, JABALPUR (M. P.) 482001.

CHANGE OF NAME

I, ARMY No. 15436948H RANK-HAV NAME PERIYASAMY S S/O SUBRAMANI OF UNIT MH, JABALPUR(M.P.).R/O H.N. 138 MITTAHALLI PUDUR, MITTAHALLI KRISHNAGIRI TAMILNADU PIN-635112. I state that in my Mother, Aadhar card Name **(INDHIRANI)** which is true and correct but in my Army service Record my Mother Name is recorded **(INDRANI)** Which is incorrect. I state that the true and correct Name of my Mother is **(INDHIRANI)** and same Name shall be corrected in my Army service Record.
CORRECT NAME-(INDHIRANI)
INCORRECT NAME-(INDRANI)

गोवर्धन हैं कलयुग में भगवान कृष्ण का साक्षात स्वरूप : स्वामी राम प्रपन्नाचार्य

जबलपुर। लघु काशी पचमठा मंदिर में श्री सदगुरुदेव सेवा समिति के तत्वावधान में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में विगत दिवस श्रीधाम वृंदावन के कथा मनीषी स्वामी राम प्रपन्नाचार्य महाराज ने व्यास पीठ के पूजन अर्चन पश्चात श्रीमद् भागवत कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि भगवान ने पूतना नाम की राक्षसी का उद्धार किया, पूतना अर्थात पाखंड भगवान हमेशा पाखंड का नाश करते हैं, निर्मल मन से ही भगवान को पाया जा सकता है। महाराज श्री ने भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन सुनाते हुए माखन चोरी की लीलाओं का रहस्य बताया, उन्होंने कहा भगवान कृष्ण सब प्राणियों में विद्यमान हैं केवल हमें उन्हें पहचानने की जरूरत है। ललित अग्रहरि द्वारा प्रस्तुत भजन "लगन तुमसे लगा बैठे जो होगा देखा जायेगा..." की शानदार प्रस्तुति सुनकर श्रोतागण खुशी से झूम उठे। मनमोहक कथा प्रारंभ के पूर्व व्यास पीठ का पूजन सुरेंद्र, देवेंद्र, महेंद्र, विराज, तनुष तिवारी ने किया। इस अवसर पर गुरु परिवार के राजेश पटेल, डॉ. अजय फौजदार की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। मंच संचालन राजेश पटेल ने किया।

गड्ढों में तब्दील हुई बरेला से पड़वार रोड

बरेला। नगर से पड़वार की ओर जाने वाली लगभग 10 किलोमीटर की यह रोड वर्तमान में बारिश के कारण पूर्णतया गड्ढों में तब्दील हो गई है। इस रोड में जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं इसके कारण इस रोड पर दु पहिया वाहन चालकों तक का चलना मुश्किल हो गया है। बताया जाता है कि बरेला से पड़वार रोड तक यह रोड पूर्व में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत बनाई गई थी किंतु विगत 1 साल पूर्व यह रोड प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से पी डब्लू डी विभाग को ट्रांसफर कर दी गई है इसके कारण वर्तमान इस रोड के मेंटेनेंस का पूरा दारोम दार पीडब्ल्यूडी विभाग का है किंतु विभाग द्वारा इस रोड पर मेंटेनेंस न किए जाने के कारण यह रोड पूर्णतया गड्ढों में तब्दील हो गई है इसका कारण लोगों को इस रोड पर हिचकोले खाना पड़ रहा है।

शनि अमावस्या पर तिलवारा में हुआ भव्य आयोजन

जबलपुर। भाद्रपद की शनि अमावस्या पर तिलवारा घाट स्थित शनिधाम में भव्य आयोजन किया गया. इस अवसर पर भगवान शनिदेव का पुष्पों से श्रृंगार कर छप्पन भोग अर्पित किये गये. सूर्य, चंद्र मंगल, बुध, गुरु,शुक्र,शनि,राहु,केतु की विशाल झांकी के बीच प्राचीन शनि महाराज के श्रीविग्रह का शनिधाम में विशेष पूजन, शनि महाअभिषेक, दिव्य महा आरती, मथुरा वृंदावन से आये महाराजो द्वारा निर्मित 56 भोग अर्पण किया , एवं दिन भर सरसों तेल से निर्मित भंडारे का आयोजन किया गया। शनि अमावस्या महोत्सव में कलकत्ता से आये गुलाब आरकिड, जरबेरा और कमल, मोगरा, अकौआ के पुष्पों से श्रृंगारित किया गया। इस अवसर पर सतीश महाराज, पं. अनिल मिश्रा, नितिन शर्मा ,सोनू कुररिया,नितिन भाटिया ,संजय तिवारी ,शुभम तिवारी आदि श्रद्धालुओं ने भगवान शनिदेव का तिलाभिषेक किया ।

श्री महेन्दर पाल सिंह सैनी- डिफेंस कॉलोनी सिविल लाइन निवासी श्री महेन्दर पाल सिंह सैनी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती फूलमति बाई झारिया- शारदा चौक मदनमहल निवासी श्री चन्ना लाल झारिया की धर्मपत्नी श्रीमती फूलमति झारिया (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नीलेश मिश्रा- सुदामा नगर आमनपुर मदनमहल निवासी श्री राम कुमार मिश्रा के पुत्र श्री नीलेश मिश्रा (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती कनक सिंह- बंगला नं. 19, तिलहरी निवासी श्री सुरेश कुमार सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती कनक सिंह (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संतोष नायडू- नई बिल्डिंग सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री लक्ष्मण नायडू के पुत्र श्री संतोष नायडू (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री संपत दास बैरागी- टेंडर वन बृजमोहन नगर रामपुर निवासी श्री संपत दास बैरागी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लक्ष्मी बाई हजारिया- दुर्गा नगर रामपुर निवासी श्री रमेश हजारिया की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बाई हजारिया (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री आनंद चंदेल- गोरखपुर पंसारी मोहल्ला निवासी श्री श्रवण कुमार चंदेल के पुत्र श्री आनंद चंदेल (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कंधी केवट- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री कंधी केवट (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- ...से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- ...से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज ...से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362160

विधायक बरकडे ने कहा समस्या का होगा स्थाई समाधान

मिस्पा मिशन रोड़ के सामने में भरे पानी से गुजरकर स्कूल जाने मजबूर सैकड़ों बच्चे

हरिभूमि सिहोरा।

मिस्पा मिशन स्कूल के सामने से होकर मझौली रोड पर मिलने वाली प्रमुख रोड जो वार्ड क्रमांक 6 और 8 से होकर गुजरती है वहां सड़क में पानी भरने से निवास करने वाले लोग और स्कुल जाने वाले छोटे छोटे बच्चे भारी परेशान हैं एक तो बारिस के समय और ऊपर से जीव जंतुओं का खतरा और दुसरा तालाब से निकल कर सड़क पर आ रहे गंदे बरसाती पानी से होकर गुजरने की मजबूरी। लेकिन इस समस्या की ओर ध्यान देने वाला कोई नहीं है। इन्हीं सब समस्याओं से छुटकारा दिलाने क्षेत्रवासियों ने सिहोरा विधायक संतोष बरकडे से भेंट कर ज्ञापन भी सौंपा।

सैकड़ों बच्चे पानी से होकर स्कूल जाने को मजबूर

दुर्दशा की शिकार उक्त सड़क में खासकर बरसात के मौसम में घुटनों तक भरे रहने वाले बदबूदार गंदे पानी से निकलकर मिस्पा मिशन स्कुल के छोटे बड़े सैकड़ों बच्चों सहित अन्य लोगों को जाना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों को हर बरसात में इस कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है और अनेक बार तो उनका घर से भी निकलना बंद हो जाता है।

पानी निकासी की नहीं है समुचित व्यवस्था

उक्त सड़क पर पानी भरने का प्रमुख कारण है कि आधे शहर के गंदे पानी के साथ बरसाती पानी नालियों से होकर एक तालाब में एकत्र हो जाता है और वहां से पानी निकासी की कोई समूचित व्यवस्था न होने से वहीं पानी एकत्र होकर सड़क पर आ जाता है और आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बनता है जबकि आगे पक्का नाला बना है पर उसमें पानी बहुत ही कम जाता है। नगर पालिका को इस विकराल हो रही समस्या को समाप्त करने पुख्ता इंतजाम करना चाहिए।

समस्या का स्थाई समाधान करने बनेगी कार्ययोजना

इस संबंध में जब सिहोरा विधायक संतोष बरकडे से बात की गई तो उनका कहना था उक्त समस्या की जानकारी उन्हें है और वे शीघ्र ही नगर पालिका परिषद अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्रवासियों की इस समस्या का स्थाई समाधान करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के साथ राशी की भी व्यवस्था करेंगे। ज्ञापन देने वालों में सुधीर गौतम, देवेन्द्र कुमार चौबे, सत्येन्द्र उपाध्याय, रजनी चौबे, पवन उपाध्याय, विमलेश खम्परिया, आशीष उपाध्याय, अंकित दुबे, राजेन्द्र उपाध्याय, रचना उपाध्याय, प्रतिमा चौबे सहित अनेक क्षेत्र एंव कालोनी वासी उपस्थित थे।

न्यायालय तहसीलदार, रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्र./620/अ-6/2025-26

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सरिता दीक्षित / श्री महेन्द्र दीक्षित नि.- दर्शन तिराहा के पास बस्ती रोड जबलपुर ने निर्मित रकवा 2100 व.फु. विक्रय पत्र/ हक त्याग/ वसीयतनामा/ दान पत्र/ वारसान हक दिनांक 02/11/1995 मृत्यु दिनांक 20/06/2020 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/ पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल निर्मित रकवा 2100 व.फु./ अवि. ग्राम रांझी खसरा नं. 244/ 2 व 244/3 रकवा 2100 व.फु. हेक्ट. है अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 25/08/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियम दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

इश्तहार आज दिनांक 07/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक 07/08/2025
पेशी दिनांक 25/08/2025

तहसीलदार
रांझी, जबलपुर

जनजातीय परिवारों को सशक्त करने बनेगा तीन लाख आदि कर्मयोगियों का समर्पित संवर्ग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र के जनजातीय परिवारों को सशक्त बनाने और प्रत्येक परिवार को योजनाओं का लाभ देने के लिए तीन लाख आदि कर्मयोगियों का समर्पित संवर्ग तैयार किया जा रहा है। इससे 41 जिलों के 11 हजार 294 जनजातीय बहुल गांवों में रह रहे परिवारों को लाभ होगा। इसका उद्देश्य जनजातीय कल्याण के लिए उत्तरदायी, पारदर्शी और जवाबदेह शासन को बढ़ावा देना है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच है कि विकसित भारत के निर्माण में जनजातीय परिवारों की समान भागीदारी हो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार आदि कर्मयोगी अभियान में शासकीय अधिकारी 'आदि कर्मयोगी' के रूप में, युवा नेता, शिक्षक, डॉक्टर, सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनजातीय कार्यों में रूचि रखने वाले प्रतिबद्ध लोग 'आदि सहयोगी' के रूप में और स्व-सहायता समूह, जनजातीय नेता, स्वयंसेवक, सांस्कृतिक कार्यकर्ता, गांव के निवासी आदि साथी के रूप में जुड़ सकते हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आदि कर्मयोगी अभियान में मप्र में विशेषज्ञ संस्था भारत ग्रामीण आजीविका फाउंडेशन - बीआरएलएफ के जरिए आदि कर्मयोगियों को राज्य, जिला, विकासखंड और ग्राम स्तरीय प्रशिक्षण देकर मास्टर ट्रेनर तैयार किए जा रहे हैं।

41 जिलों के 11294 जनजातीय बहुल गांवों को मिलेगा लाभ

2024 को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ

प्रधानमंत्री मोदी ने 2 अक्टूबर 2024 को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ किया था। केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय की ओर से इस अभियान के तहत प्रधानमंत्री मोदी के मिशन अनुरूप आदि कर्मयोगी अभियान प्रारंभ किया गया है। आदि कर्मयोगी एक राष्ट्रीय मिशन है। इसमें जमीनी स्तर पर शासन-प्रशासन तंत्र तथा सेवाओं को जनजातीय परिवारों के हित में मजबूत बनाया जाएगा। इस अभियान से देश में 20 लाख जिला अधिकारियों एवं अन्य हितधारकों का एक कैडर विकसित हो रहा है। इसमें मप्र के तीन लाख आदि कर्मयोगी शामिल हैं।

सार्वजनिक संस्थानों में विश्वास बढ़ाने का कार्य करेगा

आदि कर्मयोगी अभियान में स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, ग्रामीण विकास, वन, पंचायती राज विभाग और जल जीवन मिशन शामिल हैं। यह अभियान केन्द्र से लेकर विकासखंड स्तर तक जनजातीय विकास के संपूर्ण दृष्टिकोण को बढ़ावा देने और सार्वजनिक संस्थानों में विश्वास बढ़ाने का कार्य करेगा। आदि कर्मयोगी अभियान के प्रथम चरण में देश के 27 राज्यों के 326 जिलों को शामिल किया गया है। इसमें मप्र के 41 जिले शामिल हैं। अभियान अंतर्गत धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए ग्राम स्तर पर अपेक्षित परिणामों में मुख्य रूप से महत्वपूर्ण सेवाओं जैसे आवास, सड़क, पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य में सौ प्रतिशत लक्ष्य हासिल करना है।

ग्राम के विकास का विजन तैयार करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन

आदि कर्मयोगी अभियान की प्रगति की समीक्षा के लिए राज्य, जिला, विकासखंड और ग्राम स्तर पर उत्तरदायी समूह बनाए गए हैं। राज्य स्तर पर मुख्य सचिव जिला स्तर पर संबंधित कलेक्टर और विकासखंड स्तर पर एसडीएम उत्तरदायी समूहों की अध्यक्षता करेंगे। जनजातीय बहुल गांव अब नया परिवर्तन अनुभव करने के लिए तैयार हो रहे हैं। सड़क संपर्क, पक्के मकान, पेयजल, घरेलू बिजली, आयुष्यमान भारत, डिजिटल सेवा जैसी सेवाओं से जनजातीय परिवार अब वंचित नहीं रहेंगे। प्रदेश में आदि सेवा केन्द्र बनाने की भी तैयारी है, जहां शिकायत निवारण रजिस्टर, नोडल अधिकारियों के संपर्क नम्बर और ग्राम के विकास का विजन तैयार करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाएगा।

चार दिवसीय दूसरा सत्र 24 जिलों में शुरु

स्टेट प्रोसेस लैब प्रशिक्षण का चार दिवसीय दूसरा सत्र 23 अगस्त से भोपाल सहित 24 जिलों में शुरू हुआ। प्रथम चरण के 17 जिलों में एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम हुआ। राज्य स्तरीय प्रोसेस लैब प्रशिक्षण के प्रथम चरण में 11 से 14 अगस्त को भोपाल में दो स्थानों पर 17 जिलों के 136 डिस्ट्रिक्ट मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षति किया गया। डिस्ट्रिक्ट प्रोसेस लैब 20 से 22 अगस्त तक चली। इसमें केन्द्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुर्गादास उइके और मध्यप्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने मार्गदर्शन दिया।

खबर संक्षेप

आयुक्त तकनीकी शिक्षा का अभिनंदन

भोपाल। मप्र कर्मचारी मंच के तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रतिनिधिमंडल ने तकनीकी शिक्षा विभाग के आयुक्त अवधेश शर्मा का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शासकीय सेवा के दौरान उत्कर्ष कार्य करने के लिए गोल्ड मेडल से सम्मानित करने पर अभिनंदन किया। प्रतिनिधिमंडल में अशोक पांडे, देवराज विश्वकर्मा, बसंत कटारे, अतुल मिश्र, गेंदा लाल लोधी, लालचंद आहूजा, रंजीत सेन, अनीता गुप्ता, पूजा बाथम आदि कर्मचारी शामिल थे। प्रदेशाध्यक्ष पांडे ने बताया कि शर्मा से दैवेभो कर्मचारियों को पांच माह की बकाया अंतरराशि का भुगतान करने व उच्च न्यायालय के आदेश के पालन की मांग की है। आयुक्त ने आश्वासन दिया कि जल्द ही मंत्री और अधिकारियों से चर्चा कर मांगों का निराकरण किया जाएगा।

खंडेलवाल, हितानंद ने खिलाड़ियों को दी बधाई

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कजाकिस्तान में आयोजित 16वीं एशियाई शूटिंग शॉटगन चैंपियनशिप के जूनियर महिला वर्ग में शॉटगन स्किट शूटर मानसी रघुवंशी को स्वर्ण पदक एवं जूनियर पुरूष वर्ग में ज्योतिरादित्य सिंह सिसौदिया को कांस्य पदक चेन्नई में 64वीं नेशनल स्टेट सीनियर एथिलिट्स चैंपियनशिप में पुरूष वर्ग के 1500 मीटर प्रतियोगिता में अर्जुन वास्कले को कांस्य पदक, श्रीनगर में खेलो इंडिया वाटर स्पोर्टस फेस्टिवल में केनोइंग स्पर्धा महिला वर्ग में निहारिका सिंह एवं चन्द्रकला को स्वर्ण पदक, पुरूष केनोइंग के 1000 मीटर कृष्णा जाट को रजत पदक, महिला केनोइंग में सी 1-200 मीटर प्रतिस्पर्धा में मौसम यादव एवं मयंक को कांस्य पदक एवं अन्य विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी हैं।

भारतीय मजदूर संघ की कार्यकारिणी का शुभारंभ

भोपाल। हम केवल ट्रेड यूनियन ना रहे, पारिवारिक संगठन भी बने। आने वाली नई टेक्नोलॉजी का सही उपयोग कर हर हाथों को काम दिलवाएंगे। यह उद्बोधन शुक्रवार को राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान बरखेडी कला में भारतीय मजदूर संघ की अखिल भारतीय कार्यसमिति का शुभारंभ के अवसर पर अखिल भारतीय अध्यक्ष हिरान्मय पड्या ने दिया। उन्होंने कहा कि समय के साथ हम संभलकर भारत देश को विश्व गुरु बनाकर हमारा भी कर्तव्य निभाते हुए सही योगदान करे। पुराने कार्यकर्ताओं ने जो कीमत चुकाई है उसको याद रखते हुए संगठन को आगे बढ़ाना है। हिरान्मय पड्या ने कहा कि हम सब मिलकर हर स्तर पर सामूहिक निर्णय करें। संगठन के कार्य में 70 वर्ष भी एक पड़ाव है, रुकना नहीं है, थकना नहीं है, आगे बढ़ाना ही है। हर प्रकार की चुनौतियों का सामना करना है। भारतीय मजदूर संघ के मीडिया प्रभारी कमलेश नागपुरे ने बताया कि कार्यसमिति का शुभारंभ हिरान्मय पड्या, महामंत्री रविंद्र हिमते ने किया।

अमेजन प्राइम, जी-5, आईएचएसओएल, ट्रेजर ग्रुप, आईटीसी होटल्स, हिल्टन समूह इच्छुक

पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में 5,000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव

पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा

रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य सरकार को पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में 5,000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इनमें अमेज़न प्राइम, जी-5, आईएचएसओएल, ट्रेजर ग्रुप, आईटीसी होटल्स, हिल्टन समूह आदि के 300 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव शामिल हैं।

आकर्षक निवेश से निसंदेह मप्र में पर्यटन उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। जानकारी के अनुसार इमेजिका वर्ल्ड एंटरटेनमेंट लिमिटेड ने इंदौर में वाटर पार्क के लिए 200 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव दिया है। नीमराना समूह ने चंदेरी के राजा-रानी महल को विकसित करने के लिए 20 करोड़ के

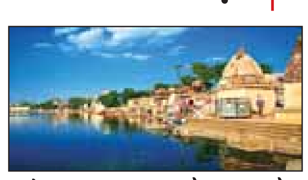

निवेश का प्रस्ताव दिया है। इवॉल्व बैक रिसॉर्ट्स ने पन्ना टाइगर नेशनल पार्क के पास नए वेलनेस रिसोर्ट के लिए 150 करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव दिया है। इंडिगो ने ग्वालियर किले में पर्यटन सुविधाओं में विस्तार का प्रस्ताव दिया। जीआईएस-भोपाल में चंबल में 'बागी म्यूज़ियम' बनाने का सुझाव भी आया। बताया गया कि यह इंग्लैंड के रॉबिन हुड म्यूज़ियम की तरह विकसित किया जा सकता है। यहां चंबल-बैंडिट्स के हथियारों को प्रदर्शित किया जाए, जिससे यह एक अनूठा पर्यटन आकर्षण बने।

भाषाओं और सांस्कृतिक धरोहरों को वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बताया है कि मध्यप्रदेश की नई फिल्म एवं पर्यटन नीति-2025 राज्य को एक प्रमुख पर्यटन एवं फिल्म-निर्माण हब के रूप में स्थापित करने में सहायक होगी। इससे प्रदेश में आर्थिक निवेश, रोजगार, पर्यटन और फिल्म निर्माण को एक नई दिशा मिलेगी। यह नीति राज्य के स्थानीय कलाकारों, भाषाओं और सांस्कृतिक धरोहरों को भी वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाएगी। एमआरएस ग्रुप ने महेंद्र भवन पन्ना, क्योटी किला रीवा, एवं सिंहपुर महल, चंदेरी में लग्जरी बुटीक के लिये 200 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव दिया है। ओबेरॉय होटेल समूह ने राजगढ़ पैलेस, खजुराहो में 450 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव दिया है। हिल्टन समूह जबलपुर एवं भोपाल में 254 कमरों की 2 इकाइयों की स्थापना के लिए 200 करोड़ के निवेश प्रस्ताव दिया है।

जीआईएस-भोपाल से बढ़ेगा होटल पर्यटन उद्योग

जहांनुमा ग्रुप ऑफ होटल्स ने मांडू में नए प्रीमियम होटल की स्थापना के लिए 18 करोड़ रुपए निवेश का प्रस्ताव दिया है। ट्रेजर ग्रुप ने खंडवा में नजरपुरा आईलैण्ड में लग्जरी रिसॉर्ट, दतला पहाड़ खजुराहो के समीप मिनी गोल्फ कोर्ट एवं रिसोर्ट और सांची के पास गोल्फ कोर्ट एवं लग्जरी रिसॉर्ट 600 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव दिए हैं। आईएचसीएल ने विभिन्न नेशनल पार्क, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, एवं पेंच में 5 नई इकाइयों की स्थापना के लिए 1960 करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव दिए हैं। आईटीसी होटल प्राइवेट लिमिटेड ने लुनेरा कासेल, धार और भोपाल में आईटीसी हेरिटेज होटल के विकास के लिए 250 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव दिया है।

जीआईएस-भोपाल से बढ़ेगा क्रूज पर्यटन

अयोध्या क्रूज़ लाइन्स ने 70 करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव मप्र में क्रूज पर्यटन परियोजनाओं के लिए दिया है। नॉलेज माइनिंग एंड इंजीनरिंग वर्क्स लिमिटेड ने भी क्रूज पर्यटन परियोजनाओं के साथ ही हाउस बोट और वाटर-स्पोर्ट्स के लिए 100 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव दिया है। अल्केमी क्रूज़ लाइंस प्राइवेट लिमिटेड की ओर से नर्मदा नदी पर धार जिले के कुक्षी (मप्र) से गुजरात स्थित स्टेचू-ऑफ-यूनिटी तक क्रूज संचालन की योजना बना रही है।

पीआईबी भोपाल ने किया वार्तालाप मीडिया वर्कशॉप का आयोजन

एआईजी सारिका ने कहा: सतर्कता रखने से साइबर धोखाधड़ी से बचा जा सकता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

किसी भी व्यक्ति के साइबर अपराध का शिकार बनने के पीछे मुख्य रूप से डर, लालच या आलस्य में से ही कोई एक वजह होती है। थोड़ी-सी जागरुकता और सतर्कता रखने से साइबर धोखाधड़ी से बचा जा सकता है। शुक्रवार को राजधानी के एक होटल में साइबर सुरक्षा विषय पर आधारित मीडिया वर्कशॉप वार्तालाप के दौरान विशेषज्ञों ने इस विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्टेट साइबर पुलिस मुख्यालय की एआईजी सारिका शुक्ला ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बदलते डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा एक गंभीर चुनौती है और समाज के हर वर्ग को इसके लिए जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने साइबर सुरक्षा पर केंद्रित वार्तालाप को पीआईबी भोपाल की सराहनीय पहल बताया और कहा कि पत्रकारों के माध्यम से यह संदेश आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचेगा। साथ ही कहा कि स्टेट साइबर पुलिस के सहयोग आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य मीडिया प्रतिनिधियों को साइबर सुरक्षा से जुड़े खतरों एवं सावधानियों से अवगत कराना तथा समाज में व्यापक जन-जागरुकता बढ़ाना है।

साइबर ठगी की राशि का आंतकी गतिविधियों में उपयोग: पाठराबे

इस अवसर पर पीआईबी भोपाल के अपर महानिदेशक प्रशांत पाठराबे ने कहा कि डिजिटल लेन-देन बढ़ने के साथ ही ऑनलाइन फ्रॉड भी चिंताजनक स्तर तक बढ़े हैं। वर्ष 2022 से 2024 के दौरान भोपाल के नागरिकों को लगभग 104 करोड़ रुपए का नुकसान ऑनलाइन ठगी के माध्यम से हुआ, जिसमें से केवल 2 प्रतिशत राशि ही रिकवर हो पाई। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध से प्राप्त धनराशि का उपयोग आतंकी गतिविधियों में भी होता है। इसलिए इस विषय पर लोगों की जागरुकता बढ़ाना बहुत जरूरी है। पीआईबी भोपाल के निदेशक मनीष गौतम ने कहा कि दैनिक जीवन में अधिकांश लोग किसी न किसी रूप में साइबर अपराध से प्रभावित होते हैं। चूंकि मीडिया की आसान पहुंच उन तक होती है इसलिए मीडिया प्रतिनिधियों के बीच वर्कशॉप आयोजित करना अधिक प्रभावी और उपयोगी है।

डर, आलस्य और लालच साइबर अपराध के मुख्य कारण: अनुज

साइबर कमांडो अनुज समाधिया ने डिजिटल अरेस्ट एवं साइबर स्लेवरी विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि डर, आलस्य और लालच साइबर अपराध के मुख्य कारण हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के भ्रामक संदेश पर प्रतिक्रिया करने से पहले ठहर कर उसकी वास्तविकता पर विचार करना आवश्यक है। साइबर सुरक्षा प्रशिक्षक अतुल श्रीवास्तव ने सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक सूचनाओं एवं उनसे बचाव पर मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन पीआईबी भोपाल के सहायक निदेशक अजय उपाध्याय ने किया तथा आभार प्रदर्शन सीबीसी भोपाल के उप निदेशक शारिक नूर ने किया।

बच्चों और उनके खिलौने बैलों का त्यौहार है 'पोला'

घर-घर में श्रद्धा और परंपरा के साथ मना पोला त्यौहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बालोद

जिले में पोला त्यौहार की एक अनोखी परंपरा है, जो इसे बाकी जगहों से अलग बनाती है। पोला आमतौर पर किसानों द्वारा खेती में मदद करने वाले बैल और गौवंशीय पशुओं की पूजा का त्यौहार है, लेकिन बालोद में यह इससे कहीं ज़्यादा है।

यहां पोला का त्यौहार बच्चों और उनके खिलौना बैलों का होता है और इसे 'पोरा' कहा जाता है। आज के दिन बालोद जिले में घर-घर बैल की पूजा की जा रही है और बैल सजाओ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है। यह परंपरा मुख्य रूप से बालोद, डौंडीलोहारा, गुरुर और गुण्डरदेही जैसे क्षेत्रों में देखने को मिलती है। इस दिन बच्चे अपने घर के आंगन में मिट्टी और लकड़ी से बने रंग-बिरंगे

खिलौना बैल चलाते हैं, जिन्हें पोरा-पोरी कहते हैं। इस अनोखी परंपरा के पीछे एक दिलचस्प कहानी है। किंवदंती के अनुसार, प्राचीन समय में, इस क्षेत्र के राजा ने अपने साम्राज्य को बढ़ाने के लिए दूर-दराज के युद्धों में सैनिकों को भेजा। इस दौरान, राज्य में खेती और किसानी का काम ठप्प हो गया, जिससे भुखमरी की स्थिति आ गई। जब सैनिकों को यह खबर मिली, तो वे तुरंत वापस आ गए। वापस आने के बाद, उन्होंने देखा कि बच्चे अपनी गायों और बैलों के साथ खेल रहे थे। यह देखकर, उन्हें खेती का महत्व समझ आया और उन्होंने बच्चों को पोला त्यौहार मनाने के लिए प्रेरित किया। इसी घटना को याद करते हुए, बच्चों ने मिट्टी के खिलौना बैल बनाने शुरू किए और यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी चलती रही।

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

शराब घोटाले के आरोपी चैतन्य की जमानत याचिका नामंजूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

शराब घोटाले के आरोप में गिरफ्तार छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। कोर्ट का ये फैसला बघेल परिवार के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। क्योंकि बघेल परिवार जमानत की राह देख रहा था।

प्रवर्तन निदेशालय के वकील सौरभ पांडे ने बताया कि शराब घोटाले में हमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की भूमिका का पता चला और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी पाँच दिन की पुलिस रिमांड आज पूरी हो गई और हमने अदालत से 14 दिन की न्यायिक हिरासत मांगी, जो मंजूर कर ली गई है। अगली सुनवाई 6 सितंबर को है और चैतन्य बघेल जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं।

जन्मदिन के दिन किया था गिरफ्तार

चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाला मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने आरोपी बनाया था। इससे पहले 18 अगस्त को ईडी ने पांच दिन की रिमांड ली थी। इस दौरान चैतन्य बघेल से पूछताछ के बाद शनिवार को फिर से कोर्ट में पेश किया गया। शराब घोटाला मामले में चैतन्य बघेल को उनके जन्मदिन के दिन 18 जुलाई को ईडी ने गिरफ्तार किया था।

चाकू-छुरी रखकर लोगों को धमकाने का आरोप

धारदार हथियारों के साथ चार आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भाटापारा

जिले में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में भाटापारा शहर एवं ग्रामीण थाना क्षेत्र में धारदार हथियार रखने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ आरोपी अपने पास चाकू-छुरी जैसे धारदार हथियार रखे हुए हैं और उनका उपयोग लोगों को डराने-धमकाने में कर रहे हैं। इतना ही नहीं, आरोपी सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर धारदार हथियारों के साथ फोटो भी

अपलोड कर रहे थे, जिससे लोगों में भय का वातावरण बन रहा था। सूचना के आधार पर पुलिस ने दबिश देकर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उन्हें विधिवत गिरफ्तार किया है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, (भ / स) संभाग नरसिंहपुर (म.प्र.)

निविदा सूचना क्रमांक 13 / वर्ष 2025 - 26 / कार्य.यं. **निविदा सूचना** नरसिंहपुर, दिनांक 21/08/2025

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर आई डी	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	कार्य की अनु. राशि (रू. लाख में)	धरोहर राशि	निविदा फार्म की राशि	आमंत्रण क्र.	कार्य समयावधि	भौतिक रूप से लिफाफा प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ. डी. आर. एवं अन्य दस्तावेज)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	2025_PWDRB_410420_6	नरसिंहपुर	बी.टी. रिन्युवल	नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत करेली एवं तेन्दू-खेड़ा रेस्ट हाउस एप्रोच मार्ग लंबाई 0.70 कि.मी. का बी.टी. रिन्युवल कार्य । (छटवॉ आमंत्रण)	13.93	28,000	2,000	छटवॉ आमंत्रण	1 माह वर्षाऋतु रहित	सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करें।
2	2025_PWDRB_410416_2	नरसिंहपुर	रिन्युवल	गोटेगांव उपसंभाग के अंतर्गत गोटेगांव झौतेश्वर कुण्डा मार्ग लंबाई 21.38 कि.मी. का रिन्युवल कार्य । (द्वितीय आमंत्रण)	77.76	78,000	10,000	द्वितीय आमंत्रण	3 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करें।
3	2025_PWDRB_410418_2	नरसिंहपुर	बी.टी. रिन्युवल	नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत देवनगर से परस्ताना मार्ग लंबाई 320 कि.मी. कार्यकारी लंबाई 2.80 कि.मी. का बी. टी. रिन्युवल कार्य । (द्वितीय आमंत्रण)	25.06	50,000	5,000	द्वितीय आमंत्रण	2 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करें।
4	2025_PWDRB_439910_2	नरसिंहपुर	मटेरियल सप्लायर	नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत मुख्यालय नरसिंहपुर हेतु मटेरियल सप्लाई का कार्य । (द्वितीय आमंत्रण)	9.94	20,000	2,000	द्वितीय आमंत्रण	1 माह वर्षाऋतु रहित	सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करें।
5	2025_PWDRB_446092_1	नरसिंहपुर	निर्माण	नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत रानी पिण्डरई से सगौनी खुर्द (लकडहाऊ) मार्ग लंबाई 3.55 कि मी. का निर्माण कार्य ।	275.01	2,75,000	15,000	प्रथम आमंत्रण	06 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करें।
				योग	401.70					

उपरोक्त वेबसाइट आर्नेलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा । निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 01/09/2025, (17.00) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट www.mptenders.gov.in में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा । पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा । मूल धरोहर (ई.एम.डी.) राशि एवं अन्य सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत दिनांक 01/09/2025, (17.30 बजे तक उपरोक्तानुसार संबंधित पोर्टल में प्राप्त की जावेगी।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ / स) - संभाग नरसिंहपुर

G-17656/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

कार्यालय मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी

e-mail : fdpennp.sni@mp.gov.in, url: www.penchtiger.org

क्रमांक/स्टोर/4520 सिवनी/दिनांक/ 19/08/2025

संक्षिप्त निविदा विज्ञप्ति

पेंच टाईगर रिजर्व, सिवनी (म.प्र.) के अंतर्गत वर्ष 2025-26 कार्यालय क्षेत्र संचालक कैंपस, पेंच टाइगर रिजर्व, सिवनी, सीलादेही में लाईन क्वाटर निर्माण कार्य हेतु अनुमानित लागत 37,00,000/- (सैतीस लाख) रुपए हेतु विभिन्न फर्मो से ई-टेण्डरिंग पद्धति के अंतर्गत ऑनलाईन निविदा www.mptenders.gov.in पर Key data and time अनुसार आमंत्रित की जाती है समस्त शर्ते एवं अन्य जानकारी स्टोर शाखा से कार्यालयीन समय में अथवा सर्वपोर्टल www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र.	कार्य का विवरण	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
1	कार्यालय क्षेत्र संचालक कैंपस, पेंच टाइगर रिजर्व, सिवनी, सीलादेही में लाईन क्वाटर निर्माण कार्य	1,11,000.00	5,000.00

Publishing of Tender Date & Time निविदा प्रकाशन की तिथि	25.08.2025. TIME 10.00 AM
Bid Submission Start Date & time निविदादर प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि	26.08.2025. TIME 10.00 AM
Bid Submission Closing Date & time निविदादर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	10.09.2025. TIME 05.00 AM
Bid Opening Date & Time निविदा खोलने की तिथि	12.09.2025. TIME 12.00 AM

उप संचालक
पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी (म.प्र.)

G-17623/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के विदेश मंत्री वांग यी की कूटनीतिक मुलाकात को अमेरिका सहित दुनिया के अनेक मुल्कों द्वारा बड़ी हैरतअंगेज दृष्टि से देखा जा रहा है। सबसे बड़ी हैरत की बात है कि चीन के विदेशमंत्री वांग यी द्वारा पहले भारत का कूटनीतिक दौरा किया गया। उसके तत्पश्चात ही वह पाकिस्तान के दौरे पर गए। पाकिस्तान के ऊपर भारत को प्राथमिकता प्रदान करने वाला यह चीन का कूटनीतिक दृष्टिकोण एकदम अनोखा और नया है। यक्ष प्रश्न है कि अमेरिका के साथ अपने कूटनीतिक और रणनीतिक तनाव के नाजुक दौर में भारत द्वारा क्या चीन पर तहेदिल से यकीन किया जा सकता है? आजादी के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के दौर में हिन्दी-चीनी भाई-भाई का नारा बहुत जोर शोर से बुलंद किया गया, किंतु वर्ष 1962 में भारत पर चीन द्वारा आक्रमण अंजाम देने के तत्पश्चात सरहद पर तल्ख विवाद के कारणवश दोनों देशों के मध्य कूटनीति रिश्ते कभी सामान्य और दोस्ताना नहीं हो पाए। अब ट्रंप के एकतरफ टैरिफ के बाद भारत और चन अपनी ट्रेडकूटनीति को आगे बढ़ा रहे हैं। दोनों देश मिलकर जहां ग्लोबल साउथ को मजबूत कर सकते हैं, वहीं एशिया का नेतृत्व भी कर सकते हैं। भारत, चीन व जापान में नई वैश्विक व्यवस्था गढ़ने का दम है। आजकल के ताजा अंक में पेश है भारत व चीन संबंध पर एक विश्लेषण...

सहयोग का इतिहास रचेंगे हिंदी-चीनी?

ट्रेडकूटनीति

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा थोपी गई आक्रामक टैरिफ के कारण क्या भारत और चीन रणनीतिक और कूटनीतिक तौर पर निकट आ रहे हैं? राष्ट्रपति ट्रंप की खुशफहमी है कि भारत इतना अधिक शक्तिशाली नहीं है कि निर्णायक और प्रभावी तौर पर अमेरिका पर चीन की तर्ज ओ तरीके से पलटवार कर सकेगा। 19 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब चीन के विदेशमंत्री से मुलाकात अंजाम दी तो फिर दुनिया भर के जाने-माने डिप्लोमेट्स का नजरिया भारत के प्रति परिवर्तित होने लगा है। समस्त ऐतिहासिक शत्रुताओं के बावजूद भारत-चीन मित्रता विश्वपटल पर नया भविष्य रच सकती है, बशर्ते चीन द्वारा अपनी विस्तारवादी फितरत का परित्याग कर दिया जाए।

जटिल प्रश्न है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा थोपी गई आक्रामक टैरिफ के कारण क्या भारत और चीन रणनीतिक और कूटनीतिक तौर पर निकट आ रहे हैं? अमेरिका के विदेश मंत्री स्कॉट बेसेंट ने फरमाया कि 27 अगस्त से भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ बाकायदा आयद कर दिया जाएगा। अमेरिका के नीति नियंता भारत को निरंतर धमकियां दे रहे हैं कि रूस से तेल का आयात जारी रखा गया तो फिर भारतीय निर्यात पर टैरिफ दरों को सौ प्रतिशत तक कर दिया जाएगा। यूरोप के कुछ कूटनीतिक विशेषज्ञों का मंतव्य है कि भारत की बहुरेखीय डिप्लोमेटिक रणनीति जबरदस्त तौर पर नाकाम सिद्ध हुई है। बाद में उनकी राय बदली है।

इस कूटनीतिक रणनीति के तहत भारत के लिए सभी देशों का दोस्त बन जाना और सभी के लिए अपरिहार्य बन जाने का उसका मकसद रहा है। लेकिन प्रायः सभी के लिए भारत कहीं अब गैरजरूरी तो नहीं बनता जा रहा है? यहां तक कि ऑपरेशन सिंदूर के काल में अमेरिका और रूस दोनों ने पाकिस्तान और भारत को एक ही तराजू में तोल दिया। चीन से दुश्मनी अंजाम दिए बिना राष्ट्रपति ट्रंप सिर्फ भारत पर ही टैरिफ आक्रमण अंजाम देकर धमकाते और धकियाते रहते हैं, क्योंकि संभावतया राष्ट्रपति ट्रंप इस गलतफहमी के शिकार रहे हैं कि अमेरिका विरुद्ध भारत की खामोशी और ट्रेड समझौता करने की चाहत उसकी कमजोरी है। राष्ट्रपति ट्रंप की खुशफहमी है कि भारत इतना अधिक शक्तिशाली नहीं है कि निर्णायक और प्रभावी तौर पर अमेरिका पर चीन की तर्ज ओ तरीके से पलटवार कर सकेगा। 19 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब चीन के विदेशमंत्री से मुलाकात अंजाम दी तो फिर दुनिया भर के जाने-माने डिप्लोमेट्स का नजरिया भारत के प्रति परिवर्तित होने लगा है।

भारत की वैश्विक कूटनीति

कुछ जाने-माने विशेषज्ञ तो यहां तक कहने लगे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अंदर ऐसी विरल रणनीतिक और कूटनीतिक हिम्मत विद्यमान है, जोकि यूरोपीय यूनियन के लीडरों के पास कदाचित मौजूद नहीं रही। तसव्वुर कीजिए, यदि ऐसा ही रणनीतिक अंदाज यूरोपीय यूनियन ने लीडरान द्वारा रूस-यूक्रेन युद्ध के निदान के लिए रूस के साथ कूटनीतिक मुलाकातें करने की खातिर अख्तियार किया होता तो फिर यूरोपीय यूनियन को रूस-यूक्रेन युद्ध में मध्यस्थता करने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की आवश्यकता कदापि नहीं पड़ती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के विदेश मंत्री वांग यी की कूटनीतिक मुलाकात को अमेरिका सहित दुनिया के अनेक मुल्कों द्वारा बड़ी हैरतअंगेज दृष्टि से देखा जा रहा है। सबसे बड़ी हैरत की बात है कि चीन के विदेशमंत्री वांग यी द्वारा पहले भारत का कूटनीतिक दौरा किया गया। उसके तत्पश्चात ही वह

पाकिस्तान के दौरे पर गए। पाकिस्तान के ऊपर भारत को प्राथमिकता प्रदान करने वाला यह चीन का कूटनीतिक दृष्टिकोण एकदम अनोखा और नया है। यक्ष प्रश्न है कि अमेरिका के साथ अपने कूटनीतिक और रणनीतिक तनाव के नाजुक दौर में भारत द्वारा क्या चीन पर तहेदिल से यकीन किया जा सकता है? आजादी के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के दौर में हिन्दी-चीनी भाई-भाई का नारा बहुत जोर शोर से बुलंद किया गया, किंतु सन् 1962 में भारत पर चीन द्वारा आक्रमण अंजाम देने के तत्पश्चात सरहद पर तल्ख विवाद के कारणवश दोनों देशों के मध्य कूटनीति रिश्ते कभी सामान्य और दोस्ताना नहीं हो पाए।

चीन की बुनियादी फितरत में विस्तारवाद

सन् 1949 में कम्युनिस्ट इंकलाब के बाद से ही चीन की बुनियादी फितरत बाकायदा विस्तारवादी अंदाज में निरंतर कायम बनी रही। सबसे पहले चीन ने 1959 में अनाधिकृत तौर पर तिब्बत पर आधिपत्य स्थापित किया। इसके बाद चीन ने लद्दाख के कुछ क्षेत्रों और अरुणाचलम (नेफा) पर अपने स्वामित्व का दावा पेश किया। 35000 स्क्वायर किलोमीटर क्षेत्र के अक्साई चिन इलाके पर चीन का अनाधिकृत आधिपत्य कायम बना रहा। वर्ष 2020 में गलवान घाटी में रक्तरंजित सैन्य झड़प तत्पश्चात भारत-चीन संबंधों में फिर से एक खराब दौर आया, किंतु तभी से दोनों मुल्कों द्वारा परस्पर संबंधों सामान्य स्थिति में लाने की खातिर निरंतर सैन्य और कूटनीतिक वार्ताएं जारी रखी गई हैं। भारत-चीन संबंधों में तल्खी और तनाव का एक कारण क्वाड गठबंधन भी रहा है जिसे चीन अपने विरुद्ध एक अमेरिकन गठजोड़ के तौर पर देखता है। चीन द्वारा अमेरिकन टैरिफ के बरखिलाफ सबसे सशक्त आवाज बुलंद की गई और राष्ट्रपति ट्रंप को उनकी भाषा में सख्त प्रतिउत्तर पेश कर दिया। विदेशमंत्री वांग यी की भारत यात्रा को चीन के मीडिया द्वारा अत्यंत प्रमुखता के साथ पेश किया गया। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ चीनी विदेश मंत्री द्वारा सीमा विवाद पर महत्वपूर्ण चर्चा अंजाम दी गई।

रणनीतियों में आएगा बुनियादी बदलाव

चीन के कूटनीतिक हल्कों में जोरदार चर्चा है कि डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक टैरिफ नीतियों के मद्देनजर भारत और चीन वस्तुतः अपनी रणनीतियों में अब बुनियादी बदलाव करना चाहते हैं और वांग यी की भारत यात्रा इसी व्यापक कूटनीतिक पहल का एक महत्वपूर्ण कदम है। चीन के जाने-माने डिप्लोमेट्स गुआंग का भी विचार है कि भारत और चीन के मध्य ताकतवर कूटनीतिक ताल्लुकात यकीनन ग्लोबल साउथ के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि ग्लोबल साउथ टर्म का इस्तेमाल एशिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के विकासशील देशों के समूह के लिए किया जाता है। आखिर वांग यी की भारत यात्रा से ठोस उपलब्धि क्या हासिल हुई? इसके उत्तर में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ मिंग ने फरमाया कि चीन और भारत अनेक जटिल विवादित प्रश्नों को लेकर ठोस सहमति पर तकरीबन पहुंच चुके हैं। दोनों देशों के समक्ष सबसे जटिल प्रश्न है कि वैश्विक चुनौतियों का मिलकर सामना कैसे किया जाए और किसी भी मुल्क के धौंस और दबाव की रणनीति का कारगर एवं समुचित विरोध करने के लिए किस तरह एकजुट हुआ जाए। विश्वसनीय कूटनीतिक सूत्र यह भी बयान करते हैं कि सीमा क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए भी दोनों देशों ने अपनी सहमति व्यक्त की है। भारतीय कूटनीति सूत्रों ने दावा पेश किया कि चीन द्वारा भारत के ऊपर आयद किए गए अर्थ निर्यात नियंत्रण समाप्त कर दिए गए हैं। आधिकारिक तौर पर इस तथ्य की हालांकि बाकायदा पुष्टि नहीं हो पाई है।

उल्लेखनीय है कि चीन द्वारा भारत को कुल फर्टिलाइजर्स का लगभग 30 प्रतिशत सप्लाई कराया जाता रहा है। ऑटोमोबाइल कॉम्पोनेंट्स के लिए अर्थ एलिमेंट्स और सड़क और शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए जरूरी टनल बोरिंग मशीन भी चीन द्वारा भारत को निर्यात किए जाते हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ मिंग ने दावा पेश किया कि भारत ने ताइवान को चीन का अभिन्न अंग निरूपित किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि ताइवान के साथ आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक संबंधों को पहले की तरह जारी रखा जाएगा। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने तिब्बत में यारलुंग सांगपो नदी, जिसे भारत में ब्रह्मपुत्र नदी कहा जाता है, के निचले इलाके पर चीन द्वारा निर्मित किए जा रहे मेगा डैम के निर्माण को लेकर भारत की गहन चिंताओं को चीन के विदेशमंत्री वांग यी के समक्ष पेश किया। वस्तुतः चीन के विदेशमंत्री वांग यी की भारत यात्रा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 31 अगस्त और 1 सितंबर को शंघाई कॉआपरेशन आर्गेनाइजेशन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भागीदारी की तैयारी के संदर्भ में देखा जा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के तकरीबन 100 देशों के विरुद्ध टैरिफ जंग शुरू की है। ट्रंप द्वारा टैरिफ आक्रमण में भारत को बख्शा नहीं गया है। इसके बावजूद कि विगत 25 वर्षों के दौर में भारत बेहद करीबी संबंध अमेरिका के साथ स्थापित कर चुका है। भारत यकीनन अत्यंत विवश होकर अमेरिकन प्रशासन के विरुद्ध सीधे टकराव की स्थिति में आ गया है, क्योंकि भारत द्वारा रूस से तेल खरीदारी खत्म करने से स्पष्ट तौर पर इनकार कर दिया गया है। इस वक्त भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के महत्व को बाकायदा समझ रहा है। भारत चीन के साथ संबंध सुधारने की अत्यंत संजीदा कोशिश अंजाम दे रहा है, ताकि विश्व पटल पर भारत को रणनीतिक गुंजाइश और नीतिगत लचीलापन हासिल हो सके। भारत अब अमेरिका द्वारा प्रदान किए गए जबरदस्त झटके के बाद ग्लोबल साउथ के बाजारों की तरफ नजर डाल रहा है, ताकि भारत को निर्यात के लिए अमेरिका के बाजारों पर निर्भर नहीं रहना पड़े।

ट्रंप से यूरोपीय यूनियन के लीडर भी आहत

इन दिनों तक अमेरिका के आक्रामक व्यवहार से यूरोपीय यूनियन के लीडर भी बहुत आहत हुए, जिनके साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इनफीरियर देशों की तरह से व्यवहार किया है और जबरदस्त आर्थिक नुकसान भी पहुंचाया है। उल्लेखनीय है कि विगत अनेक दशक से यूरोप वस्तुतः अमेरिका का पिछलग्गू बना रहा है। यूरोपीय यूनियन के अनेक बड़े लीडर तल्ख एहसास से गुजर रहे हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप तो रूस के साथ अपने संबंधों को बेहतर बना रहे हैं किंतु यूरोप ने रूस के साथ अपने संबंधों को बिगाड़ कर अपना बहुत अधिक आर्थिक नुकसान किया है। यूरोपीय यूनियन के लोग गहनता से महसूस करते हैं कि चीन के प्रति भारतीयों के मन में जिस तरह का शत्रु भाव व्याप्त रहा है, इस तरह का शत्रुतापूर्ण भाव यूरोप में रूस के विरुद्ध लेकर कदाचित विद्यमान नहीं रहा है, अर्थात भारत के लिए एक दोस्त के तौर पर चीन के साथ पेश आना, वस्तुत यूरोप की तुलना में राजनीतिक और कूटनीतिक तौर पर कहीं ज्यादा मुश्किल रहा है, किंतु भारत ने यह कूटनीतिक करनामा कर दिखाया है, किंतु यूरोप अभी भी एक तरह से रूस के साथ अपने डिप्लोमेटिक ताल्लुकात को लेकर कन्फ्यूज्ड भाव में डगमगा रहा है।

अब तो अमेरिका प्रशासन ने विश्व पटल पर ऐसे विकट हालात उत्पन्न कर दिए हैं कि भारत और चीन यदि निकट सहयोग नहीं करेंगे तो फिर गहन आर्थिक संकट के दलदल में धंस जाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विगत कार्यकाल में चीन के विरुद्ध ट्रेड वॉर का बिगुल बजाया गया था किंतु राष्ट्रपति ट्रंप के वर्तमान कार्यकाल में तो भारत को भी ट्रेड वॉर का निशाना बना दिया गया। समस्त ऐतिहासिक शत्रुताओं के बावजूद भारत-चीन मित्रता विश्वपटल पर नया भविष्य रच सकती है, बशर्ते चीन द्वारा अपनी विस्तारवादी फितरत का परित्याग कर दिया जाए। नए वर्ल्ड ऑर्डर की उम्मीद लगा सकते हैं।

एससीओ में दिखना चाहिए भारत का प्रभाव

विश्लेषण

सुनील अमर

वरिष्ठ स्तंभकार

चीन के त्यानजिन में 31 अगस्त को होने जा रही शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ की बैठक, अमेरिकी दखलअंदाजी से बदले हुए अन्तरराष्ट्रीय माहौल के कारण अहम बन गयी है। इसी कारण दुनिया भर के राजनीतिक पर्यवेक्षकों व कूटनीतिज्ञों की निगाहों का केन्द्र बिन्दु बनी हुई है। भारत के प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी भी इस बैठक में भाग लेंगे। पीएम मोदी के इस बैठक में भाग लेने को चीन काफी गम्भीरता से ले रहा है और माहौल को पॉजिटिव बनाने के लिए कई स्तर के प्रयास कर रहा है। नई दिल्ली आये चीनी विदेश मन्त्री ने अपने भारतीय समकक्ष से मुलाकात कर न सिर्फ आशाजनक बयान दिये हैं बल्कि सार्थक क्रियान्वयन करने का एक खाका भी खींच गए हैं। अरसे से स्थगित वीजा और हवाई सेवायें शुरू की जा रही हैं। दोनों तरफ से बने हुए इस खुशनुमा माहौल का क्या नतीजा निकलेगा, यह तो एक सितम्बर के बाद ही पता चलेगा।

चीन द्वारा लगातार पाकिस्तान का समर्थन करने के कारण चीनी प्रभुत्व वाले एससीओ से भारत को कभी भी ज्यादा उम्मीदें नहीं रही हैं। वैसे तो एससीओ का गठन वर्ष 2001 में ही हो गया था लेकिन भारत और पाकिस्तान इसमें वर्ष 2017 में शामिल हुए। असल में सोवियत संघ के विखण्डन के बाद बने देशों में सीमा और अन्य तरह के विवाद हो रहे थे तो उनको एक मंच पर लाकर बात करने के लिए वर्ष 1996 में शंघाई फाइव नाम से एक संगठन बनाया गया जिसमें रूस और चीन के अलावा तत्कालीन सोवियत संघ से आजाद हुए कजाकिस्तान, किर्गिस्तान व ताजिकिस्तान देश शामिल थे। बाद में इसी को विस्तार देते हुए एससीओ बनाया गया जिसमें आज नौ देश शामिल हैं।

एससीओ से सार्थक उम्मीद नहीं

इस संगठन में चीन का ही प्रभुत्व है। ध्यान देना होगा कि बीते जून माह में एससीओ देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक थी, जिसमें भाग लेने गये भारतीय रक्षा मन्त्री ने वहां जारी साझा बयान को मानने और हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था। भारत को आपत्ति थी कि एससीओ दोहरा मापदण्ड अपना रहा है। बयान में पाकिस्तान में हुए जाफर एक्सप्रेस आतंकवाद काण्ड की तो निन्दा की गयी थी लेकिन भारत के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र भी नहीं किया गया था। भारत को इस संगठन से कभी भी कोई सार्थक उम्मीद नहीं रही है क्योंकि यह मुख्य रूप से चीन और रूस के हितों की पूर्ति के लिए बनाया गया है। यही कारण है कि इस संगठन की आधिकारिक भाषा भी रुसी और चाइनीज ही है। भारत ने सुझाव दिया था कि इसमें अंग्रेजी को भी शामिल किया जाय लेकिन चीन नहीं माना।

ट्रंप के व्यापार युद्ध का असर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ ग्रहण करते ही मानों व्यापार युद्ध सा छेड़ दिया है। उन्हें शायद लगता है कि वे अमेरिका की हर समस्या को अन्य देशों पर व्यापार कर यानी टैरिफ थोप कर हल कर लेंगे। उनके इस व्यापार युद्ध का ही असर है कि चीन इस बार एससीओ की बैठक के लिए भारत के प्रति दुर्लभ किस्म की विनम्रता

दिखा रहा है। भारत में चीन के राजदूत सू फ्योंग ने जहां कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी का एससीओ बैठक में भाग लेना 'अत्यन्त महत्वपूर्ण' होगा और इसे सफल बनाने के लिए भारत और चीन के अधिकारियों का एक समूह लगातार काम कर रहा है। वहीं, अपने हालिया भारत दौरे पर आये चीनी विदेश मन्त्री वांग यी ने तो भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल व विदेश मन्त्री एस जयशंकर से हुई वार्ता के बाद यहां तक कह दिया है कि दोनों देशों के बीच सीमा आदि के विवाद को सुलझाने के लिए दस सूत्रों पर सहमति बनी है और जिस पर काम करने के लिए दोनों तरफ से दो-दो ग्रुप बनाये जाएंगे, जो विवाद निपटाने व सीमा प्रबन्धन का कार्य देखेंगे।

ध्यान रहे कि चीन के साथ भारत की सबसे बड़ी समस्या दशकों पुराना युद्ध स्तरीय सीमा विवाद ही है। एससीओ में भाग लेने जा रहे प्रधानमन्त्री मोदी के एजेन्डे के लिए यद्यपि राजनीतिक, कूटनीतिक और राजनयिक स्तर पर तैयारियां चल रही हैं फिर भी कुछ खास और जाने-सुने मुद्दे हैं जिन पर वहां उनके बात करने की संभावना बन सकती है। सात वर्षों बाद भारतीय प्रधानमन्त्री की चीन यात्रा का सबसे बड़ा उद्देश्य तो यही होगा कि दोनों देशों के बीच खत्म हो चुके आपसी भरोसे को फिर से बहाल किया जाए। इस दौरान लगभग ढाई दर्जन बार हो चुकी बेनतीजा सीमा सम्बन्धी द्विपक्षीय वार्ताओं को अब किसी सिरे तक पहुंचाने की कोशिशें हों। इसके अलावा रेयर अर्थ यानी दुर्लभ खनिज, उर्वरक, फार्मा व इलेक्ट्रानिक वस्तुएं, सुरंग बनाने की मशीनें, कृषि क्षेत्र व वैकल्पिक ऊर्जा आदि बातचीत के विषय हो सकते हैं।

आतंकवाद व अलगाववाद जैसी समस्या से निपटना एससीओ की स्थापना का घोषित लक्ष्य है। देखना होगा कि इस बार चीन इस पर क्या रवैया अपनाता है। भारत यद्यपि ब्रिक्स व क्वाड जैसे अन्य कई बड़े अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है, फिर भी चीनी प्रभुत्व के बावजूद एससीओ का उसके लिए महत्वपूर्ण है कि इससे मध्य एशिया की एनर्जी मार्केट में सीधा दखल तथा सुरक्षा सहयोग के अलावा क्षेत्रीय प्रभाव भी बनता है। इसके अलावा एससीओ देशों को मिलाकर लगभग 60 प्रतिशत यूरेशिया बनता है जिसमें तीन अरब से अधिक की विश्व आबादी रहती है। इसमें भारत, चीन, रूस और पाकिस्तान जैसे परमाणु सम्पन्न देश भी हैं। एससीओ में बातचीत का एक महत्वपूर्ण विषय व्यापारिक मार्गों की सुगमता का हो सकता है।

बेहतर कनेक्टिविटी की चर्चा

इस सम्बन्ध में भारत अन्तरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण ट्रांसपोर्ट कॉरीडोर जिसे संक्षेप में आईएनएसटीसी कहा जाता है पर बेहतर कनेक्टिविटी यानी मार्ग संयोजन की चर्चा कर सकता है। यह लगभग 7200 किमी का समुद्र, सड़क और रेल मार्गों से बनने वाला रास्ता है और जिससे हिन्द महासागर, फारस की खाड़ी, कैस्पियन सागर और यहां से फिर रेल व सड़क मार्ग से रूस के सेंट पीटर्सबर्ग होकर उत्तरी यूरोप जुड़ता है। इस मार्ग से समय व धन की बचत होती है। एससीओ में भारत इस बात को भी प्रमुखता से रख सकता है कि इसे रूस-चीन का सुरक्षा कवच वाला संगठन बनाये रखने के बजाय सदस्य देशों के बृहत्तर उद्देश्यों के लिए विस्तारित किया जाए।

संभावना तो इस बात की ज्यादा है कि चीन घुमा-फिराकर अपने व्यापारिक लाभ की बातों को ही आगे रखेगा फिर भी कुल मिलाकर उम्मीद यही रखनी चाहिए कि भारत ने जो तेवर एससीओ रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में बयान पर दस्तखत करने से इनकार करके तथा भारतीय विदेश मन्त्री ने 'जो देश आतंकवाद फैलाने में सहायता करेगा उसे इसकी कीमत चुकानी होगी' जैसा बयान देकर भारत की मजबूती को दिखाया है, वही दशा-दिशा और संप्रभुता आगामी एससीओ सम्मेलन में भारत की बनी रहेगी।

ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करे भारत-चीन

विमर्श

शंभू भद्रा

वरिष्ठ पत्रकार

मौजूदा वक्त में दुनिया में अनेक स्तर पर हलचल है। इसके केंद्र में अमेरिका है, खासकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। उन्होंने सबसे अदावत की ठान रखी है। भारत व चीन समेत 90 से अधिक मुल्कों पर ट्रंप के एकतरफा टैरिफ के ऐलान से वैश्विक रिश्ते रिशेप ले रहे हैं। देश अमेरिका के विकल्प तैयार कर रहे हैं। भारत और चीन तेजी से करीब आ रहे हैं।

यूं तो चीन के साथ रिश्ते सामान्य करने का प्रयास भारत ने ट्रंप 2.0 आने से पहले वर्ष 2024 में ही शुरू कर दिया था, लेकिन ट्रंप के अनुचित टैरिफ के बाद चीन ने भी भारत से ट्रेडकूटनीति को मजबूत करने की कोशिश तेज कर दी है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की चीन यात्रा, चीनी विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा, इस दौरान दुर्लभ खनिजों की बंद आपूर्ति को शुरू करने के साथ उर्वरक व टनल खुदाई मशीन देने पर सहमति और 31 अगस्त व 1 सितंबर को दो दिवसीय शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में पीएम नरेन्द्र मोदी के भाग लेने व उनकी चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ प्रस्तावित बैठक इन्हीं कोशिशों की कड़ी हैं। भारत एक साथ ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, चीन, रूस व ब्राजील से अपने संबंध मजबूत कर रहे हैं। पश्चिम एशिया, खाड़ी देश, अफ्रीकी संघ, लैटिक अमेरिकी देश और आसियान देशों के साथ भी भारत के रिश्ते बेहतर हैं। इसमें सबसे अहम भारत व चीन के उतार-चढ़ाव वाले रिश्ते हैं।

दूरदृष्टि का दे रहे परिचय

बेशक वांग यी की यात्रा के बाद चीन व भारत के संबंध को लेकर बीजिंग व नई दिल्ली में अलग-अलग विश्लेषण व नजरिया है, लेकिन दोनों मुल्क दूरदृष्टि का परिचय दे रहे हैं। भारत व चीन के संबंध भविष्य में क्या आकार लेंगे, कहना कठिन है, कारण चीन की विस्तारवादी नीतियां, पाकिस्तान के साथ दोस्ती व भारत के साथ सीमा विवाद राह के रोड़े हैं। भारत के साथ सामान्य संबंध चीन के रुख पर निर्भर करेगा, पर अभी ट्रंप टैरिफ की वजह से अगर दोनों देश नजदीक आ रहे हैं तो भी यह बहुध्रुवीय विश्व में नई उम्मीद को मजबूत कर रहे हैं। भारत के लिए अमेरिका का रिप्लेसमेंट चीन नहीं है, लेकिन भारत अपने हितों से कभी समझौता भी नहीं करेगा। भारत को लेकर अमेरिकी प्रशासन की भाषा अपमानजनक सरीखी है, जिसे भारत कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। हाल में भारत ने रूस व चीन के साथ बेहतर तालमेल बढ़ा कर अमेरिका को संदेश दे दिया है कि ट्रंप के तरीके नामंजूर हैं।

पश्चिम पर निर्भरता कम होगी

भारत को अगर अपने ग्लोबल साउथ के आइडिया को अमलीजामा पहनाा है, तो उसमें चीन, जापान व ब्राजील का साथ जरूरी है। भारत, चीन, ब्राजील व जापान मिलकर ग्लोबल साउथ को नई दिशा दे सकते हैं। ये सभी मुल्क तकनीक, संसाधन और बाजार के साथ सामरिक ताकत से लैस हैं। इससे पश्चिम पर निर्भरता कम होगी। भारत को एशिया की मजबूती और शांति की दिशा में भी काम करना चाहिए। एशिया में देशों के बीच संघर्ष, अविश्वास व दुश्मनी पश्चिमी

हथियार बाजार को खाद-पानी देते हैं। एशियाई देशों में अगर यह समझ विकसित हो जाए कि आपसी टकराव के बजाय सहअस्तित्व व सहयोग से इस साधन संपन्न सबसे बड़े महादेश को शक्तिशाली, आत्मनिर्भर और खुशहाल बनाया जा सकता है, तो हथियार की होड़ रुक सकती है, जिससे पश्चिम का दबदबा खत्म हो सकता है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के मुताबिक, 2014 से 2024 के बीच भारत के आयात परिदृश्य पर चीन का प्रभुत्व और अधिक बढ़ गया है। इरिथ्रोमाइसिन, सिलिकॉन वेफर्स, फ्लैट पैनल डिस्प्ले, सौर सेल, लिथियम आयन बैटरियां, दुर्लभ खनिज खासकर मैग्नेट के लिए भारत चीन पर निर्भर है। इस कारण चीन संकट के समय भारत के खिलाफ माल आपूर्ति को रोक कर ढाल बनाता है। भारत को इस स्थिति से उबरना है। भारत को चीन पर दबाव भी बनाना होगा कि वह भारतीय उत्पादों के लिए अपना बाजार खोले, व्यापार संतुलन की खाई को पाटे। द्विपक्षीय व्यापार में भारत की हिस्सेदारी दो दशक पहले के 42.3 प्रतिशत से घटकर आज केवल 11.2 प्रतिशत रह गई है। चीनी विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा को व्यापक रूप से प्रधानमंत्री मोदी की निर्धारित तियानजिन एससीओ शिखर सम्मेलन यात्रा की तैयारी के रूप में देखा जा सकता है। चीन अगर भारत का भरोसा जीतना चाहता है तो, उसे अधिक पहल करनी होगी। भारत व चीन के बीच सहयोग के कई क्षेत्र हैं। आयुर्वेद, योग और भारतीय शास्त्रीय कलाओं में चीन की रुचि बढ़ रही है।

पर्यटन, तीर्थयात्रा में वृद्धि हो रही है। भारतीय स्टार्टअप्स प्रमुख चीनी फंडिंग को आकर्षित कर रहे हैं। बुनियादी ढांचे और हाई-स्पीड रेल के क्षेत्र में चीन की उन्नत जानकारी भारत के औद्योगिक विकास के लिए लाभकारी है। भारत और चीन ब्रिक्स, एससीओ, जी-20, एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआईआईबी) और न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) में सहयोग कर वैश्विक दक्षिण एकजुटता, बहुध्रुवीयता और जलवायु कूटनीति को बढ़ावा दे रहे हैं। चीन भारत के अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) का समर्थन करता है। दोनों देश पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए कार्बन टैरिफ और वैश्विक जलवायु शासन में अंतर्निहित असमानताओं के बारे में गहरी चिंताएं साझा करते हैं। भारत-चीन संबंध धीरे-धीरे सीमाई स्थिरता, व्यापार और सामरिक संवाद के माध्यम से रचनात्मक सहभागिता की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन सीमा विवाद, अक्साई चिन के 38,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर अवैध चीनी कब्जा, अरुणाचल प्रदेश के 90,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को 'दक्षिण तिब्बत' बताकर चीनी दावा, देपसांग और चार्डिंग-निंगलुंग नाला जैसे टकराव वाले अनसुलझे बिंदु, डोकलाम गतिरोध (2017) और गलवान घाटी संघर्ष (2020), पीओके से होकर चीन का चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपेक), चीन का ब्रह्मपुत्र और सतलुज जैसी नदियों पर नियंत्रण, चीनी विस्तारवाद, पाकिस्तान के साथ सैन्य सहयोग आदि भारत व चीन के रिश्ते की राह में बाधाएं हैं।

प्रतिरोधक क्षमता मज़बूत बनाएं

चीन वैश्विक मंचों पर भारत की न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप (एनएसजी) सदस्यता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थायी सीट की आकांक्षाओं में बाधा डालता है। फिर भी विश्वास-निर्माण उपायों, सामरिक स्वायत्तता, क्षेत्रीय सहयोग तथा वैश्विक बहुध्रुवीय सहभागिता के संयोजन से एक स्थिर, सहयोगपूर्ण व भविष्यन्मुखी द्विपक्षीय संबंध की राह प्रशस्त की जा सकती है। भारत को स्मार्ट सीमा अवसंरचना, आईएसआर (खुफिया, निगरानी एवं टोही) तकनीकों तथा पर्वतीय युद्ध की तैयारी में निवेश कर अपनी विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता को मज़बूत बनाना चाहिए।

प्रशासन की मौजूदगी में मनाया गया गोटमार पर्व, तैनात रही पुलिस

गोटमार मेले में 1000 से ज्यादा घायल, 2 रेफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पांढुर्णा

आज यहां संपन्न विश्वविख्यात गोटमार मेले में पत्थरबाजी के चलते पांढुर्ना और सावरगांव दोनों पक्षों के 1000 से अधिक लोग घायल हो चुके है। दोपहर 3 बजे तक 300, शाम 6 बजे तक 600 और 7 बजे के बाद घायलों का आंकडा 1000 पार हो चुका था। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार भाऊराव धुर्वे निवासी ग्राम नीलकंठ के पैर की हड्डी टूटी और निलेश जानराव निवासी पांढुर्णा के कंधे की हड्डी टूटी गई। इन दोनों गंभीर घायलों को नागपुर रिफर कर दिया है। आज पांढुर्ना के खिलाडी शाम 7 बजे तक झंडा तोडने में असफल रहे। इसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों की पहल पर पांढुर्ना और

सावरगांव की शांति समिति सदस्यों की बार बार समझाईश और कोशिश पर दोनों पक्ष सहमत हुए और झंडा पांढुर्ना पक्ष को सौंपा गया। दिनभर आसमान में काले बादल और सुबह से ही बारिश की लुकाछिपी की वजह से सुरज निकला ही नहीं। इस कारण सावरगांव के खिलाडियों को तेज धूप का सामना नहीं करना पडा और उन्होंने पांढुर्नावासियों को झंडा नहीं ले जाने दिया। हालांकि दो तीन बार पांढुर्ना के खिलाडियों ने झंडे पर कुल्हाडी से गहरे आघार किए लेकिन पत्थरों की तेज बौछार के बीच उन्हें खाली हाथ लौटना पडा।

जिला प्रशासन की ओर मेले में सुरक्षा हेतु 600 पुलिस जवान, 58 डॉक्टर, 200 मेंडिकल सहायक स्टाफ तथा 6 अस्थाई स्वास्थ्य केंद्र बनाए गए और क्षेत्र में धारा 144 लागू की गई थी।

सूचना देने वाला ही निकला मुख्य आरोपी, मामला गढ़ी थाना का

दो भाइयों ने दादी की कर दी हत्या

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट में एक दादी की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके दो पोतों और एक साथी को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी सुनील धुर्वे ने अपनी 65 वर्षीय दादी गौथरिनबाई धुर्वे की कुल्हाड़ी से हत्या की थी।घटना 9 अगस्त की है। सुनील धुर्वे ने खुद थाने में जाकर दादी के लापता होने की सूचना दी थी। जब पुलिस ने घर की जांच की तो गौथरिनबाई का शव खून से लथपथ मिला। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर पर गंभीर चोट से मौत की पुष्टि हुई।गढ़ी थाना प्रभारी भूपेन्द्रसिंह ने बताया है कि पूछताछ में सामने आया कि सुनील और उसके भाई ने ट्रैक्टर खरीदा था। वे किश्त नहीं चुका पा रहे थे। दादी से कई बार रुपए मांगे, लेकिन उन्होंने मना कर दिया।घटना वाली रात सुनील बाइक से दादी के घर गया। एक बार फिर रुपए की मांग की। दादी के मना करने पर उसने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। आरोपी के दिव्यांग भाई राजकुमार धुर्वे और साथी सुनील कुशरिया ने साक्ष्य छिपाने में मदद की।पुलिस ने तीनों आरोपियों को बैहर न्यायालय में पेश किया। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी और अन्य साक्ष्य बरामद कर ली है। मुख्य आरोपी सुनील 34 वर्षीय है, उसका भाई राजकुमार 28 वर्षीय और साथी सुनील कुशरिया 27 वर्षीय है।

बिजली लाइन पर काम करते वक्त ऑउटसोर्स कर्मचारी झुलसा

रीवा।

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अंतर्गत उमरी रीठी गांव में कार्य के दौरान एक आउटसोर्स कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गया। यह हादसा उस समय हुआ जब कर्मचारी चंद्रपाल बिजली लाइन पर कार्य कर रहा था। झुलसने के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए उसे तत्काल संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया। वर्तमान में उसका इलाज जारी है। जैसे ही इस हादसे की सूचना विंध्य आउटसोर्स कर्मचारी संगठन को मिली, संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश पांडे, प्रदेश सचिव सतीश चौबे, जिला अध्यक्ष अजय तिवारी तथा बिजली विभाग के सहायक यंत्री अंशुल नारायण मौके पर पहुंचे। बड़ी संख्या में आउटसोर्स कर्मचारी भी अस्पताल में इकट्ठा हो गए और नाराजगी जताई। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में आए दिन आउटसोर्स कर्मचारी दुर्घटनाओं के शिकार हो रहे हैं। कई ने तो जान तक गंवाई है, लेकिन सरकार या विभाग की ओर से कोई ठोस सहायता या सुरक्षा व्यवस्था मुहैया नहीं कराई जाती। कर्मचारियों का आरोप है कि आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ दोहरा मापदंड अपनाया जा रहा है। जहां एक ओर ये कर्मचारी दिन-रात जान जोखिम में डालकर सेवाएं दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकारी भर्तियों में इन्हें कोई प्राथमिकता या छूट तक नहीं दी जा रही है। सरकार की नीतियों में सुधार की जरूरत है। हमसे काम तो सरकारी कर्मचारी की तरह लिया जाता है, लेकिन सुविधाएं नहीं दी जातीं। संगठन ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही आउटसोर्स कर्मचारियों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो प्रदेश स्तर पर आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी।

जलप्रपात में डूबने से दो युवकों की मौत

सतना। उचेहरा के परसमनियां पठार स्थित राजाबाबा जलप्रपात में डूबने से दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों युवक कल अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गए थे,तभी नहाते समय यह हादसा हुआ। पुलिस ने दोनों युवकों के शव बरामद कर परिजनों को सौंप दिए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, उचेहरा के पिपरी कला से 8 युवक पिकनिक मनाने गए थे। शाम को जलप्रपात में नहाते समय अचानक 2 युवक गहरे पानी में चले गए,जिससे वे डूब गए। घटना की सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक प्रीतम सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान चलाया। पुलिस के रेस्क्यू ऑपरेशन में बालकृष्ण कुशवाहा और आयुष कुशवाहा का शव पानी से बाहर निकाला गया। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शवों को उनके परिवार वालों को सौंप दिया।बताया गया है कि 6 अन्य युवक सकुशल अपने घर लौट आए हैं,जिनमें कुसुमलाल कुशवाहा, पुष्पराज कुशवाहा, जीवनलाल विश्वकर्मा, सतीश कुशवाहा, अजय कुशवाहा और शिवम कुशवाहा शामिल हैं।

चित्रकूट में लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई मंदाकिनी में डुबकी, प्रशासन ने की थी चाक-चौबंद व्यवस्था

सतना। भादो मास की शनिश्चरी अमावस्या पर चित्रकूट में लाखों श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। देश के कोने-कोने से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की तपोस्थली चित्रकूट पहुंचे लाखों भक्तों ने मंदाकिनी नदी में स्नान कर अपने पितरों का तर्पण और पिंडदान किया।

इसके बाद उन्होंने भगवान मत्यगजेंद्रनाथ और कामतानाथ के दर्शन कर विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना की और कामदगिरि पर्वत की परिक्रमा भी की। शनिश्चरी अमावस्या मेले को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा चित्रकूट में चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी। मेला क्षेत्र के प्रमुख स्थानों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु नजर आए, जिसे देखते हुए उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश का जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा।

पितरों का किया पिंडदान

श्रद्धालुओं ने शनिवार को मंदाकिनी नदी में स्नान करने के बाद अपने पितरों का तर्पण करते हुए पिंड दान किया। इसके बाद भगवान कामतानाथ के दर्शन किए और कामदगिरि की परिक्रमा लगाई। भक्तों ने धर्मनगरी के जानकीकुंड,सती अनुसुइया आश्रम,हनुमानधारा और भरतकूप तीर्थ स्थानों पर भी दर्शन किए। इससे पहले कलेक्टर डॉ.सतीश एस और एसपी आशुतोष गुप्ता ने कामदगिरि और हनुमानधारा क्षेत्र में लगातार छह घंटे तक सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। चित्रकूट क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मेला क्षेत्र में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

एक दिन पहले से पहुंचने लगे थे श्रद्धालु

रामघाट परिक्रमा के अलावा,हनुमान धारा,जानकी कुंड,सती अनुसुइया,गुप्त गोदावरी और भरत कूप क्षेत्र में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही।शनिवार को आषाढ़ मास के अवसर पर एक दिन पहले से ही भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया था।कई लोग पैदल तो कई निजी वाहनों से पहुंचे। कई जगहों पर समाज सेवियों ने प्रसाद वितरण भी किया। इस अवसर पर अतिरिक्त बसें भी चलाई गईं और सुरक्षा व्यवस्था के लिए कंट्रोल रूम भी बनाए गए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार,मेला क्षेत्र में 22 से 25 अगस्त तक भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है।इन वाहनों को दूसरे रास्तों से बांदा और सतना सहित कौशांबी और प्रयागराज जिलों में भेजा जा रहा है।

हाइवे पर मवेशी संकट, रीवा से प्रयागराज तक जान जोखिम में डालकर सफर कर रहे वाहन

रीवा। हाईवे पर सफर अब रफ्तार का नहीं, जोखिम का पर्याय बनता जा रहा है। रीवा से प्रयागराज और मिर्जापुर की ओर जाने वाले प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग इन दिनों अव्यवस्था के ऐसे दलदल में फंसे हैं, जहां हर दो किलोमीटर पर जानलेवा संकट मंडरा रहा है,आवारा मवेशियों के रूप में। हजारों की संख्या में सड़क किनारे और डिवाइडर के बीच डेरा जमाए बैठे ये जानवर न केवल यातायात में बाधा बन रहे हैं, बल्कि गंभीर सड़क हादसों की वजह भी बनते जा रहे हैं। बारिश के मौसम में हालात और बिगड़ गए हैं, जब कीचड़ और पानी से भरे मैदानों से जानवर सड़क की ओर रुख कर रहे हैं। अब हाइवे के डिवाइडर इनके अस्थायी ठिकाने बन चुके हैं। रीवा, रामनई, बेलवा पैकान, मनगवां, गंगेव, गोदरी, कटरा, कलबारी, सोहागी, चंदई, मिर्जापुर हाइवे के रघुनाथगंज, देवतालाब, मऊगंज, खटखरी और हनुमना बाईपास जैसे क्षेत्रों में यह समस्या विकराल रूप ले चुकी है। इन मार्गों से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं, लेकिन हर चालक को जानवरों के झुंड के बीच से निकलना किसी जिंदा बचने की चुनौती जैसा बन गया है। विशेषकर बाइक और छोटे वाहन चालकों के लिए यह खतरा कई गुना बढ़ गया है, क्योंकि जानवर अचानक सड़क पार कर देते हैं, जिससे टक्कर की आशंका बनी रहती है।बॉक्स पिछली कोशिशें नाकाम, दो साल से स्थिति जस की तसकरीब दो साल पहले प्रशासन ने इस दिशा में पहल करते हुए मवेशियों को सड़क से हटाने का अभियान चलाया था। पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मवेशी छोड़ने वालों पर कार्रवाई की गई थी और जानवरों को पकड़कर गौशालाओं में भेजा गया। लेकिन यह अभियान महज चार दिनों में ही थम गया और हालात फिर पुराने ढर्रे पर लौट आए।

42.51 लाख की राशि के लिए जारी हुई आरआरसी वसूली के नोटिस किए जा रहे तामील

प्रधानमंत्री आवास योजना राशि वसूली पर निगम की सख्ती जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिन्दवाडा

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) बीएलसी घटक में राशि लेने के बावजूद पक्के मकान न बनाने वाले हितग्राहियों पर नगर निगम छिंदवाड़ा की सख्ती लगातार जारी है। शुक्रवार को 106 हितग्राहियों पर कार्रवाई करते हुए तहसीलदार द्वारा राजस्व रिकवरी प्रमाणपत्र (RRC) जारी किया गया था। इन प्रकरणों की कुल राशि 42 लाख 51 हजार रुपये है।नगर निगम आयुक्त चंद्रप्रकाश राय ने बताया कि आज 35 प्रकरणों में नोटिस तामिल किए गए हैं। इसके साथ ही शेष 158 प्रकरणों पर आगामी दिनों में कार्यवाही की जाएगी।आयुक्त श्री राय ने कहा कि शासन की महत्वाकांक्षी योजना का दुरुपयोग करने वालों से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाएगा। आरआरसी जारी होने के बाद राशि वसूली की कार्रवाई की जाएगी, जिसके अंतर्गत संबंधित हितग्राहियों की चल-अचल संपत्तियां कुर्क कर नीलाम की जा सकती हैं। राशि का लाभ ले चुके हितग्राहियों के संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज नगर निगम के पास उपलब्ध है। जिनकी नीलामी की कार्यवाही की जाएगी।उन्होंने दोहराया कि जिन हितग्राहियों ने योजना की राशि प्राप्त की है, वे निर्धारित समय सीमा में अपना मकान निर्माण कार्य पूरा करें, अन्यथा उनके विरुद्ध भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना की नई सूची का प्रकाशन, दावा आपत्ति 2 सितम्बर तक

छिंदवाड़ा। शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 की डीपीआर तैयार करने का कार्य नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में निकाय द्वारा आगामी डीपीआर हेतु 192 हितग्राहियों का चयन आगामी हितलाभ हेतु किया गया था। इन हितग्राहियों के चयन उपरांत सूची वेबसाइट एवं निगम के सूचना पटल पर चस्पा की गई। जिसके दावा आपत्ति के लिए 15 दिवस का समय दिया गया है। उक्त सूची में जिन भी नागरिकों को आपत्ति हो वह 02 सितंबर 2025 को शाम 06 बजे तक अपनी आपत्ति निगम कार्यालय में दे सकता है।

कृषि में बैलों की अहम भूमिका को सम्मान देने मनाया जाता हैं पोला पर्व: विवेक पटेल

नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में मनाया गया पोला पर्व

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

मध्यप्रदेश के वारासिवनी में मनाए जाने वाला पोला त्यौहार कृषि संस्कृति और परंपराओं से गहराइयों से जुड़ा हुआ हैं। यह त्यौहार भाद्रपद मास की अमावस्या को मनाया जाता है और विशेष रूप से किसानों द्वारा बैलों के प्रति श्रद्धा और आभार प्रकट करने के लिए समर्पित होता हैं।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पोला पर्व पर नगर के वार्ड नंबर 12 निवासी हीरा चौधरी के बाड़े से किसानों व जनप्रतिनिधियों के साथ श्री चौधरी आरती की थाल लेकर निकले। यह पूजा की थाल गोलीबार चौक, आंबेडकर चौक, नेहरु चौक होते हुए जय स्तम्भ चौक पहुँची। जहॉ पर श्री चौधरी द्वारा बैलों की पूजा अर्चना और बैल जोड़ी लेकर आए हुए किसानों का तिलक वंदन किया। उसके बाद उपस्थित जनप्रतिनिधियों विधायक विवेक पटेल, पूर्व विधायक प्रदीप जयसवाल, भूतपूर्व विधायक डॉक्टर योगेन्द्र निर्मल, भाजपा नेता निरंजन बिसेन, पूर्व मंडी अध्यक्ष अजय बिसेन, जिला पंचायत पूर्व सदस्य विक्रम देशमुख आदि ने किसानों का तिलक वंदन कर उन्हें गमछा व अन्य वस्तुऍ भेंट की और बैल जोडिय़ों को तिलक लगाकर उनकी पूजा की।

उसके बाद पटाखे फोडक़र बैल जोडिय़ों को नगर की सडक़ों पर दौडऩे के लिए रवाना कर दिया गया। इस दौरान जय स्तम्भ चौक पर मेले का दृश्य बना हुआ था। चाट पकोड़े, गुब्बारे सहित अन्य सामग्रियों की दुकानें लगी हुई थी। जय स्तम्भ चौक से बैल जोडिय़ों रवाना होने के बाद नगर के नागरिकों के घरों तक पहुँची। जहॉ पर नागरिकों ने बैल जोडिय़ों का भव्य स्वागत किया और तिलक वंदन कर घर में बनाए गए पकवान खिलाये गए।

इक्विटी फंड ने 5 साल में 4 गुना दिया निवेशकों को मुनाफा

- ऐसे करीब दस फंडों को मिली 4 से 5 स्टार की ऊंची रेटिंग
- निवेशकों ने भी जमकर लगाए पैसे और बन गए करोड़पति
- एसआईपी पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया
- 5 साल में लंपसम निवेश पर 26 से 37 फीसदी तक रिटर्न दिया

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।

इक्विटी फंड के प्रकार

- 1. लार्ज-कैप फंड : ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
- 2. मिड-कैप फंड : ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर तेजी से बढ़ने वाली कंपनियां होती हैं।
- 3. स्मॉल-कैप फंड : ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना के साथ आते हैं।
- 4. सेक्टोरल फंड : ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं, जैसे कि टेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, या ऑटोमोबाइल।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड्स को लॉन्ग टर्म यानी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएशन के लिए जाना जाता है। इक्विटी फंड्स में इस लॉन्ग टर्म का मतलब कम से कम 3 साल कहा जाता है, लेकिन आमतौर पर 5 साल या उससे ज्यादा समय में और भी बेहतर नतीजे मिलते हैं। हम यहां ऐसे ही टॉप 10 इक्विटी फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, जिन्होंने पिछले 5 साल में निवेशकों की पूंजी को कम से कम 4 गुना या उससे भी ज्यादा कर दिया है। इन सभी फंड्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। खास बात यह है कि इन 10 में से 6 फंड्स की रेटिंग 5 स्टार और चार की रेटिंग 4 स्टार है। वहीं, निवेशकों ने भी इन फंडों में जमकर निवेश किया और अपनी रकम बढ़ाई। जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स ने पिछले 5 साल में लंपसम निवेश पर सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है, उनमें सबसे ज्यादा 5 स्मॉल कैप फंड हैं। इनके अलावा इस लिस्ट में 4 इंफ्रास्ट्रक्चर फंड और एक मिडकैप फंड भी शामिल हैं। इन फंडों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ फंडों के बारे में जिन्होंने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया।

क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 37.23%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,86,659 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.09%
- रेटिंग : 4 स्टार

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.66%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,59,555 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.14%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,50,791 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.32%
- रेटिंग : 5 स्टार

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड-डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 34.53%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,40,573 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.48%
- रेटिंग : 5 स्टार

फ्रैंकलिन बिल्ड इंडिया फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.67%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,26,807 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.91%
- रेटिंग : 5 स्टार

बंधन स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.46%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,23,390 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.80%
- रेटिंग : 5 स्टार

इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.31%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,20,955 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

एलआईसी इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.58%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,09,697 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.17%
- रेटिंग : 4 स्टार

टाटा स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,893 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 24.21%
- रेटिंग : 4 स्टार

कैनरा रोबेको इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40 %
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,846 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.94%
- रेटिंग : 4 स्टार

हाई रिटर्न के साथ जुड़ा हाईरिस्क

ऊपर जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स का डिटेल दिया गया है, उन सभी में हाई रेटिंग और हाई रिटर्न के साथ ही साथ वेरी हाई रिस्क भी जुड़ा हुआ है। यही वजह है कि इनमें निवेश से जुड़ा कोई भी फैसला करने से पहले अपनी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर परख लेना चाहिए। निवेशकों को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि म्यूचुअल फंड्स में पिछले रिटर्न के आगे भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी क्षमता और लक्ष्य तय कर लें। इसके बाद ही निवेश करें। इससे निवेशकों को परेशानी नहीं होगी और आसानी से अपने पैसे को बढ़ा सकेंगे।

दूसरों को देखकर नहीं चलें, सही आदतें आपको बनाएंगी धनवान

- आपकी एक छोटी सी आदत भविष्य को बचाने में सक्षम
- अनावश्यक खर्च पर रोक लगाएं, सही जगह निवेश करें
- बजट बनाएं, इसके लिए 50/30/20 का नियम फॉलो करें

जानकारी

बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर कोई फाइनेंशियली मजबूत और सुरक्षित बनना चाहता है। लेकिन इसके लिए केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं है, बल्कि सही आदतें अपनाकर अनुशासित वित्तीय जीवन जीना जरूरी है। ऐसी आदतें आपके भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने में सक्षम हैं। आज के इस दौर में फाइनेंशियल रूप से मजबूत और सेफ महसूस करना हर किसी की चाहत होती है। इसके लिए फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी को समझना और उसको निभाना बहुत जरूरी होता है। यह केवल पैसे बचाने या खर्च करने तक सीमित नहीं होता है, बल्कि यह एक सोच है जो आपको एक अनुशासित और आरामदायक जीवन जीने में मदद करती है। तो समझेंगे फाइनेंशियल रूप से मजबूत बनने के लिए किन बातों का ध्यान रखें। बाजार में जाएं तो ऑफर और दूसरों लोगों को देखकर ललचाएं नहीं, बल्की अपने बजट के हिसाब से ही खरीदारी करें। इससे आप अपने अनावश्यक खर्च पर रोक लगा सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसी की कुछ खास आदतें जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगी।

इमरजेंसी फंड को बनाना

लाइफ में कभी भी बिन बुलाए वाली घटनाएं हो सकती हैं, जैसे नौकरी छूटना, अचानक कोई बीमारी आ जाना या घर में कोई बड़ी मरम्मत का काम निकलना आदि। तो ऐसे में, अगर आपके पास एक इमरजेंसी फंड होगा, तो आपको किसी से उधार या फिर लोन लेने या अपनी बचत को हाथ लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह फंड आपके 3 से 6 महीने के मासिक खर्चों के बराबर का होना ही चाहिए।

बजट बनाना और उसका पालन करना

बजट बनाना फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का सबसे अहम कदम माना जाता है.तो इसका मतलब ये है अपनी इनकम और खर्च पर नजर रखना. आप कहां से कमा रहे हैं और कहां खर्च कर रहे हैं, यह जानना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए एक फेमस रूल है 50/30/20 का नियम- 50% इनकम आपकी जरूरतों पर खर्च हो, जैसे किराया, बिजली, और भोजन आदि।

सोच-समझकर इन्वेस्टमेंट करें

केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं होता है, इस पैसे को सही जगह पर निवेश करना भी जरूरी होता है, ताकि आपका पैसा बढ़ सके। असल में इन्वेस्टमेंट के कई ऑप्शन होते हैं, जैसे स्टॉक मार्केट, म्यूचुअल फंड, या फिक्स्ड डिपॉजिट. तो अपनी रिस्क क्षमता और अपने टारगेट के आधार पर निवेश करना चाहिए। लॉन्ग टर्म के निवेश आपके बड़े लक्ष्यों, जैसे घर खरीदना या बच्चों की शिक्षा, को पूरा करने में मदद कर सकते हैं। इसलिए जो पैसा बचाएं उसे सही जगह पर निवेश करें जो समय के हिसाब से महंगाई को मात देने में सक्षम हो।

बीमा करवाएं, महत्व समझें

हेल्थ इंश्योरेंस : यह आपको मेडिकल इमरजेंसी में फाइनेंशियल संकट से बचाता है। हमेशा एक अच्छी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होने से आप अपनी बचत पर अनावश्यक बोझ से बच जाते हैं।

टर्म लाइफ इंश्योरेंस : तो अगर आपके परिवार में आप ही एकमात्र कमाने वाले हैं, तो यह बीमा आपकी अनुपस्थिति में आपके परिवार को फाइनेंशियल हेल्प देने का काम करता है।

दूसरों की देखा-देखी खर्च नहीं करें

अक्सर हम अपने दोस्तों या पड़ोसियों को देखकर फालतू के एस्ट्रा पैसे खर्च करने लगते हैं। इसको लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहा जाता है। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है अपनी जरूरतों और क्षमताओं के अनुसार जीना, ना कि दूसरों को इंप्रेस करने के लिए खर्च करना। आपकी आर्थिक स्थिति और लक्ष्य आपके लिए सबसे जरूरी होने चाहिए।

अपने फाइनेंशियल टारगेट को समझना

आपके फाइनेंशियल टारगेट साफ होने चाहिए। चाहे वह रिटायरमेंट के लिए बचत करना हो,या एक नई कार खरीदना हो या कर्ज चुकाना हो, हर टारगेट के लिए एक टाइम लिमिट और एक प्लानिंग होनी चाहिए. अपने टारगेट को छोटे, मध्यम और लंबी अवधि में बांटें। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है कि अपने पैसे को सही तरह से प्लान करें। यह आपको ना केवल वर्तमान में बल्कि फ्यूचर में भी एक सेफ और स्थिर लाइफ जीने का अवसर देता है।

बिजनेस शुरू करने के लिए ऐसे बनाएं 'परफेक्ट' बजट, नहीं होगा नुकसान

●बिजनेस शुरू करने से पहले एक मजबूत बजट बनाना बेहद जरूरी●सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना बनाएं●फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार करें, इसके बाद बिजनेस शुरू करें

अगर आप भी अपना कोई बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो कुछ नियम फॉलो करें। इससे आपका बिजनेस आगे बढ़ेगा अब नुकसान होगा। बिजनेस शुरू करने के लिए सबसे पहले 'परफेक्ट' बजट बनाएं। इसके बाद उस पर अमल करें। असल में किसी भी बिजनेस के लिए एक मजबूत बजट बनाना उसकी सफलता के लिए बेहद जरूरी होता है। बजट सिर्फ खर्चों को ट्रैक करने के बारे में नहीं है, बल्कि फ्यूचर के लिए एक साफ फाइनेंशियल रोडमैप तैयार करने के बारे में भी होता है। इस रिपोर्ट में आपको ऐसे ही टिप्स बताएंगे जो आपके बिजनेस के लिए बेहतर होंगे। यदि आप इनका पालन करेंगे तो कारोबार में नुकसान होगा और आपकी पूंजी बढ़ेगी। सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना और फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार किया जा सकता।

रेवेन्यू का विश्लेषण करें

सबसे पहले, आपको अपनी सभी रेवेन्यू स्ट्रीम को पहचानना होगा। आप कम से कम पिछले 12 महीनों के डेटा का विश्लेषण जरूर करें। आप यह देखें कि आपके बिजनेस की मासिक इनकम में कैसे उतार-चढ़ाव आते हैं और क्या कोई सीजनल पैटर्न इसमें काम आया है। यह उदाहरण के लिए, अगर छुट्टियों के मौसम में आय बढ़ सकती है, बकि गर्मियों में कम हो सकती है। इसको समझकर ही आप आने वाले महीनों के लिए आय का अनुमान लगा सकते हैं।

तैयारी

बिजनेस डेस्क

निश्चित लागत घटाएं

इनकम का अनुमान लगाने के बाद, अपने फिक्स कॉस्ट को घटाना चाहिए। ये वो खर्चे हैं जो आपके बिजनेस की एक्टिविटी से नहीं बदलते, जैसे किराया, कर्मचारियों का वेतन, बीमा और संपत्ति लोन। ये खर्चे हर महीने या साल लगभग एक जैसे रहते हैं, इसलिए इन्हें आसानी से घटाया जा सकता है। बजट बनाते समय गैर-ज़रूरी और बदलने वाले खर्चों को घटाएं। ये खर्चे आपके बिजनेस की गतिविधि के साथ बदलते रहते हैं। तो जैसे-जैसे उत्पादन या बिक्री बढ़ती है, ये खर्चे भी बढ़ने लगते हैं। इनमें कच्चे माल की लागत, घंटे के हिसाब से काम करने वाले कर्मचारियों की मजदूरी आदि शामिल हैं। आप चाहें तो पिछले डेटा का उपयोग करके भी इनका अनुमान लगा सकते हैं।

आपात स्थिति के लिए फंड

बजट बनाते समय, अप्रत्याशित खर्चों के लिए हमेशा कुछ पैसा अलग रखना जरूरी होता है। इसे कंटिजेंसी फंड या इमरजेंसी फंड भी कहते हैं। यह राशि तब काम आती है जब बिजनेस में यूज होने वाला कोई जरूरी चीज अचानक खराब हो जाए या कोई और अप्रत्याशित खर्च आ जाए. ऐसे में एक्सट्रा इमकम को तुरंत खर्च करने की जगह, इस फंड में जमा करना बेस्ट होगा।

अपने बेनेफिट्स को समझें

बजट बनाते समय आप कुल अनुमानित आय से सभी तय और बदलते खर्च घटाएं। ऐसे में बची हुई राशि आपका शुद्ध लाभ है। अगर यह धनात्मक है तो मुनाफा, और अगर ऋणात्मक है तो घाटा। इस आंकड़े की तुलना पुराने बेनेफिट्ल से करें, ताकि पता चल सके कि अनुमान सही है या फिर नहीं। ऐसा करके आप काम शुरू करेंगे तो आपको कभी भी नुकसान का सामना नहीं करना पड़ेगा। आपका कारोबार दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ेगा। बिजनेस में आपका भविष्य सुरक्षित रहेगा। काम शुरू करने से पहले एक बार अपने प्रोडक्ट का भी देखें और उसका रिव्यू करते रहे।

बजट का रिव्यू करें

बजट कोई फिक्स डाक्यूमेंट्स नहीं होता है। इसका हर मंथ या तिमाही में रिव्यू करना और जरूरत के अनुसार एडजस्ट करना जरूरी है। जब आपकी इनकम बढ़ती है या खर्चे बदलते हैं, तो आपको अपने बजट में भी चेंज करना होगा। अपने सही प्रदर्शन की तुलना अपने बजट से करें और फिर देखें और समझें कि आप कहां पर अच्छा कर रहे हैं और कहां सुधार की जरूरत फिलहाल है। नियमित रिव्यू करने से आप अपने फाइनेंशियल टारगेट को ट्रैक पर रख सकते हैं।

मुनाफे की निगरानी व समीक्षा

अपने मुनाफे की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार बदलाव करें। अपने मुनाफे की समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि वे आपके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं। अपने व्यवसाय के वित्तीय पहलुओं का प्रबंधन करें, जैसे कि आय, व्यय, और मुनाफा। अपने व्यवसाय के नकदी प्रवाह का प्रबंधन करें, जैसे कि आय और व्यय का समय पर प्रबंधन।

बाजार अनुसंधान व विश्लेषण

अपने उत्पाद या सेवा के लिए बाजार की मांग और प्रतिस्पर्धा का विश्लेषण करें। अपने ग्राहकों की जरूरतों और पसंदों का विश्लेषण करें। अपने वित्तीय लक्ष्यों और बाजार अनुसंधान के आधार पर व्यवसाय योजना का निर्माण करें। मुनाफे की रणनीति तैयार करें, जैसे कि मूल्य निर्धारण, विपणन, और बिक्री।

अलर्ट 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए प्लानिंग करें, अगर निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा

रिटायरमेंट पर चाहिए 10 करोड़ तो उम्र के हिसाब से करें प्लानिंग, भविष्य होगा सुरक्षित

निवेश शुरू करने में जितनी जल्दी करेंगे, लक्ष्य उतनी ही जल्दी मिलेगा, अपने टारगेट को हासिल करने के लिए उम्र के हिसाब से निवेश बढ़ाना होगा

समझदारी

बिजनेस डेस्क

अगर आप 25 साल के हैं और आपसे पूछा जाए कि आपको रिटायरमेंट के समय कितना फंड चाहिए। आज से 35 साल बाद और महंगाई को देखते हुए रिटायरमेंट पर 10 करोड़ फंड आपकी नॉन वर्किंग लाइफ को आसान बना सकते हैं। यही 10 करोड़ का फंड हासिल करने के लिए अगर आप तुरंत सही से प्लानिंग करें तो यह आसान होगा, लेकिन जैसे जैसे देरी करते जाएंगे, यह फंड उतना ही दूर होता जाएगा। इसलिए अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए समय से प्लानिंग करें। आप जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे उतनी जल्दी ही करोड़पति बनेंगे। बस आपको अपना लक्ष्य और रिस्क क्षमता को देखकर निवेश करना होगा। रिटायरमेंट पर दस करोड़ का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं तो आज आपकी जो उम्र है उसके हिसाब से प्लानिंग करें। तभी यह लक्ष्य हासिल कर पाएंगे। 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए बेहतर प्लानिंग कर सकते हैं। इससे आपका भविष्य सुरक्षित होगा और बच्चों के खर्चों में भी दिक्कत नहीं होगी।

निवेश में देरी लक्ष्य को बनाएगा मुश्किल

अगर हम निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होता जाता है. अगर आप रिटायरमेंट (60 साल) पर 10 करोड़ रुपये का लक्ष्य (**Retirement Corpus**) ध्यान में रखकर निवेश करते हैं और अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी सालाना मानते हैं तो 20 साल के निवेशक जहां हर महीने 8,500 रुपये एसआईपी करनी होगी, वहीं 30 साल वालों को करीब 28,500 रुपये. अगर 40 की उम्र में आ गए तो इस लक्ष्य को पाने के लिए हर महीने 1,00,000 रुपये निवेश करना होगा. इसलिए निवेश जितना जल्दी हो सके, शुरू करें।

20 की उम्र में निवेश ऐसे करें

- मंथली एसआईपी : 8500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12%
- ड्यूरेशन : 40 साल
- 40 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,10,00,572 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 40 साल में कुल निवेश : 40,80,000 रुपये (करीब 41 लाख रुपये)

25 की उम्र में निवेश

- मंथली एसआईपी : 15,500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- ड्यूरेशन : 35 साल
- 35 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,76,671 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 35 साल में कुल निवेश : 65,10,000 रुपये (करीब 65 लाख रुपये)

30 की उम्र में निवेश

- मंथली एसआईपी : 28500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- ड्यूरेशन : 30 साल
- 30 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,02,543 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 30 साल में कुल निवेश : 1,02,60,000 रुपये (करीब 1 करोड़ रुपये)

35 की उम्र में निवेश

- मंथली एसआईपी : 53,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- ड्यूरेशन : 25 साल
- 25 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,05,74,660 रुपये (करीब 10.06 करोड़ रुपये)
- 25 साल में कुल निवेश : 1,59,00,000 रुपये (करीब 1.59 करोड़ रुपये)

40 की उम्र में निवेश

- मंथली एसआईपी : 1,00,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12% ● ड्यूरेशन : 20 साल
- 20 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 9,99,14,792 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 20 साल में कुल निवेश : 2,40,00,000 रुपये (करीब 2.40 करोड़ रुपये)

लम्प सम : 100 गुना रिटर्न

एक रिपोर्ट के अनुसार अगर आप 20 की उम्र में 1 लाख रुपये लम्प सम निवेश करते हैं और उस पर 12 फीसदी सालाना रिटर्न मिले तो 60 की उम्र तक आपकी दौलत बढ़कर 93 लाख रुपये हो जाएगी। लेकिन अगर आपने यह निवेश 25 साल की उम्र में किया होता, तो आपके निवेश की वैल्यू 53 लाख रुपये होगी। अगर आपने 30 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू 29 लाख रुपये होगी। और अगर आपने 40 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू सिर्फ 9 लाख रुपये होगी। यानी, जितनी देर से शुरुआत करेंगे, फायदा उतना ही कम होगा। इसलिए बेहतर है कि निवेश की शुरूआत जितना जल्दी हो, उतना जल्दी करें। एसआईपी कैलकुलेशन में भी आपने देखा होगी कि देर से निवेश करने पर लक्ष्य हासिल करने के लिए अर्ली इन्वेस्टर्स की तुलना में कई गुना अमाउंट निवेश करना पड़ता है।

बरसात में चाय-पकौड़े ही क्यों आते हैं याद, कुछ और क्यों नहीं?

नई दिल्ली। बरसात आते ही सबसे पहले अगर किसी चीज की याद आती है तो वह है चाय और गर्मागर्म पकौड़े. अक्सर आपने बारिश के मौसम में चाय-पकौड़े खाए भी होंगे और लोगों को ऐसा करने की सलाह भी दी होगी लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि बरसात की बूंदें पड़ते ही सिर्फ चाय-पकौड़े खाने का ही मन क्यों करता है, कुछ और चीज क्यों नहीं? अगर आपको लगता है कि ऐसा स्वाद की वजह से होता है ये कतई नहीं है, बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी है।

इस कॉम्बो से मिलता है पोषण

डॉक्टर बताते हैं कि सबसे पहले पकौड़े के इनग्रेडिएंट्स को देखें तो पकौड़े में आमतौर पर बेसन, मसाले और सब्जियों का प्रयोग होता है। आलू, प्याज, लौकी, कद्दू समेत कई अलग-अलग सब्जियों के पकौड़े बनाए जाते हैं। साथ ही मूंग आदि दाल के पकौड़े भी होते हैं। निश्चित तौर पर पकौड़े में प्रयोग होने वाले सभी इनग्रेडिएंट्स फायदेमंद हैं। अगर इन्हें घर पर ही अच्छे तेल में पकाया जाए, तो तेल के कारण संभावित खतरा भी नहीं रहता है।

ये है वैज्ञानिक कारण

वहीं इसके पीछे अन्य वैज्ञानिक कारण भी माने जाते हैं। मसलन बारिश के दिनों में सूर्य का प्रकाश शरीर पर कम पड़ता है, जिससे शरीर में विटामिन डी की कमी होती है, साथ ही हैप्पी हार्मोन सेरोटोनिन का स्तर भी कम हो जाता है। ऐसे में शरीर को कार्बोहाइड्रेट की जरूरत पड़ती है। पकौड़ा इसका अच्छा स्रोत है। मनपसंद पकौड़े खाने से सेरोटोनिन का स्तर बढ़ता है और मूड फ्रेश होता है। इसके अलावा फ्राइड फूड से हमारे ब्रेन में डोपामाइन का स्राव भी बढ़ता है, जिससे हमें खुशी का अनुभव होता है।

मान्यताएं

गुडलक के लिए अनोखे तरीके अपनाते हैं चाइनीज लोग

इनके यहां रहा है इसका एक लंबा इतिहास

चीन में गुड लक के लिए हमेशा से ही अनोखे तरीके अपनाए जाते हैं। इसका यहां एक लंबा इतिहास रहा है। जो रंगों और प्रतीकों से जुड़ा है। लोग अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए तमाम तरीके अपनाते हैं।

चाहे बात शिक्षा की हो, धन की हो या फिर प्रेम की।.. लोग इनमें कामयाबी हासिल करने के लिए कई ट्रिक्स का इस्तेमाल करते हैं। आज हम आपको ऐसे ही कुछ तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो चीन के लोग अपनाते हैं।

स्लिट ड्रेस : चीन के नेशनल कॉलेज एंट्रेस एग्जाम को काफी बड़ा माना जाता है, इसे गाओकाओ कहते हैं। ये चीन के छात्रों की जिंदगी में काफी अहमियत रखता है। बच्चे इस परीक्षा को पास कर लें, इसके लिए उनकी मां एक टोटका करती हैं। वो नीचे से कट, लंबी क्वीपाओ ड्रेस पहनकर एग्जाम सेंटर के बाहर खड़ी होती हैं।

तिल पर बाल

कोई भी इंसान तिल पर बाल को आकर्षित और सुंदर नहीं मानता। लेकिन चीन और हांगकांग में ऐसी अवधारणा है कि तिल पर उगे लंबे बाल लक, सौभाग्य और बुद्धि का प्रतीक हैं। 2011 के लंदन समर ओलंपिक में चीनी 62केजी वेटलिफ्टर झांग जी अपने तिल पर उगे लंबे बाल को लेकर चर्चा में रहे थे। जबकि कई लोगों ने उन्हें स्किन कैंसर से बचने के लिए इसे निकालने की सलाह दी. जबकि कुछ लोगों ने माना कि झांग ने ऐसा गुड लक के लिए किया है।

सावधानी वाला नोट

यहां मुहावरा 'प्यार न होना ठीक है, लेकिन पैसा न होना ठीक नहीं है' चीन के युवाओं के बीच काफी अहम माना जाता है। वो अपनी आर्थिक स्थिति ठीक करने के लिए नए तरीके अपना रहे हैं। जैसे अपने फोन केस में 100 युआन का बैंक नोट रखना. इसे फोन और केस के बीच रखा जाता है। नोट को ट्रायंगल शेप में मोड़ा जाता है। ताकि तीनों तरफ से पैसा आए। ऑनलाइन वीडियो में भी नोट को सही तरीके से मोड़ने के तरीके के बारे में बताया जाता है। नंबर 100 का आगे का हिस्सा फोन के अंदर की तरफ होना चाहिए और आठ से समाप्त होने वाले सीरियल नंबर वाले बैंक नोट को ज्यादा सही माना जाता है। यह संख्या पारंपरिक चीनी संस्कृति में धन का प्रतीक कही जाती है।

नाखून को बढ़ाना

सबसे छोटी उंगली के नाखून को काफी ज्यादा बढ़ाना भी गुड लक का प्रतीक माना जाता है। इसे मानने वालों का कहना है कि इससे इंसान के अधिक शारीरिक मेहनत और कम वेतन वाले काम करने की संभावना कम हो जाती है।

बेडरूम में ताजे गुलाब

प्यार और रोमांस की खोज करने वाले चीनी पुरुष और महिलाओं को अपने बेडरूम में बिना कांटे वाले ताजा गुलाबों को रखने की सलाह दी जाती है। वहीं कुछ लोग मानते हैं कि 49 दिनों तक बेडरूम में 9 गुलाब के फूल रखने से बदलाव आता है। जब ये सूख जाएं, तो इन्हें बदल देना चाहिए। जबकि कुछ लोग कहते हैं कि महिलाओं को कमरे के दक्षिणपश्चिम में कोने में फूल रखने होते हैं और पुरुषों को उत्तरपश्चिम में रखने होते हैं। महिलाओं और पुरुषों के लिए गुलाब के फूलों को अलग अलग दिशाओं में रखने की बात चीनी संस्कृति के 'एट ट्रीग्रैम' से आई है। जिसमें दक्षिणपश्चिम को महिलाओं का प्रतीक ग्रहणशील (प्राप्त करने में सक्षम) और उत्तरपश्चिम को पुरुषों के प्रतीक क्रिएटिव के तौर पर जाना जाता है।

पर्पल कलर

गुड लक के लिए उत्तरी चीन में स्टूडेंट्स को पर्पल कलर की अंडरवियर पहनने को कहा जाता है। पूर्वोत्तर चीन की स्थानीय बोली में पर्पल कलर को मंदारिन में जी और कूल्हे को डिंग कहते हैं। यहां का एक वाक्य है, जी डिंग शिंग. इसका मतलब 'निश्चित रूप से जीत' हासिल करना होता है। इसलिए जी और डिंग को एक साथ जोड़ने के लिए पर्पल कलर के अंडरवियर को अहमियत दी जाती है। ऐसा माना जाता है कि परीक्षा के वक्त इससे अधिक सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

सब्जियों की कीमतों ने तोड़े रिकॉर्ड

टमाटर-मिर्च के भाव सुनकर खरीदार हो रहे लाल

वाणिज्य प्रतिनिधि ▸▸ भोपाल

त्योहारी मौसम में महंगाई ने रसोई घर का जायका बिगाड़ रखा है। मंडियों से लेकर गली-गली के ठेलों तक, सब्जियों के भाव आसमान पर पहुंच गए हैं। आलम यह है कि लाल रंग वाले टमाटर के भाव सुनकर अब उपभोक्ता लाल हो रहे हैं तो हरी मिर्च का तीखापन अब केवल स्वाद में नहीं, जेब पर भी भारी पड़ रहा है। थोक सब्जी विक्रेताओं के अनुसार बारिशों ने फसलों को नुकसान पहुंचाया है, जिससे उत्पादन घट गया है। वहीं दूसरे राज्यों से आने वाली आवक भी सीमित हो गई है। इन दोनों कारणों से आपूर्ति पर भारी असर पड़ा है और कीमतें लगातार चढ़ रही हैं।

राजधानी के हाट बाजार खासकर बिट्टन मार्केट, दस नंबर, कोटरा, हबीबगंज, बरखेड़ा, पिपलानी बागसेवानिया सहित अन्य क्षेत्रों के खुदरा दुकानदारों द्वारा भारी मुनाफाखोरी की जा रही है। ऊंचे भाव पर सब्जियों की बिक्री होने से खरीदारी करने बाजार पहुंचे उपभोक्ता पहले जैसी मात्रा में सब्जियां नहीं ले रहे। जहां पहले एक परिवार 300–400 में हफ्तेभर की सब्जी खरीद लेता था, अब वही खर्च 700 तक पहुंच गया है। सब्जी विक्रेताओं के अनुसार, लोग अब किलो की जगह आधा किलो या पाव सब्जी ही खरीद रहे हैं। कारोबारी राजेंद्र सैनी का कहना है कि राहत की उम्मीद सितंबर के दूसरे सप्ताह के बाद ही बन सकती है, जब नई सब्जियों की आवक होगी। फिलहाल, उपभोक्ताओं को इसी तीखे स्वाद और जेब पर भारी महंगाई के साथ समझौता करना होगा।

करोड़ों का ठेका रद्द किए जाने और सुरक्षा निधि जब्त करने के खिलाफ दायर याचिका खारिज

पत्रकार हत्याकांड मामले के आरोपी ठेकेदार सुरेश चंद्राकर को हाईकोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बिलासपुर

नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में चर्चित पत्रकार हत्याकांड मामले में आरोपी रहे ठेकेदार सुरेश चंद्राकर को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सड़क निर्माण का करोड़ों का ठेका रद्द किए जाने और सुरक्षा निधि जब्त करने के खिलाफ दायर उसकी याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा और उनकी डिवीजन बेंच ने सुनवाई के दौरान साफ किया कि यह मामला कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ा विवाद है और अनुबंध की धारा 28 के अनुसार इसका निपटारा आर्बिट्रेशन प्रक्रिया से होगा। अदालत ने कहा कि इस स्तर पर सीधे हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता नहीं है। सुरेश चंद्राकर ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से याचिका लगाते हुए कहा था कि ठेका रद्द करना, 37 लाख रुपए की सुरक्षा निधि जब्त करना और 10 प्रतिशत जुर्माना लगाना अनुचित है। इसके अलावा उसने 2.58 करोड़ रुपए के अधूरे सड़क निर्माण कार्य को पूरा करने की अनुमति की मांग भी की थी। ध्यान रहे कि यह

ठेका नेलसनार–फोडोली–मिरतुर–गंगलूर रोड निर्माण कार्य से जुड़ा हुआ था, जो लंबे समय से विवादों में रहा है। अदालत ने याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को यह छूट दी है कि वह अनुबंध के तहत उपलब्ध उपायों या अन्य वैधानिक रास्तों का सहारा ले सकता है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद अब ठेकेदार को अपने दावे को साबित करने और राहत पाने के लिए आर्बिट्रेशन या अन्य कानूनी प्रक्रिया का सहारा लेना होगा।

दो करोड़ गबन के आरोपी बैंक मैनेजर को नहीं मिली जमानत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने इंडियन बैंक के पूर्व शाखा प्रबंधक की जमानत याचिका खारिज कर दी है। आरोप है कि उसने मुद्रा योजना के खातों से करोड़ों रुपए का गबन किया था। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि आरोपी एक शाखा प्रबंधक था, इसलिए उसे सार्वजनिक धन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उसके खिलाफ प्रथम दृष्टया धोखाधड़ी और गबन के पर्याप्त साक्ष्य हैं, जो स्पष्ट तौर पर बेईमानी का इरादा दर्शाते हैं। मामला रायपुर के दोंदेखुर्द स्थित इंडियन बैंक शाखा का है। यहां पश्चिम बंगाल निवासी नियोजित विश्वास शाखा प्रबंधक के तौर पर पदस्थ था। जांच में सामने आया कि उसने ग्राहकों के खातों से लगभग 1 करोड़ 93 लाख 81 हजार रुपए निकाल लिए। गड़बड़ी उजागर होने के बाद बैंक के वर्तमान प्रबंधक ने विधानसभा थाने में शिकायत की। इसके बाद 4 नवंबर 2023 को एफआईआर दर्ज हुई। तब तक कुल गबन की रकम 2 करोड़ 13 लाख 71 हजार 637 रुपए पाई गई। बताया गया कि आरोपी ने दबाव बढ़ने पर करीब 19 लाख 90 हजार रुपए अलग-अलग स्व-सहायता समूहों के खातों में वापस भी कर दिए। फरवरी 2025 में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा।

रजनीकांत के नाम पर मलेशिया में फैंस के साथ हो रही धोखाधड़ी

चेन्नई। साउथ अभिनेता रजनीकांत इन दिनों अपनी फिल्म 'कुली' से छाए हुए हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर एक और खबर सामने आ रही है, जिसमें कहा जा रहा है कि एक्टर मलेशिया में लोगों से मुलाकात करने वाले हैं। अब रजनीकांत की टीम ने इन खबरों को निराधार बताया है। आइए जानते हैं कि उनकी टीम ने क्या कहा। रजनीकांत की टीम ने बयान में कहा, 'हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि 'मीट एंड ग्रीट थलाइवर' प्रतियोगिता, जिसे वर्तमान में मलेशिया में मलिक स्ट्रीम्स द्वारा प्रचारित किया जा रहा है, पूरी तरह से बेबुनियाद और फर्जी है। थलाइवर (रजनीकांत) से पूर्व अनुमति प्राप्त किए बिना इसकी घोषणा की गई है।'

फैंस को किया आगाह : अभिनेता की टीम ने प्रशंसकों और आम जनता को इस प्रतियोगिता में भाग ना लेने के लिए कहा है।

जोगीसार की घटना, महिला-बच्चे समेत कई घायल

सियारों का ग्रामीणों पर हमला, अस्पताल में भर्ती

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गौरेला पेंड्रा मरवाही

जोगीसार इलाके में बीती शाम उस समय हड़कंप मच गया जब दो सियार रिहायशी इलाके में आ धमके और ग्रामीणों पर हमला करने लगे। हमले में लगभग दर्जन भर ग्रामीण घायल हैं। जिन्हें जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

पूरा मामला, गौरेला थाना क्षेत्र के जोगीसार गांव का है। जहां पर शाम अंधेरा होने के बाद रिहायशी बस्ती में जंगल से दो सियार पहुंच गए। उन्होंने ग्रामीणों पर हमला करना शुरू कर दिया। महिला और बच्चे समेत करीब दर्जनभर ग्रामीण घायल हुए एक युवक

पर तो सियार ने घर के अंदर सोते समय हमला कर दिया। सियार के द्वारा हमला करने की जानकारी मिलते ही वन अमला भी मौके पर पहुंचा पर तब तक सियार जंगल की ओर वापस लौट गए। वहीं, इस हमले से ग्रामीण काफी दहशत में है और सभी को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया है। कुछ को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है।

शाहरुख और आर्यन खान ने पेश की नेटफ्लिक्स सीरीज़

"द बैड्स ऑफ़ बॉलीवुड" का प्रीव्यू लॉन्च

मुंबई। शाहरुख खान और उनके बेटे आर्यन खान ने नेटफ्लिक्स की नई सीरीज "द बैड्स ऑफ़ बॉलीवुड" का भव्य प्रीव्यू लॉन्च किया। यह आर्यन का डायरेक्टोरियल डेब्यू है, जो 18 सितंबर से स्ट्रीम होगा। रेड चिलीज एंटरटेनमेंट्स द्वारा निर्मित इस बोल्ड

और नो-फिल्टर सीरीज में बॉबी देओल, लक्ष्य, सहर बंबा, मोना सिंह समेत कई कलाकार नजर आएंगे। शो में ह्यूमर, ड्रामा और महत्वाकांक्षा की झलक देखने को मिलेगी। शाहरुख ने कहा कि अपने बेटे की क्रिएटिव सोच को साकार होता देखना गर्व की बात है। सीरीज का संगीत शाश्वत सचदेव ने कंपोज किया है, जिसमें अनिरुद्ध रविचंदर और उज्ज्वल गुप्ता भी सहयोगी हैं।

भौगोलिक स्थिति और अनुकूल औद्योगिक वातावरण के कारण सर्वोत्तम स्थान

मेक इन इंडिया के तहत रक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्र में मध्य प्रदेश अग्रणी बनने को तैयार

डिफेंस इंडस्ट्री इंटरैक्शन प्रोग्राम में उद्योगों और नीति-निर्माताओं ने साझा किए विजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मप्र रक्षा और एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने के लिए नई पहचान बना रहा है। अनुकूल औद्योगिक माहौल, मजबूत बुनियादी ढांचा और अग्रणी नीतियों के बल पर राज्य रक्षा उत्पादन और तकनीकी नवाचार का नया केंद्र बनता जा रहा है। इसी उद्देश्य से रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने और नए अवसरों पर चर्चा के लिए रक्षा इंडस्ट्री इंटरेक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। केंद्र सरकार के रक्षा उत्पादन विभाग की संयुक्त सचिव डॉ. गरिमा भगत ने कहा कि मप्र में रक्षा और एयरोस्पेस निर्माण का हब बनने की अपार संभावनाएं हैं।

हमारा प्रयास है कि एमएसएमई और स्टार्टअप को मजबूत सहयोग देकर उन्हें राष्ट्रीय रक्षा आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण भागीदार बनाया जाए। उद्योग, अकादमिक संस्थानों और अनुसंधान संगठनों के बीच निरंतर सहयोग ही इस क्षेत्र में नवाचार को गति देगा और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाएगा।

देश का सबसे स्वाभाविक और सर्वोत्तम स्थान

औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी भौगोलिक स्थिति और अनुकूल औद्योगिक वातावरण के कारण रक्षा निर्माण में निवेश के लिए देश का सबसे स्वाभाविक और सर्वोत्तम स्थान है। राज्य में ऑटो क्लस्टर, ड्रोन टेक्नोलॉजी, तकनीकी वस्त्र और इलेक्ट्रॉनिक्स सैक्टर रक्षा क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए तेजी से विकसित हो रहे हैं।

पीएसयू और बड़े प्राइवेट सेक्टर से सीधे जोड़ते हैं

संयुक्त सचिव डॉ. गरिमा भगत ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम एमएसएमई को रक्षा पीएसयू और बड़े प्राइवेट सेक्टर से सीधे जोड़ते हैं जिससे टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, जॉइंट वेंचर और महत्वपूर्ण प्रणालियों के सह-विकास के अवसर बढ़ते हैं। उन्होंने बताया कि एसआरआईजन पोर्टल पर अब तक 39 हजार से अधिक प्रोडक्ट स्वदेशीकरण के लिए सूचीबद्ध हैं, जो निवेशकों और स्टार्टअप के लिए बड़े अवसर पैदा करते हैं। कार्यक्रम के दौरान जबलपुर के रक्षा उद्योग के मजबूत ईकोसिस्टम और वेंडर बेस पर विशेष चर्चा हुई।

नवाचार का अग्रणी केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा मप्र

मप्र अपनी प्रगतिशील नीतियों, सुदृढ़ औद्योगिक ढांचे और भारत सरकार के साथ मजबूत साझेदारी के माध्यम से रक्षा उत्पादन और नवाचार का अग्रणी केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। आयुक्त एमएसएमई प्रीति मैथिल ने भी एमएसएमई में डिफेंस सैक्टर के संबंध में जानकारी साझा की। कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें रक्षा पीएसयू, निजी क्षेत्र की अग्रणी कंपनियां, एमएसएमई, स्टार्टअप, शिक्षाविद और शोध संस्थान शामिल थे।

आवश्यकता

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें:-9202613238, 9229187457 (रायपुर /03/सितम्बर/25)

अब आप पायेंगे अपना सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी
प्रत्येक रविवार को प्रकाशित

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य मिलेगा। भाग–दौड़ अधिक रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं।

वृष — आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। आय में भी वृद्धि होगी। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे।

मिथुन — आत्मसंयत रहें। आय में वृद्धि होगी। शासन–सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी परिवर्तन होगा। ऑफिस में उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा।

सिंह — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। किसी पैतृक सम्पत्ति से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या — परिवार का साथ मिलेगा। कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी। भाइयों का सहयोग रहगा।

तुला — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों में अड़चनें आ सकती

वृश्चिक — धर्म–कर्म में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन के रख–रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

धनु — वाणी में मधुरता रहेगी। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। कार्यभार में भी वृद्धि होगी। धनलाभ के अवसर मिलेंगे।

मकर — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। नौकरी में विदेश जाना हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन परेशान हो सकता है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें।

मीन — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। खर्च भी बढ़ेंगे। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत रहें।

शब्द पहेली - 5967

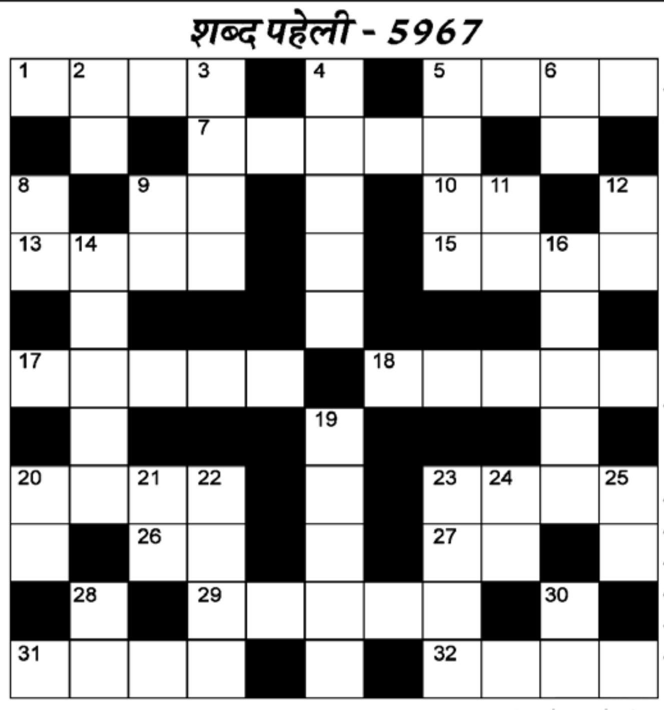

बाएँ से दाए-
1. सफल, उत्तीर्ण-4
5. ओस, रजनीजल-4
7. फरार होना, चंपत होना, पलायन करना-5
9. महीना, मास-2
10. साल का बारहवां भाग-2
13. पुचकारना-4
15. विष्णु, चक्रधारी-4
17. निरुत्तर होना-5
18. अपनत्व-5
20. असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23. निकृष्ट, अल्पतर-4
26. अंधकार-2
27. बुरा आदत-2
29. रसायन संबंधी-5
31. ब्राम्हण, सम्राट-4
32. गजानन, गणपति-4

ऊपर से नीचे
2. मां, आई, मदर-2
3. बारिश का गिरना-4
4. निर्माता, रचयिता-5
5. लज्जाना -4
6. मुलायम-2
8. उम्मीद-2
9. हार, जयमाल-2
11. हरे रंग का-2
12. वचन, प्रतिज्ञा -2
14. हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16. जनेऊ, उपनयन संस्कार-5
19. विलेन, नायक का विलोम-5
20. बादल-2
21. बुरी आदत-2
22. यम, मृत्यु का देवता-4
23. पानी के बहने की आवाज-2,2
24. वोट, अभिमत-2
28. इस जगह-2
30. कारावास, बंधन-2

शब्द पहेली -5966 का हल

क	ल	ह		म		प	र	दा	न	शी
पू		क	ल	श		छ	बी	ल		त
त	ल			व		ता			सा	ल
	ल		धा	रा	प्र	वा	ह		व	
म	क	ब	रा		था		म	हा	न	ता
			वा	दा		मा	स			
ह	म	रा	ही		पा		फ	र	मा	न
	यू		क	हा	नी	का	र		य	
ख	र			थी		र			का	न
प		ब	र	खा		ना	र	द		य
त	र	स	खा	ना		मा		म	न	न

सूडोकु नवताल - 5977

✱✱✱✱✱ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5976 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

MANGAL SEVADHA, BANGALORE

भगवान गणपति के प्रसिद्ध-भव्य मंदिर

विशेष: गणेश चतुर्थी
27 अगस्त

गणेश चतुर्थी से पूरे देश और विशेषकर महाराष्ट्र में गणेशोत्सव का उल्लास देखते ही बनता है। सामाजिक और सांस्कृतिक एकता के प्रतीक इस उत्सव का ऐतिहासिक महत्व भी कम नहीं है। यहां इसके शुभ मुहूर्त और पूजन के बारे में भी बता रहे हैं।

आवरण कथा
रजनी अरोड़ा

भारतीय धार्मिक परंपराओं में भगवान गणेश का स्थान सभी देवताओं में सर्वप्रथम पूज्यनीय माना जाता है। प्रतिवर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेशोत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर देश के अलग-अलग राज्यों में स्थित भगवान गणेश के मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होते हैं। इनमें से कुछ भव्य-प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर (मुंबई) महाराष्ट्र

यह भारत में गणेश जी के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर का निर्माण 1801 में लक्ष्मण विठु और देउबाई पाटिल ने कराया था। इस मंदिर में गणपति बप्पा की प्रतिमा को काले पत्थर पर तराश कर बनाया गया है और गणपति जी अपनी दोनों पत्नी रिद्धि-सिद्धि के साथ यहां विराजमान हैं। पहले सिद्धिविनायक मंदिर की मूल संरचना काफी छोटी थी, लेकिन बाद में इस मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया। आज यह मंदिर पांच मंजिला बन चुका है। यहां गणेश जी को सिद्धिविनायक कहा जाता है, क्योंकि उनकी मूर्ति की सूंड़ दाईं ओर मुड़ी हुई है और सीधी पेट से जुड़ी हुई है। गणेशजी को नवसाचा गणपति भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि अगर आप सच्चे मन से कुछ मांगते हैं, तो वह अवश्य प्राप्त होता है। यहां रोजाना लाखों की संख्या में भक्त गणपति बप्पा के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर प्रांगण में एक अस्पताल भी है, जहां लोगों का मुफ्त इलाज किया जाता है। इसके अलावा मंदिर में रसोईघर, प्रवचन मंडप और गणेश संग्रहालय भी हैं। *

उच्ची पिल्लैयार मंदिर तमिलनाडु

तिरुचिरापल्ली के रॉकफोट के शिखर पर यह मंदिर स्थित है। पल्लवों द्वारा चट्टान को काटकर निर्मित कराए गए इस मंदिर की शैल वास्तुकला अद्भुत है। इस मंदिर की कहानी रामायण काल से जुड़ी हुई है। रावण को पराजित करने के बाद भगवान राम ने विष्णु जी की एक मूर्ति विभीषण को लंका ले जाने के लिए दी थी। देवी-देवता ऐसा नहीं चाहते थे। इसलिए गणेश जी ने एक ग्वाले का रूप लिया और विभीषण को मूर्ति लंका ले जाने से रोका। विभीषण ने क्रोधित होकर उस ग्वाले के सिर पर वार किया, जिससे उसके सिर पर एक निशान पड़ गया। उसके बाद गणेश जी अपने असली रूप में आए। विभीषण ने उनसे माफी मांगी। आज भी इस मंदिर में स्थापित प्रतिमा के सिर पर एक निशान है। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए 417 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। यहां रोजाना भगवान गणेश की 6 आरतियां की जाती हैं। 10 दिन का गणेश चतुर्थी उत्सव यहां बेहद धूमधाम से मनाया जाता है। *

कनिपक्कम विनायक मंदिर आंध्र प्रदेश

चित्तूर में स्थित कनिपक्कम विनायक, गणपति का एक विशेष मंदिर है। यह मंदिर नदी के बीचों-बीच स्थित है। इस मंदिर को 11वीं सदी में चोल राजा कोलोत्तुम चोल प्रथम ने बनवाया था। बाद में 14वीं सदी के प्रारंभ में विजयनगर साम्राज्य के शासकों ने इस मंदिर का विस्तार कराया। यह मंदिर अपनी प्राचीन शिल्प कला और खूबसूरत डिजाइन के लिए विख्यात है। यहां गणेश जी की मूर्ति स्वयंभू (स्वतः प्रकट) है। लेकिन पिछले कई सालों से चमत्कार स्वरूप इस मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति के पेट और घुटने का आकार लगातार बढ़ रहा है। यहां ब्रह्मोत्सवम और गणेश चतुर्थी का उत्सव 21 दिनों तक चलता है। इस मंदिर को पानी के देवता का मंदिर भी कहा जाता है। तिरुपति मंदिर से 75 किलोमीटर दूर स्थित इस मंदिर में भक्त प्रथम पूज्य गणेश के दर्शन के लिए जरूर आते हैं। मान्यता है कि यहां पवित्र जल में डुबकी लगाने से सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है। *

रणथंभौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर राजस्थान

यह मंदिर राजस्थान प्रांत में सवाई माधोपुर जिले में स्थित है, जिसे 10वीं सदी में रणथंभौर के राजा हमीर ने बनवाया था। यह विश्व धरोहर में शामिल रणथंभौर दुर्ग के भीतर बना है। यहां गणेश जी को रणतभंवर रणक भंवर नाम से भी जाना जाता है। पूरी दुनिया में यह ऐसा अनूठा मंदिर है, जहां गणेश जी की मूर्ति का रंग नारंगी है और अपने पिता शिवजी के समान तीन नेत्रों को धारण करके विराजमान हैं। इसकी एक और खासियत है कि यहां भगवान गणेश के पूरे परिवार को स्थापित किया गया है। इसमें गणेश जी अपनी दोनों पत्नियों रिद्धि-सिद्धि और पुत्रों शुभ-लाभ के साथ शोभायमान हैं। पौराणिक मान्यता है कि हजारों साल पहले भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि के विवाह का निमंत्रण-पत्र इस मंदिर में भेजा गया था। तब से यह मंदिर भगवान को निमंत्रण-पत्र भेजने के लिए मशहूर है। स्थानीय लोगों के घर जब कभी शादी-ब्याह जैसा कोई मंगल कार्य होता है, तो वो सबसे पहले गणेश जी के नाम कार्ड भेजना नहीं भूलते, यानी अपना न्यौता रणथंभौर के गणेश मंदिर में देते हैं। गणेश चतुर्थी के मौके पर यहां हर साल भव्य गणेश मेला भी लगता है। *

बड़े गणेश जी का मंदिर म.प्र.

मध्य प्रदेश के उज्जैन में प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के पास स्थित बड़े गणेश जी का यह भव्य मंदिर है। इस मंदिर में स्थापित गणपति जी की प्रतिमा विश्वभर में स्थापित विशाल मूर्तियों में से एक है, जिसका निर्माण महर्षि गुरु महाराज सिद्धांत वागेश पं. नारायण जी व्यास ने करवाया था। गणपति बप्पा की इस मूर्ति में सीमेंट के बजाय गुड़ और मेथी दानों के साथ ईंट, चूने और रेत का प्रयोग किया गया है। मूर्ति को बनाने में सभी पवित्र तीर्थ स्थलों का जल और सात मोक्षपुरियों-मथुरा, द्वारिका, अयोध्या, कांची, उज्जैन, काशी और हरिद्वार से लाई हुई मिट्टी भी मिलाई गई है। इस वजह से इस मंदिर की मान्यता और बढ़ गई है। *

बाल गणपति मंदिर गोवा

गोवा के पोंडा में स्थित यह मंदिर भगवान गणेश के बाल स्वरूप को समर्पित है। जहां उनकी पूजा छोटे बच्चे के रूप में की जाती है। मंदिर का वातावरण अत्यंत शांत और भक्तिमय है, जो भक्तों को अलग तरह का आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है। मंदिर की वास्तुकला गोवा की पारंपरिक और आधुनिक शैलियों का सुंदर समायोजन है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि यहां दर्शन करने से जीवन में आने वाले संकट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर यहां विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है। *

सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का अद्वितीय प्रतीक है गणेशोत्सव

पर्वोल्लास / आर.सी. शर्मा

गणेश चतुर्थी यानी देशभर में मनाया जाने वाला गणेशोत्सव का पर्व महज धार्मिक पर्व भर नहीं है। यह हमारे देश की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का एक मजबूत प्रतीक भी है।

प्रतिमा स्थापना-पूजन: गणेश चतुर्थी का पर्व हर साल भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन मनाया जाता है। इस दिन देशभर में बड़ी धूमधाम से गणपति प्रतिमाओं की स्थापना होती है। इस साल 26 अगस्त 2025 की दोपहर 1 बजकर 54 मिनट से प्रारंभ होकर 27 अगस्त 2025 की रात तक गणपति स्थापना का शुभ मुहूर्त है। इस तरह दो दिन से लेकर 10 दिन तक मनाए जाने वाले गणेशोत्सव की शुरुआत 27 अगस्त 2025 से होगी। इस साल 27 अगस्त को गणपति स्थापना के बाद 6 सितंबर 2025 यानी अनंत चतुर्दशी के दिन तक यह पर्व मनाया जाएगा। इसके बाद गणपति विसर्जन होगा।

अगर कर रहे प्रतिमा स्थापित: गणेश पुराण के मुताबिक गणेश चतुर्थी को भगवान गणेश का जन्म हुआ था। इसलिए भक्तगण इस दिन अपने घरों या सार्वजनिक पूजा स्थलों पर गणेश प्रतिमा स्थापित करते हैं। अगर आप पहली बार अपने घर में विघ्न विनाशक गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित कर रहे हैं तो कुछ बातों का विशेष रूप से ध्यान रखें। जिन गणेश प्रतिमाओं में उनकी सूंड़ बाईं तरफ होती है, ऐसी प्रतिमाओं को घर लाना शुभ माना जाता है। अगर इस बार आपका पहला गणपति स्थापना उत्सव है, तो अपने घर बैठी हुई प्रतिमा ही लाएं, जो सुख, समृद्धि का प्रतीक होती है। भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापना हमेशा ईशान कोण में करनी चाहिए।

गणपति प्रतिमा स्थापना काठ की चौकी पर करना सबसे पवित्र होता है। लेकिन इस चौकी में गणपति स्थापना के पहले इसकी गंगा जल से पवित्र कर लेना चाहिए। गंगा जल और पंच द्रव्यों से चौकी की धुलाई करने के बाद उस पर लाल कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश को प्रतिस्थापित करना चाहिए। ध्यान रखें, आपकी स्थापित मूर्ति में गणेश जी का हाथ आशीर्वाद देती मुद्रा में होना चाहिए और उनके दूसरे हाथ में मोदक होना चाहिए। भगवान गणेश की ऐसी प्रतिमा को सबसे शुभ माना जाता है।

महाराष्ट्र का भव्य पर्व: यूं तो पूरे देश में गणेश चतुर्थी का पर्व खूब धूम-धाम से मनाया जाता है। लेकिन महाराष्ट्र में इस पर्व को लेकर देश में सबसे ज्यादा उल्लास होता है। हो भी क्यों न, आखिर आधुनिक गणेश उत्सव की शुरुआत सन 1893 में महाराष्ट्र से ही हुई थी। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने 1893 में गणेश चतुर्थी के पर्व को आधुनिक सार्वजनिक उत्सव का रूप दिया और इस तरह अंग्रेजों के विरुद्ध देशवासियों को सामाजिक एकता के जरिए एकत्रित किया। आज का गणेशोत्सव बहुत कुछ उसी दौर की परंपरा का विस्तार है। यहां गणेशोत्सव सामुदायिक भावना, संगीत, नृत्य, कला, अनुराग और मिलन का इंद्रधनुषी पर्व बन चुका है। इसलिए महाराष्ट्र में यह पर्व धार्मिकता से बढ़कर पहचान और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव का रूप ले चुका है। हालांकि महाराष्ट्र में भी यूं तो गणेशोत्सव हर गली, हर घर और हर मुहल्ले में किसी न किसी रूप से मनाया जाता है। लेकिन मुंबई और पुणे ये दो ऐसे शहर हैं, जहां गणेशोत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम के साथ मनाया जाता है। मुंबई और पुणे में यह पर्व उत्सव की धूम के साथ-साथ हर साल बढ़ती भव्यता के रूप में भी देखा जाता है। महाराष्ट्र राज्य में गणेशोत्सव को राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसलिए यहां सिर्फ घरों में ही नहीं मैदानों और सोसाइटीज में भी गणपति के भव्य पंडाल लगाए जाते हैं और अगले दस दिनों तक पूरे राज्य में गणपति बप्पा के जयकारे गूंजते हैं। महाराष्ट्र का भव्य गणेशोत्सव आज न सिर्फ भारत में, विदेशों में भी अपनी पहचान कायम कर चुका है।

मुंबई-पुणे की प्रसिद्ध गणेश पूजा: मुंबई में लालबागचा का राजा यानी लाल बाग में स्थापित की जाने वाली गणेश प्रतिमा का उत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम से मनाया जाता है। लालबाग के पंडाल में गणेश प्रतिमा स्थापित हो जाने के बाद यहां महाराष्ट्र और देश-विदेश के कोने-कोने से आने वाले भक्तों का तांता लगा रहता है। माना जाता है कि लालबागचा के राजा यानी नौ साझा गणपति का एक बार दर्शन भर कर लेने से मनोकामना पूरी हो जाती है। इसलिए मुंबई के लालबाग इलाके में स्थापित गणेश प्रतिमा के इस पूरे उत्सव के दौरान करोड़ों भक्त दर्शन करते हैं। लालबाग के बाद मुंबई में गिर गांव चौपाटी और केतवाड़ी, सिद्धिविनायक मंदिर में स्थापित होने वाले गणेश पंडाल सबसे ज्यादा भव्य होते हैं, जहां हर दिन गणपति के दर्शन के लिए लाखों भक्त आते हैं।

मुंबई के बाद कुछ विशेष गणेश पंडालों के आकर्षण का यह जलवा पुणे शहर में भी दिखता है। विशेषकर यहां दगडु सेठ हलवाई गणपति टेंपल और तुलसी बाग गणपति का जिक्र होता है। पूरे महाराष्ट्र भर से ही नहीं देश के विभिन्न स्थानों से भी इन पंडालों में गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने लोग आते हैं। *

गजल

अवतार सिंह अक्षरजीवी

जितना लिखा था नसीब में उतना मिल गया
थोड़ा रह गया प्यार थोड़ा मिल गया
जिंदगी के पहाड़ पर चढ़ते-चढ़ते मुझे
कभी सहारा मिला कभी धक्का मिल गया
सुख-दुख का मुझसे हिसाब नहीं होता
कितना नहीं मिला कितना मिल गया
मुझे हर इंसान, इंसान जैसा ही मिला
पहले भरोसा मिला फिर धोखा मिल गया
मैंने खुद को सोचने की छूट ज्यादा क्या दी
मुझे डर और चिंताओं का काफिला मिल गया
कभी ऐसा सोऊं कि फिर जागूं ही नहीं मैं
अंधेरा कट जाए लगे कि सवेरा मिल गया

लघुकथाएं

एक अकेला

सेवानिवृत्त अध्यापक आत्माराम जी हर मौसम में अपने साथ छाता लिए बिना घर से बाहर नहीं निकलते। छाता और आत्माराम मानो एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं। पीठ पीछे कुछ लोग उन्हें छाताराम, छतरीवाला, अंब्रेला मैन कह कर हंसी उड़ाते हैं। आत्माराम जी के घनिष्ठ मित्र चतुरमल ने उन्हें एक बार समझाने की कोशिश की तो वह बोले, 'देखो भाई, लोगों द्वारा पीठ पीछे खिल्ली उड़ाने के कारण मैं अपनी सेहत से समझौता नहीं कर सकता। धूप में बिना छाते के चलने पर त्वचा झुलस जाती है, लू लगने का खतरा रहता है। बारिश के मौसम में भीगकर सर्दी-जुकाम होने का डर रहता है। लोगों की परवाह किए बिना अपनी पसंद की वेशभूषा पहनना, घूमना-फिरना और रहना चाहिए।' आत्माराम की बात के आगे चतुरमल चुप रह गए।

आत्माराम जी को एक विवाह समारोह में शामिल होना था। उन्होंने नए कपड़े पहने। छाता लेकर घर से निकलने लगे तो

पत्नी शांति ने उन्हें टोका, 'नए कपड़े के साथ पुराना छाता टाट में पैबंद लग रहा है। अभी तो पानी भी नहीं बरस रहा है। काहे छाता लेकर जा रहे हो?'

'आजकल बारिश का कोई भरोसा नहीं होता है। नवंबर, दिसंबर और मार्च, अप्रैल में भी पानी गिरते देखा है। अभी तो अगस्त का महीना है।' आत्माराम ने पत्नी को जवाब दिया और प्रतिक्रिया जाने बिना घर से निकल गए।

आत्माराम जी को विवाह समारोह में पीठ पीछे यूं छाता लटकाए देखकर कुछ लोग मुस्कुराए। कइयों ने अपनी हंसी को मुश्किल से रोका। आत्माराम सभी से आत्मीयता से मिले। वर-वधु को आशीर्वाद दिया। भोजन किया। इतने में बारिश होने लगी। जो लोग कार में आए थे, वे सब निश्चिंत दिखे। बाकी लोगों के पास बरसात थमने की प्रतीक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। आत्माराम ने अपना छाता खोला और बेफिक्र होकर अपने घर की ओर चल पड़े। वो लोग जो, अभी कुछ देर पहले उन पर हंस रहे थे, उन्हें देखते रह गए। *

-अशोक वाधवाणी

नाक का सवाल!

आज गुप्ता परिवार में विवाह की पचासवीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी थी। इस अवसर पर लगभग सभी रिश्तेदारों को बुलाया गया।

'बड़े भैया नहीं आए अभी तक... काफी देर हो चुकी है।' गुप्ता जी ने अपनी पत्नी से कहा।

'आ जाएंगे... थोड़ा और इंतजार कर लीजिए।' पत्नी ने जवाब दिया।

उसी समय बड़े भैया ने समारोह स्थल पर पैर रखे। नशे में चूर, उनके कदम लड़खड़ा रहे थे।

'भैया आपने शराब पी रखी है, आपने तो जीवन में कभी शराब को छुआ तक नहीं... और आज...!' गुप्ता जी ने उन्हें संभालते हुए पूछा।

'अरे तुमने मेरा दिल जलाया है.. दिल... नाक कटवा दी मेरी... जब मैंने अपने विवाह की पचासवीं वर्षगांठ नहीं मनाई तो तुमने क्यों मनाई... मुझे नीचा दिखाने के लिए। लोग क्या कहेंगे कि बड़ा भाई कंजूस.. मक्खीचूस निकला।' बड़े भैया ने लड़खड़ाती आवाज में जवाब दिया।

'अरे भैया न दिल जलाया आपका और न ही नाक कटी आपकी। बल्कि आपकी नाक रख ली मैंने। आज आपकी ही तो शादी की सालगिरह है। वहां देखिए, भाभी जी बन-संवर के आपकी प्रतीक्षा कर रही हैं।' गुप्ता जी ने स्टेज की तरफ इशारा किया। बड़े भैया ने जैसे ही स्टेज पर अपनी पत्नी को देखा, उनका नशा छू-मंतर हो गया। उनके मुंह से निकला, 'भाई हो तो ऐसा...!' *

-गोविंद भारद्वाज

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

दिल्ली मेट्रो की कहानी

दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोग ही नहीं, देश-विदेश से यहां आने वाले लोग भी दिल्ली मेट्रो में सफर करने पर इसकी तारीफ किए बिना नहीं रह पाते हैं। वास्तव में पिछले लगभग तेईस वर्षों से दिल्ली मेट्रो, यहां की लाइफलाइन की भूमिका बखूबी निभा रही है। इसकी परिकल्पना, इसकी शुरुआत, इसकी विशेषताओं और फिर निरंतर इसके होते विस्तार की यात्रा-कथा को आंकड़ों, चित्रों और विवरणों के जरिए ऋषिराज ने बहुत सलीके से 'दिल्ली की जीवनरेखा: दिल्ली मेट्रो' पुस्तक में संजोया है। मेट्रो मैन के नाम से विख्यात दिल्ली मेट्रो के कर्णधार ई. श्रीधरन की उपलब्धियों और उनकी कार्यकुशलता के बारे में भी पुस्तक में एक अध्याय है। इसके अलावा लंदन मेट्रो, पेरिस मेट्रो, टोरंटो मेट्रो और न्यूयॉर्क मेट्रो जैसी विदेशी मेट्रो सेवाओं से दिल्ली मेट्रो का तुलनात्मक विवरण भी दिलचस्प है। इस किताब में दिल्ली मेट्रो के आय के स्रोत, इसकी पर्यावरणीय संवेदनशीलता और इसके बारे में अति विशिष्ट लोगों के अनुभवों को भी अलग-अलग अध्यायों में संकलित किया गया है। डीएमआरसी में एजीएम (ऑपरेशंस) के पद पर कार्यरत लेखक ने अपने कार्यक्षेत्र से जुड़ी कुछ मधुर स्मृतियों को भी रोचक शैली में पुस्तक में दर्ज किया है। *

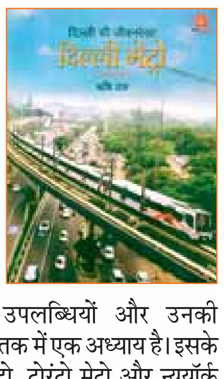

पुस्तक: दिल्ली की जीवनरेखा: दिल्ली मेट्रो,
लेखक: ऋषि राज, **मूल्य:** 460 रुपए,

यूएस ओपन के लिए सिनर बहा रहे पसीना, कहा- बेहद कठिन टूर्नामेंट, जीतना आसान नहीं

एजेंसी ▸▸ न्यूयॉर्क

गत विजेता जानिक सिनर एक बार फिर से यूएस ओपन 2025 में पुरुष एकल वर्ग का खिताब जीतने के लिए तैयार हैं। लगातार दो साल यूएस ओपन जीतना आसान नहीं होता। लेकिन, इस कठिन उपलब्धि को हासिल करने के लिए सिनर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। बीमारी की वजह से सिनसिनाटी ओपन के फाइनल के बीच से हटने वाले सिनर यूएस ओपन के लिए न्यूयॉर्क पहुंचकर खुश हैं।

सिनर ने कहा, "मैं यहां वापस आकर बहुत खुश हूं। यह एक शानदार टूर्नामेंट है। सीजन का यह आखिरी ग्रैंड स्लैम है, इसलिए, हमारा उत्साह ज्यादा है। शारीरिक रूप से मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं लगभग पूरी तरह से ठीक हो गया हूं। टूर्नामेंट शुरू होने से पूर्व में फिटनेस के उच्चतम स्तर पर पहुंचना चाहता हूं।"

प्रतिद्वंद्विता होना बहुत अच्छी बात

अल्काराज के साथ अपने रिश्ते पर सिनर ने कहा, "प्रतिद्वंद्विता होना बहुत अच्छी बात है, यह खेल के लिए अच्छा है। यह व्यक्तिगत दृष्टिकोण के लिए भी अच्छा है, क्योंकि कभी-कभी जब आप अभ्यास में थक जाते हैं, तो आप कुछ चीजों की नकल करने की कोशिश करते हैं, क्योंकि वे असली मैच में भी हो सकती हैं। इस समय मैं और कार्लोस बड़ी ट्रॉफियां साझा कर रहे हैं, लेकिन चीजें बदल भी सकती हैं। आप कभी नहीं जानते। मैदान पर बहुत ही शानदार खिलाड़ी हैं और फाइनल तक पहुंचना बहुत मुश्किल है। मैं हमेशा कहता हूं कि हमें सुधार करना होगा, क्योंकि खिलाड़ी अब हमें समझते हैं कि हम कैसे हैं।

क्वालीफायर मुकाबले 18 अगस्त से शुरू

यूएस ओपन साल का आखिरी ग्रैंडस्लैम है। इसी वजह से सभी प्लेयर्स अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। अब इसके लिए मंच पूरी तरह से तैयार है। यूएस ओपन 2025 के क्वालीफायर मुकाबले 18 अगस्त से शुरू हो चुके हैं। वहीं पुरुष और महिला वर्ग के पहले राउंड के मुकाबले 24 अगस्त से खेले जाएंगे।

सबालेंका को दिखाना होगा दम

पिछली बार वुमेंस सिंगल्स में यूएस ओपन 2025 का खिताब आर्यना सबालेंका ने जीता था। इस बार भी उनकी निगाहें जीत दर्ज करने पर होंगी। लेकिन यह इतना आसान नहीं होगा। उन्हें इगा स्वियटेक और जेसिका पेगुला से कड़ी टक्कर मिल सकती है। ऐसे में उन्हें खिताब जीतने के लिए तगड़ी मेहनत करनी होगी।

ग्रैंड स्लैम में कई छोटी-छोटी बातें भी फर्क डालती

सिनर से पूछा गया कि हाल के वर्षों में यूएस ओपन में खिताब बचाना इतना मुश्किल क्यों रहा है? उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यहां रात में या दिन में खेलने से बहुत कुछ बदल जाता है। इस ग्रैंड स्लैम में कई छोटी-छोटी बातें भी फर्क डालती हैं। यह बेहद मुश्किल टूर्नामेंट है, जीतना कभी भी आसान नहीं है। रोजर फेडरर एकमात्र ऐसे खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने लगातार पांच साल (2004 से 2008) तक यूएस ओपन का खिताब जीता। टेनिस में मौजूदा समय में जानिक सिनर और कार्लोस अल्काराज के बीच कड़ी प्रतिद्वंद्विता देखने को मिलेगी। पिछले सात ग्रैंड स्लैम इन्हीं दोनों खिलाड़ियों ने जीते हैं। ऐसे में यूएस ओपन के पुरुष वर्ग का फाइनल भी इन्हीं दोनों के बीच होने की प्रबल संभावना है।

खबर संक्षेप

हिल्स ओपन : अवनि स्नेहा की अच्छी शुरुआत

गोटेनबर्ग। भारत की अवनि प्रशांत ने हिल्स ओपन गोल्फ के पहले दिन एक ओवर 72 के स्कोर के साथ संयुक्त 21वां स्थान हासिल कर लिया। स्नेहा सिंह भी संयुक्त 21वें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड की मोमोका कोबोरी पहले दौर के बाद शीर्ष पर है, जिन्होंने चार अंडर पार स्कोर किया। भारत की हिताशी बख्शी संयुक्त 48वें और प्रणवि उर्स संयुक्त 71वें स्थान पर है। अमनदीप द्राल संयुक्त 86वें, त्वेसा मलिक संयुक्त 107वें और वाणी कपूर संयुक्त 123 वें स्थान पर हैं।

सिंक्यूफील्ड कप : गुकेश बाल-बाल बचे हार से प्रज्ञानानंदा ने खेला ड्रा

सेंट लुइस। ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने सिनक्यूफील्ड कप शतरंज के पांचवें दौर में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर लाग्रेव से ड्रॉ खेला जबकि विश्व चैंपियन डी. गुकेश हार से बाल बाल बचे और पोलैंड के डुडा जान क्रिस्टोफ के साथ अंक बांटे। पांचवें दौर में सभी मुकाबले ड्रॉ रहे। अमेरिका के फेबियानो कारुआना ने 3.5 अंक के साथ एकल बढ़त बना ली है। उन्होंने हमवतन वेसली सो से ड्रॉ खेला। दूसरे मुकाबलों में अमेरिका के सैमुअल सेविॉयन ने उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से ड्रॉ खेला जबकि लेवोन आरोनियन और फ्रांस के अलीरजा फिरोजा का मुकाबला भी बराबरी पर छूटा। प्रज्ञानानंदा दूसरे और आरोनियन तीसरे स्थान पर हैं जबकि गुकेश, फिरोजा, वेसली, सेवियान और वाचियर लाग्रेव 2.5 अंक लेकर संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। ग्रैंड शतरंज टूर से शीर्ष चार खिलाड़ी इस साल के आखिर में होने वाले फाइनल में जगह बनाएंगे।

एआईएफएफ-एफएसडीएल खत्म करें विवादः सुको

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) से मास्टर राइट्स समझौते के नवीनीकरण से संबंधित मुद्दे को सुलझाने को कहा है क्योंकि इससे ही इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का आगामी सत्र शुरू नहीं हो सका है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए एआईएफएफ और एफएसडीएल को इस मुद्दे पर चर्चा करने और अगली सुनवाई की तारीख 28 अगस्त तक समाधान निकालने का निर्देश दिया। उच्चतम न्यायालय 18 अगस्त को राष्ट्रीय महासंघ और टूर्नामेंट के आयोजकों के साथ अपने अनुबंधों का नवीनीकरण नहीं होने के कारण 11 आईएसएल क्लबों के भाग्य को लेकर एआईएफएफ और एफएसडीएल के बीच विवाद से जुड़े मामले की सुनवाई के लिए सहमत हो गई थी।

गुयाना वॉरियर्स ने बनाए 211 रन, एंटीगुआ की टीम 128 में सिमटी

सीपीएल 2025 : टी20 में 5 विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज कप्तान बने ताहिर

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 में एंटीगुआ और बारबुडा फाल्कन्स की टीम और गुयाना अमेजन वॉरियर्स की टीम के खिलाफ मैच खेला गया। इसमें गुयाना की टीम ने 83 रनों से जीत दर्ज की। टीम की जीत में 46 साल के कप्तान इमरान ताहिर ने अहम योगदान दिया और उन्होंने 4 ओवर में 21 रन देकर पांच विकेट झटके। गुयाना वॉरियर्स की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 211 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। इसके बाद एंटीगुआ और बारबुडा फाल्कन्स की टीम सिर्फ 128 रनों पर ही सिमट गई।

ताहिर ने तोड़ा मोअज्जम अली बेग का वर्ल्ड रिकॉर्ड

इमरान ताहिर ने मैच में 4 ओवर में 21 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। उनकी गेंदों को विरोधी टीम के बल्लेबाज समझ नहीं पाए और बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुए। उन्होंने 46 साल और 148 दिन की उम्र में पांच विकेट हॉल हासिल किया है। वह टी20 क्रिकेट के इतिहास में पांच विकेट हॉल लेने वाले सबसे उम्रदराज कप्तान बन गए हैं। उन्होंने मलावी के कप्तान मोअज्जम अली बेग के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ा है। मोअज्जम ने 39 साल की उम्र में मलावी की टीम से खेलते हुए कैमरून के खिलाफ पांच विकेट हॉल लिया था। अब इमरान ने कप्तान रहते हुए उनका रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है।

इमरान ने टी20 क्रिकेट में किया कमाल

इमरान ताहिर टी20 क्रिकेट में पहले ऐसे कप्तान भी बन गए हैं, जिन्होंने टी20 क्रिकेट में 40 साल की उम्र से ज्यादा रहते हुए पांच विकेट हॉल हासिल किया है। इमरान से पहले कोई भी कप्तान टी20 क्रिकेट में 40 की उम्र पार करने के बाद पांच विकेट हॉल नहीं ले पाया है।

मलिंगा की कर ली बराबरी

इमरान ताहिर टी20 क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा पांच विकेट हॉल लेने वाले प्लेयर बन गए हैं। वह टी20 क्रिकेट में अभी तक पांच बार पांच विकेट हॉल ले चुके हैं। उन्होंने शाहीन अफरीदी, लासिथ मालिंगा, भुवनेश्वर कुमार, शाकिब अल हसन की बराबरी कर ली है। इन गेंदबाजों ने टी20 क्रिकेट में पांच-पांच बार पांच विकेट हॉल लिया था। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा 7 बार पांच विकेट हॉल लेने का रिकॉर्ड डेविड वीसे के नाम है।

419 पारियों में इमरान ने हासिल किए 554 विकेट

इमरान ताहिर टी20 इतिहास के चौथे सबसे सफल गेंदबाज हैं। 2006 में अपना करियर शुरू करने वाले ताहिर ने अंतर्राष्ट्रीय और लीग क्रिकेट मिलाकर कुल 436 मैच खेले हैं, जिसकी 419 पारियों में गेंदबाजी करते हुए कुल 554 विकेट हासिल किए हैं। राशिद खान पहले, ड्वेन ब्रावो दूसरे और सुनील नरेन तीसरे स्थान पर हैं। टी20 में एक पारी में 5 विकेट लेने की उपलब्धि इमरान ताहिर पांच बार हासिल कर चुके हैं। इस फॉर्मेट में सर्वाधिक बार 5 विकेट लेने वालों की सूची में वह शाहीन अफरीदी, लसिथ मलिंगा, भुवनेश्वर कुमार, और शाकिब अल हसन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। डेविड विजा 7 बार पांच विकेट लेकर सूची में पहले स्थान पर हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके पाकिस्तान मूल के इमरान ताहिर ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 20 टेस्ट में 57, 107 वनडे में 173 और 38 टी20 में 63 विकेट लिए हैं।

एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप

अर्जुन-इलावेनिल की जोड़ी ने जीता गोल्ड

एजेंसी ▸▸ शिमकेंट (कजाखस्तान)

भारत के अर्जुन बाबूता और इलावेनिल वालारिवन ने 16वीं एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

- 10 मीटर एयर राइफल में चीन के डिंगके लू और शिनलु पेंग को 17-11 से हराया

भारतीय जोड़ी ने चीन के डिंगके लू और शिनलु पेंग को 17-11 से हराया। चीनी जोड़ी शुरुआती दौर में आगे थी लेकिन भारतीय जोड़ी ने 9-5 और 10-1 के स्कोर से उबरते हुए शानदार वापसी करके स्वर्ण जीता। इलावेनिल इससे पहले महिला वर्ग में 10 मीटर एयर राइफल स्वर्ण जीत चुकी हैं।

जूनियर वर्ग में शांभवी-नारायण की जोड़ी ने जीता स्वर्ण

बाबूता ने रुद्रांक्ष पाटिल और किरण जाधव के साथ पुरुष 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में पीला तमगा जीता है। भारत की शांभवी श्रवण और नारायण प्रणव की जोड़ी ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम जूनियर वर्ग में स्वर्ण जीता। उन्होंने चीन को 16-12 से हराया। भारतीय टीम क्वालीफिकेशन में दो चीनी टीमों के पीछे थी लेकिन एक देश से एक ही टीम भाग ले सकती है तो चीन के तांग हुइकी और हान यिनान क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहने के कारण फाइनल में पहुंचे। भारतीय टीम ने 629-5 स्कोर किया जबकि चीन 2 का स्कोर 632-5 और चीन 1 का स्कोर 630 था। शांभवी ने 105- 4, 105-2 और 104-4 स्कोर किया जबकि प्रणव ने 103-7, 105-7 और 105-1 स्कोर किया। भारत की ईशा टकसाले और हिमांशु क्वालीफिकेशन में 628-6 स्कोर करके चौथे स्थान पर रहे।

महिला विश्व कप

युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का शानदार मिश्रण भारतीय टीम

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

पूर्व हरफनमौला रीमा मल्होत्रा ने भारतीय महिला टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों के मिश्रण को शानदार करार देते हुए कहा कि यह विश्व कप में अब तक की सबसे मजबूत और घरेलू परिस्थितियों में चैंपियन बनने की दावेदार टीम है।

- 30 सितंबर से 2 नवंबर तक होगी स्पर्धा, भारत का पहला मैच श्रीलंका के खिलाफ

भारत और श्रीलंका की मेजबानी में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप का आयोजन 30 सितंबर से 2 नवंबर तक होगा। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज शुरुआती दिन गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ करेगी। भारत की 15 सदस्यीय टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के शानदार मिश्रण का जिक्र करते हुए रीमा ने कहा, ' यह किसी भी महिला विश्व कप को देखे तो भारत की सबसे मजबूत टीम है। भारतीय टीम में हरमनप्रीत (कौर), स्मृति मंधाना, जैमी (जेमिमा रोड्रिग्स), दीप्ति (शर्मा) जैसी अनुभवी खिलाड़ी हैं तो वहीं अमनजोत कौर, क्रांति गौड़, श्री चरणी और ऋचा घोष जैसे दमखम वाले युवा भी है।' रीमा ने कहा, ' टीम में जोश और होश का अच्छा मिश्रण है। मुझे नहीं लगता कि आपको विश्व कप के लिए इससे अच्छी टीम मिलेगी।' आक्रामक बल्लेबाज शेफाली वर्मा टीम में जगह बनाने में नाकाम रही लेकिन रीमा ने उनकी जगह प्रतिका रावल के चयन को सही करार देते हुए कहा कि दिल्ली की इस बल्लेबाज के प्रदर्शन में निरंतरता रही है।

प्रतिका ने भारत के लिए 14 एकदिवसीय में 54.07 के औसत से 754 रन (एक शतक और पांच अर्धशतक) रन बनाए हैं। शेफाली के नाम 29 एकदिवसीय में लगभग 23 के औसत से 644 रन (चार अर्धशतक) है। इस दौरान शेफाली का स्ट्राइक रेट 83.20 का रहा है तो वहीं प्रतिका ने इस मामले में भी बेहतर करते हुए 87.43 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं।

सीपीकेसी ओपनः अदिति ने हासिल किया कट

मिसिसॉगा (कनाडा)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने एलपीजीए टूर पर सीपीकेसी महिला ओपन के दूसरे दौर में दो अंडर 69 का कार्ड खेलकर कट में जगह बनाई। अदिति ने पहले दौर में 71 का कार्ड बनाया था, जिससे दो दौर में उनका कुल स्कोर दो अंडर का है, जिससे वह संयुक्त 21वें स्थान पर बनी हुई हैं। वह शीर्ष पर काबिज अकी इवाई (64, 69) से सात शॉट पीछे हैं। अदिति ने दूसरे दौर में पांच बर्डी लगाई जबकि दो बोगी कर बैठीं। वहीं भारतीय मूल की अमेरिकी गोल्फर गुरलीन कौर ने भी कट हासिल कर लिया है। वह 74 और 68 के कार्ड खेलकर संयुक्त 45वें स्थान पर हैं। लेकिन सवानाह ग्रेवाल कट से चूक गईं।

टेनिस हाफ ऑफ फेम में शामिल होंगे शारापोवा और ब्रायन बंधु

एजेंसी ▸▸ लंदन

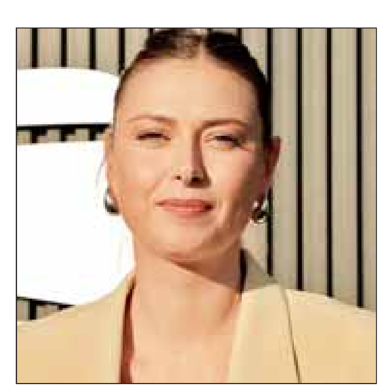

रूस की पूर्व दिग्गज खिलाड़ी मारिया शारापोवा और अमेरिका के युगल विशेषज्ञ बॉब और माइक ब्रायन को टेनिस हाल आफ फेम में शामिल किया जाएगा। कैरियर ग्रैंडस्लैम पूरा करने वाली 10 महिला खिलाड़ियों में से एक शारापोवा ने 2004 में दो बार की गत चैंपियन सेरेना विलियम्स को हराकर विम्बलडन जीता था। उन्होंने 2006 में अमेरिकी ओपन, 2008 में आस्ट्रेलियाई ओपन और 2012 तथा 2014 में फ्रेंच ओपन जीता था।

वह डब्ल्यूटीए एकल रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाली पहली रूसी खिलाड़ी भी रहीं। उन्होंने 2012 लंदन ओलंपिक में रजत पदक भी जीता, जिसमें फाइनल में वह सेरेना से हारी थी। उन्होंने 2020 में 32 वर्ष की उम्र में खेल को अलविदा कहा। वहीं ब्रायन बंधुओं ने 16 पुरुष युगल ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं, जो एक रिकॉर्ड है। वे 438 सप्ताह तक नंबर एक जोड़ी रहे। उन्होंने अमेरिका को 2007 डेविस कप और 2012 ओलंपिक स्वर्ण भी दिलाया।

डीपीएल : नई दिल्ली टाइगर्स ने आउटर दिल्ली को हराया

नई दिल्ली। कप्तान हिम्मत सिंह (38 गेंद में 58 रन) और शिवम गुप्ता (43 गेंद में 59 रन) की अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी के दम पर नई दिल्ली टाइगर्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) मैच में आउटर दिल्ली वॉरियर्स को 28 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराया। आउटर दिल्ली ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सात विकेट पर 142 रन बनाए। नई दिल्ली ने हिम्मत और शिवम की 74 गेंद में 113 रन की साझेदारी से इस लक्ष्य को महज 15.2 ओवर में आसानी से इस लक्ष्य को हासिल कर लिया। टीम आठ मैचों में तीसरी जीत के बाद तालिका में पांचवें स्थान पर आ गई है जबकि नौ मैचों में छठी हार के बाद आउटर दिल्ली आठ टीमों की तालिका में सातवें स्थान पर है। इससे पहले नई दिल्ली टाइगर्स के गेंदबाजों ने भी अनुशासित प्रदर्शन कर आउटर दिल्ली के बल्लेबाजों को हाथ खोलने का मौका नहीं दिया। प्रद्युम्न सनन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार ओवरों में 16 रन देकर एक विकेट जबकि आत्रेय त्रिपाठी ने चार ओवरों में 19 रन देकर दो विकेट लिए।

विश्व चैंपियन टीम केरल में खेलेगी फीफा मैत्री मैच

इंतजार हुआ खत्म, अर्जेंटीना की टीम आएगी भारत

एजेंसी ▸▸ कोच्चि

तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने पुष्टि कर दी है कि वह नवंबर में केरल में अज्ञात प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ फीफा का एक दोस्ताना मैच खेलेगी। मैच 10 से 18 नवंबर के बीच कोच्चि या तिरुवनंतपुरम में खेला जा सकता है।

अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा,'लियोनेल स्कालोनी की अर्जेंटीना फुटबॉल टीम 2025 में दो फीफा दोस्ताना मैच खेलेगी। पहला 6 से 14 अक्टूबर के बीच अमेरिका में खेला जाएगा। दूसरा 10 से 18 नवंबर के बीच अंगोला के लुआंडा और भारत के केरल (प्रतिद्वंद्वी अभी तय नहीं) में होगा।' केरल के खेलमंत्री वी. अब्दुरहमान ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडिल पर इसकी पुष्टि की कि कप्तान लियोनेल मेस्सी समेत विश्व कप विजेता अर्जेंटीना फुटबॉल टीम नवंबर में केरल आएगी। उन्होंने लिखा,'अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ने ऐलान किया है कि टीम नवंबर में फीफा विंडो में केरल में खेलेगी। लियोनेल मेस्सी की कप्तानी में विश्व कप जीतने वाली पूरी टीम यहां आएगी।' उन्होंने कहा,'हम अर्जेंटीना फुटबॉल संघ को इसके लिए धन्यवाद देते हैं । यह केरल फुटबॉल और पूरे खेल सेक्टर के लिए ऐतिहासिक पल है।' एएफए के बयान में हालांकि मेस्सी का जिक्र नहीं है और न ही राष्ट्रीय टीम का ब्यौरा है।

अर्जेंटीना टीम इससे पहले 2011 में आई थी कोलकाता

अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने 2022 फीफा विश्व कप में खिताब जीतने के बाद केरल से मिले समर्थन के लिए भी धन्यवाद दिया था। अर्जेंटीना ने फ्रांस को पेनल्टी शूट आउट में हराकर खिताब जीता था। इससे पहले अर्जेंटीना टीम की यात्रा को लेकर संशय था क्योंकि दौरे की पुष्टि नहीं हुई थी और केरल सरकार के अधिकारियों को अनुबंध करने में नाकाम रहने के लिए दोषी ठहराया गया था। अर्जेंटीना टीम इससे पहले 2011 में कोलकाता में वेनेजुएला के खिलाफ दोस्ताना मैच खेलने आई थी।

2024 में शुरू हुआ अर्जेंटीना टीम को केरल लाने का अभियान

मेस्सी की अगुवाई वाली अर्जेंटीना टीम को केरल लाने के अभियान ने सितंबर 2024 में तेजी पकड़ी जब अब्दुरहमान ने स्पेन जाकर अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के अधिकारियों से मुलाकात की थी। एएफए के मुख्य वाणिज्यिक और विपणन अधिकारी लिएंड्रो पीटरसन ने हालांकि 8 अगस्त को कहा था कि टीम का केरल दौरा अभी तय नहीं है। लेकिन अब्दुरहमान ने इसे खारिज करते हुए कहा था, पीटरसन एएफए के महत्वपूर्ण अधिकारी हैं लेकिन सिर्फ मार्केटिंग में। यह अनुबंध एएफए प्रमुख क्लाउडियो टापिया के साथ हुआ है।' अब्दुरहमान की स्पेन यात्रा सरकारी खर्च पर हुई थी, जिस पर 13 लाख हजार रुपए खर्च हुए थे। इससे विवाद भी हुआ था लेकिन उन्होंने यह कहकर बचाव किया था कि इस यात्रा से स्पेन, आस्ट्रेलिया और क्यूबा जैसे अहम देशों से खेल करार किए गए हैं।

फटकार और प्रताड़ना से नाराज अधिकारी, शहर में चरमराया बिजली सिस्टम, परेशान हो रहे लोग

अपने ही डीई से पटरी नहीं बैठा पा रहे एसई सिटी

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर की बिजली आपूर्ति व्यवस्था संभाल रहे अधीक्षण अभियंता (सिटी) संजय अरोरा की कार्यशैली पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि अरोरा अपने ही अधीनस्थों से तालमेल नहीं बैठा पा रहे हैं। बात-बात पर फटकार और प्रताड़ना के चलते ज्यादातर डीई (कार्यपालन अभियंता) असंतुष्ट हैं। यही कारण है कि फील्ड का काम प्रभावित हो रहा है और इसका खामियाज़ा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

डीई के भरोसे चल रही व्यवस्था

शहर सर्किल में इस समय पांच कार्यपालन अभियंता (डीई) पदस्थ हैं। ये अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन बखूबी कर रहे हैं और किसी तरह शहर की बिजली व्यवस्था संभाले हुए हैं। जबकि सामान्य तौर पर एसई की सफलता अधीनस्थों के साथ तालमेल पर निर्भर करती है। लेकिन अरोरा की कार्यशैली में संवाद की बजाय दबाव और प्रताड़ना हावी है, जिसके चलते टीम वर्क कमजोर हुआ है।

फील्ड में भी गायब रहते हैं

शहर के विभिन्न संभागों उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम और विजय नगर में पदस्थ डीई लगातार फील्ड पर सक्रिय रहते हैं। लेकिन अधिकारियों का आरोप है कि एसई सिटी खुद फील्ड में नदारद रहते हैं। मौके पर अनुपस्थिति और फील्ड से दूरी ने बिजली आपूर्ति की निगरानी और समाधान की प्रक्रिया को और कमजोर कर दिया है। आम लोगों की भी यह शिकायत हे कि अरोरा फोन तक नहीं उठाते हे, कम्पलेन का निराकरण होना तो दूर की बात है।

कटनी में भी विवादों से घिरे रहे

सूत्रों के मुताबिक, अरोरा का कार्यकाल जबलपुर आने से पहले कटनी में भी विवादों से घिरा रहा। वहां भी अधीनस्थ अधिकारियों से टकराव, कामकाज में मनमानी और नेताओं की पैरवी कर पोस्टिंग हासिल करने की चर्चा आम रही। यही सिलसिला अब जबलपुर में भी दोहराया जा रहा है।

अफसर नाराज़, शिकायत से बचते हैं

सूत्र बताते हैं कि अधीनस्थ अधिकारी अंदरखाने बेहद नाराज़ हैं, लेकिन कोई भी औपचारिक शिकायत करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा। वजह एसई के हौसले बुलंद हैं और विरोध की स्थिति में अधीनस्थों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। यही खामोशी अरोरा की कार्यप्रणाली को और ताकत दे रही है।

जनता भुगत रही नतीजा

अधिकारियों के बीच तालमेल की कमी और एसई की फील्ड से दूरी का सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है। बिजली सप्लाई में गड़बड़ी, समय पर निरीक्षण न होना और समस्याओं का समाधान देर से होना अब आम बात हो चुकी है। सवाल उठ रहा है कि जनता कब तक इस नौकरशाही खींचतान की कीमत चुकाती रहेगी?

हाईकोर्ट ने काउंसिल सहित अन्य को जारी किए नोटिस

अध्यक्ष अधिवक्ता संघ उमरिया के खिलाफ स्टेट बार काउंसिल की कार्रवाई पर रोक

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने जिला अधिवक्ता संघ उमरिया के निर्वाचित अध्यक्ष के खिलाफ स्टेट बार काउंसिल के इलेक्शन ट्रिब्यूनल अपीलेट कमेटी की कार्रवाई पर रोक लगा दी। जस्टिस विनय सराफ की सिंगल बेंच ने स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्यप्रदेश के सचिव, चुनाव अधिकरण अपीलीय समिति, अधिवक्ता दिवाकर सिंह चंदेल व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

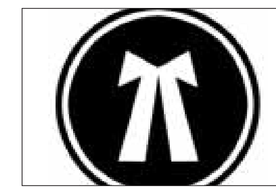

उमरिया के पुष्पराज सिंह की ओर से अधिवक्ता योगेश सिंह बघेल ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष पद के पराजित प्रत्याशी दिवाकर सिंह ने स्टेट बार काउंसिल की चुनाव अधिकरण अपीलीय समिति के समक्ष चुनाव में अनियमितता को लेकर शिकायत की। दलील दी गई कि अनावेदक ने चुनाव याचिका दायर नहीं की है। चुनाव अधिकरण को जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में हस्तक्षेप का अधिकार नहीं है। इसके बावजूद समिति ने याचिकाकर्ता को नोटिस जारी कर दिया। इसलिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240